@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 16 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 97 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आतंकी तहव्वुर को जल्द भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली, 15 फरवरी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर मुहर लगा दी। राजनीतिक सहमति के बाद भारत उसे जल्द से जल्द यहां लाने की तैयारी में जुट गया है। प्रत्यर्पण की तारीख और समय तय करने के लिए विदेश मंत्रालय अमेरिकी समकक्ष के संपर्क में है। सहमति बनते ही राष्ट्रीय जांच एजेंस् (एनआईए) की टीम अमेरिका रवाना हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले महीने तक राणा भारत में होगा। दो वर्ष पूर्व अमेरिकी अदालत ने राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की अनुमति दे दी थी। इसके बाद, बीते महीने अमेरिकी अदालत ने प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका को भी खारिज कर दिया था। अब ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से राणा को प्रत्यर्पित करने की घोषणा की है। अमेरिकी अदालत ने राणा को मुंबई हमले के एक अन्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली के साथ इस वारदात के साथ डेनमार्क में हमले की योजना की साजिश का दोषी करार देते हुए 14 साल की जेल की सजा सुनाई थी। अब राजनीतिक सहमति के बाद प्रत्यर्पण की सारी रुकावटें दूर हो गई हैं। राणा को भारत ला कर एनआईए की अदालत में पेश किया जाएगा। एनआईए पूछताछ के लिए अदालत से उसकी हिरासत मांगेगी। इसके साथ ही भारत में राणा के खिलाफ मुंबई आतंकी हमला मामले में न्यायिक प्रक्रिया की शुरुआत होगी। राणा और मुंबई हमले के दूसरे मास्टर माइंड डेविड कोलमैन हेडली को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने अक्तूबर 2009 में शिकागो एयरपोर्ट पर पकड़ा था। एफबीआई को सूचना मिली थी कि दोनों पैगंबर मोहम्मद का विवादास्पद कार्टून छापने वाले डेनमार्क के समाचार पत्र जिलैंड्स-पोस्टेन के कार्यालय पर हमले की साजिश रच रहे थे। इसी मामले में पूछताछ में दोनों ने मुंबई आतंकी हमला मामले में अपनी संलिप्ता स्वीकारी। चूंकि इस हमले में मरने वाले 164 लोगों में से छह अमेरिकी नागरिक थे। ऐसे में अमेरिकी अदालत ने राणा को 12 मामले में 14 साल की सजा सुनाई। राणा और हेडली दोनों पाकिस्तानी मूल के आतंकी संगठन लश्कर ए तयबा से जुड़े थे और आपस में गहरे दोस्त थे। राणा ने पाकिस्तानी सेना के मेडिकल कोर में काम करने के बाद 2001 में कनाडा की नागरिकता ले ली इसके बाद शिकागो में इमीग्रेशन और ट्रैवल एजेंसी खोली। बाद में राणा ने हेडली की मुंबई आतंकी हमले में मदद के लिए मुंबई में भी ट्रेवल एजेंसी खोली।

बोडो समुदाय को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में आंदोलन के केंद्र रहे कोकराझार में 17 फरवरी को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र और असम दोनों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकारें बोडो समुदाय को सशक्त बनाने और बोडो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने विकास के बारे में जानकारी दी और कहा कि सत्र का एक प्रमुख एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा। इस पल को अपने राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 17 फरवरी को असम ऐतिहासिक मील

का पत्थर हासिल करेगा, क्योंकि कोकराझार, जो कभी बोडोलैंड आंदोलन का केंद्र था, एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करेगा। मुख्य एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा, जिसमें राज्यपाल का अभिभाषण एक प्रमुख आकर्षण होगा। उन्होंने कहा, यह माननीय प्रधानमंत्री के असम के प्रति अटूट प्रेम और माननीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन से संभव हुआ है। उनका नेतृत्व शांति, स्थिरता और प्रगति की ओर हमारी यात्रा को आगे बढ़ाता रहेगा। मुख्यमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने इसका स्वागत किया और कोकराझार की अपनी यात्रा को भी याद किया। पीएम मोदी ने लिखा- केंद्र और असम दोनों में एनडीए सरकारें बोडो समुदाय को सशक्त बनाने और बोडो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। ये कार्य और भी अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे। मुझे कोकराझार की अपनी यात्रा याद आती है, जहां मैंने जीवंत बोडो संस्कृति देखी थी।

सीएम सिद्धारमैया ने जल जीवन मिशन पर भाजपा की आलोचना की

बंगलूरू, 15 फरवरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लेकर भाजपा की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) के लिए राज्य को घोषित धनराशि जारी नहीं करके कर्नाटक के साथ धोखा किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना पर निशाना साधते हुए कहा कि वे झूठ बोल रहे हैं। बता दें कि वी सोमन्ना ने लोकसभा में कहा था कि कर्नाटक को जल जीवन मिशन के तहत 28,623 करोड़ रुपये का आवंटन हुआ, लेकिन राज्य ने केवल 11,760 करोड़ रुपये खर्च किए। इस पर सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री कर्नाटक को नुकसान पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की कोशिशों को छिपा रहे हैं। मामले में मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कर्नाटक के लिए जल जीवन मिशन के तहत कुल 49,262 करोड़ रुपये का आवंटन था, जिसमें केंद्र का हिस्सा 26,119 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 23,142 करोड़ रुपये था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने कर्नाटक को केवल 11,760 करोड़ रुपये जारी किए, जो उसकी प्रतिबद्धता का केवल 45 प्रतिशत है, जबकि राज्य ने 29,413 करोड़ रुपये खर्च किए। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 3,804 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन केवल 570 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि कर्नाटक ने अपने बजट से 4,977 करोड़ रुपये जारी किए। सिद्धारमैया ने कहा कि केंद्र का ध्यान जल जीवन मिशन को खत्म करने पर है

न्यू इंडिया सहकारी बैंक का महाप्रबंधक गिरफ्तार

कौमी संवाददाता

मुंबई, 15 फरवरी। मुंबई पुलिस ने 122 करोड़ रुपये के गबन मामले में न्यू इंडिया सहकारी बैंक के महाप्रबंधक हितेश मेहता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हितेश व उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच अपनी आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें रविवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि मेहता को शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीन घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया

कि मेहता को इस मामले के संबंध में जांच एजेंसी के दक्षिण मुंबई कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगा दिए, जिसमें जमाकर्ताओं की ओर से धन निकासी पर भी प्रतिबंध शामिल है। शुक्रवार को आरबीआई ने ऋणदाता के बोर्ड को एक साल के लिए भंग कर दिया और मामलों के प्रबंधन के लिए एक प्रशासक नियुक्त किया और उसकी सहायता के लिए सलाहकारों की एक समिति भी नियुक्त की। बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में जाकर धन की हेराफेरी की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद शनिवार तड़के मेहता और अन्य के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। मेहता को दक्षिण मुंबई स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय लाया गया और उसके अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने बताया, शिकायत के अनुसार बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची और बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से 122 करोड़ रुपये का गबन किया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मेहता और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316 (5) (लोक सेवकों, बैंकरों और भरोसेमंद पदों पर बैठे अन्य लोगों द्वारा आपराधिक विश्वासघात), धारा 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के दायरे को देखते हुए मामले को ईओडब्ल्यू को सौंप दिया गया है। एजेंसी ने जांच शुरू कर दी है। इस सहकारी बैंक की 28 शाखाओं में ज्यादातर मुंबई महानगर में हैं। गुजरात के सूरत में इसकी दो शाखाएं और पुणे में एक शाखा है।

लोकसभा स्पीकर ने 31 सदस्यीय चयन समिति गठित की: ओम बिरला

नई दिल्ली, 15 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आयकर विधेयक, 2025 की जांच के लिए प्रवर समिति गठित की है। यह समिति बिल के प्रावधान और कानून में होने वाले बदलावों की जांच करेगी। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रवर समिति के अन्य सदस्यों में डॉ. निशिकांत दुबे, जगदीश शेट्टर, सुधीर गुप्ता, अनिल बलूनी, राजू बिस्टा, एटाला राजेंद्र, विष्णु दयाल राम, मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल, पीपी चौधरी, शशांक मणि, भर्तहरि मेहताब, नवीन जिंदल, अनुराग शर्मा, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, बेनी बेहनन, विजय कुमार उर्फ विजय वसंथ, डॉ. अमर सिंह, वकील गोवाल के पाडवी, मोहम्मद रकीबुल हुसैन, लालजी वर्मा, वकील प्रिया सरोज, महुआ मोइत्रा, डॉ. कलानिधि वीरस्वामी, डग्गुमल्ला प्रसाद राव, कौशलेंद्र कुमार, अरविंद गनपत सावंत, सुप्रिया सुले, रविंद्र दत्ताराम वैकर, एनके प्रेमचंद्रन, वी. रिचर्ड शामिल हैं। 31 सदस्यी प्रवर समिति में सत्तारूढ़ एनडीए के 17 सदस्य हैं, जिनमें भाजपा के 14 और टीडीपी, जदयू और शिवसेना के एक-एक सदस्य। वहीं, विपक्षी दलों के 13 सदस्य समिति में शामिल हैं, जिनमें कांग्रेस के छह, समाजवादी पार्टी के दो और द्रमुक, टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और आरएसपी के एक-एक सदस्य हैं। मिजोरम में सत्तारूढ़ जोरम पीपुल्स मूवमेंट की तरफ से रिचर्ड वनलालहमंगइहा समिति में हैं। बता दें कि नए आयकर विधेयक में कर निर्धारण (ङ्क) और वित्तीय वर्ष (स्नङ्क) जैसी शब्दावली को आसानी से समझ में आने वाले कर वर्ष (ञ्जङ्क) से बदला गया है। इस विधेयक में आयकर की भाषा को सरल बनाने के साथ-साथ गैरजरूरी प्रावधानों और स्पष्टीकरणों को भी हटाने का प्रस्ताव है। नया विधेयक 622 पन्नों का है और इसमें 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह विधेयक नए करों का प्रस्ताव नहीं करता है, बल्कि मौजूदा आयकर अधिनियम 1961 की भाषा को आसान बनाता है

ड्रोन की क्रांति को समझने में असफल रहे प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 फरवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा तो है, लेकिन युवाओं को रोजगार देने के लिए नई तकनीक में औद्योगिक कौशल विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए उसे मजबूत उत्पादन आधार की जरूरत है। इसके लिए खोखले शब्दों की जरूरत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के युवाओं के लिए आगे आने और यह सुनिश्चित करने का समय है कि भारत पीछे न छूटे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मौजूदा वक्त में युद्ध क्षेत्र और अन्य जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता का जिक्र किया। उन्होंने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी

क्रांति को समझने में असफल रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। उन्होंने कहा, ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली द्वारा संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है। राहुल ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है- यह उद्योग, एआई (कृत्रिम मेधा) और प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं, जबकि वह टेलीप्रॉम्प्टर की मदद से भाषण देते हैं। हमारे प्रतिस्पर्धी नई प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं है, बल्कि 'इलेक्ट्रिक' मोटर, बैटरी, 'ऑप्टिक्स' और उत्पादन नेटवर्क को नियंत्रित करने में भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यदि हम उत्पादन को नियंत्रित नहीं करते हैं तो हम एआई या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व नहीं कर सकते।

विवाद समाधान का रचनात्मक तरीका है मध्यस्थता: सीजेआई संजीव खन्ना

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 15 फरवरी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई संजीव खन्ना ने शनिवार को कहा कि सभी विवाद न्यायालय और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। उन्होंने मध्यस्थता को विवाद समाधान का एक प्रभावी तरीका बताया। बता दें कि सीजेआई नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एमएनएलयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहें थे। सीजेआई ने आगे कहा कि हर मामले को सिर्फ कानूनी दृष्टिकोण से नहीं बल्कि मानवता की कहानी के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कानूनी सहायता प्रणाली दुनिया की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक है, जहां सभी हितधारकों को मदद मिलती है। मुख्य न्यायाधीश ने कानूनी कार्रवाई से पहले आपसी मध्यस्थता की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता न केवल विवादों को हल करने का तरीका है, बल्कि यह रचनात्मक समाधान भी प्रदान करता है, जो रिश्तों को भी मजबूत करता है। साथ ही उन्होंने

वकीलों को समस्या समाधानकर्ता बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें कानूनी और मानवीय दोनों दृष्टिकोण से समाधान निकालने चाहिए। सीजेआई ने आगे कहा कि आज की समस्याएं अधिक गतिशील हो गई हैं, और उनके समाधान को भी लचीला होना चाहिए। उन्होंने न्याय के मार्ग को बाधा नहीं बनने की आवश्यकता पर जोर दिया। सीजेआई ने सभी से परंपरा से परे सोचने और न्याय प्रदान करने के तरीके को और अधिक लागत प्रभावी और समयबद्ध बनाने का आग्रह किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने शनिवार को कहा कि न्याय प्रदान करने के पारंपरिक तरीकों से परे सोचना और उसे लागत प्रभावी व समयबद्ध बनाना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को ऐसे अनदेखे और जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी हमारे पूर्वजों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी, जैसे जलवायु परिवर्तन, जो न केवल हमारे पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के ढांचे को भी प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा, डिजिटल विकास से जुड़े नए प्रश्न जैसे गोपनीयता और सुरक्षा के मुद्दे भी सामने आ रहे हैं।

महाकुंभ के चलते कहीं भी जाम लगा तो अधिकारी होंगे जिम्मेदार: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 15 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के बाद वाराणसी और अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं के ट्रैफिक जाम में फंसने का संज्ञान लेते हुए कहा कि कहीं भी जाम की स्थिति होने पर अधिकारी जिम्मेदार होंगे। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर महाकुंभ की व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में उतरकर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। दरअसल, महाकुंभ के पलट प्रवाह से अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर और बाराबंकी में बृहस्पतिवार को भयंकर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सबसे बुरा हाल अयोध्या का रहा। बृहस्पतिवार को 10 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। हालात नियंत्रण करने के लिए जिले की सीमा से ही वाहनों को डायवर्ट किया जाने लगा। गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ, रायबरेली, अंबेडकरनगर मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया। सुल्तानपुर में बृहस्पतिवार को लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर करीब 25 किमी लंबा जाम लगा रहा। इसका संज्ञान लेकर सीएम ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं सड़क पर उतरें। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी और आसपास के सभी जिलों में कहीं भी सड़क पर जाम ना लगे। इसकी हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां जाम होगा, वहां के अधिकारियों के जवाबदेही तय होगी। बता दें कि इससे पहले सीएम के सख्त रुख के बाद अधिकारियों ने मोर्चा संभाला था, जिससे हर जगह जाम खत्म कराने में सफलता मिली थी। बृहस्पतिवार को एक बार फिर जाम के हालात बनने से लोगों को खासी मुश्किलों को सामना करना पड़ा।

एक दिन में लगभग 28 छात्र कर रहे आत्महत्या: कन्हैया कुमार

नरेश मल्होत्रा

पटना, 15 फरवरी। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शनिवार को सरकार से छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में विभिन्न कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि देशभर में यूपीएससी, मेडिकल और इंजीनियरिंग परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण देने वाले निजी कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आ गई है, क्योंकि सरकारी संस्थानों की स्थिति अच्छी नहीं है। कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पिछले कई दिनों से कोचिंग संस्थानों द्वारा छात्रों से फीस वसूलने के बाद उन्हें डॉक्टर और इंजीनियर बनाकर गायब करने का दावा करने की खबरें आ रही हैं। जब भी देश में ऐसी व्यवस्थागत विफलता होती है, तो सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि छात्र और आम लोग सरकार और बाजार के बीच पिस रहे हैं। कुमार ने कहा कि सरकार को ऐसे मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए और झूठ-मूठ में नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने सरकार से देश में सरकारी संस्थानों की स्थिति को मजबूत करने और सुधारने का भी आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया, आज देश में सपने बेचे जा रहे हैं और कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आ गई है, क्योंकि सरकारी व्यवस्था की हालत बहुत कमजोर है। एक दिन में लगभग 28 छात्र कर रहे आत्महत्या कुमार ने यह भी दावा किया कि हर घंटे दो छात्र और हर 24 घंटे में लगभग 28 छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह किसानों की आत्महत्या के लिए व्यवस्था जिम्मेदार है, उसी तरह छात्रों की आत्महत्या के लिए भी यही व्यवस्था जिम्मेदार है। यह व्यवस्था छात्रों को प्रेशर कुकर बना रही है और उन्हें हर दिन सपने बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, कितनी सीटें हैं? परीक्षा पारदर्शी तरीके से कैसे आयोजित की जाएगी? कितने रोजगार के अवसर पैदा होंगे? ऐसे सवालों पर चर्चा नहीं होती है। कुमार के अनुसार, रोजगार उपलब्ध कराने के नाम पर देश में सिर्फ कोचिंग संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं,

जो अभिभावकों से मोटी फीस वसूलते हैं। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि देश की सरकारी संस्थाओं में सुधार किया जाए और उन्हें मजबूत बनाया जाए, क्योंकि अगर वे कमजोर होंगी तो निजी क्षेत्र के लिए विकास करना मुश्किल हो जाएगा। देश में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी, इंजीनियर और डॉक्टर बनाने के कारोबार को विनियमित करना बहुत जरूरी है। कोचिंग सेंटरों पर युवाओं के शोषण के आरोपों पर एनएसयूआई प्रभारी कुमार ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसी विशेष नौकरी के लिए केवल 100 पद रिक्त हैं, तो भी लाखों अभ्यर्थी कोचिंग सेंटरों की मदद लेने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि रिक्तियां तो वही रहेंगी, लेकिन निजी कोचिंग सेंटर उन अभ्यर्थियों की हताशा का फायदा उठाते हैं जो प्रतियोगिता में सफल होना चाहते हैं। कुमार ने आरोप लगाया कि अनुचित प्रतिस्पर्धा की संस्कृति बनाने के लिए सरकार और बाजार की ताकतों के बीच सांठगांठ है। उन्होंने एक और उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी कुछ युवाओं को एक करोड़ रुपये का पैकेज मिलने का दावा किया जाता है, ताकि अन्य असहाय छात्र इन कोचिंग सेंटरों की ओर आकर्षित हो सकें। उन्होंने पूछा कि कितने युवाओं को ऐसे पैकेज मिलते हैं।

असम सीएम सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर तेज किए हमले

गुवाहाटी, 15 फरवरी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और गौरव गोगोई के बीच वाकयुद्ध जारी रहा। दरअसल गौरव गोगोई के बयान पर सीएम सरमा ने पूछा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ एक साथ एक ही घर में कैसे रह सकती हैं? सरमा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन कुछ तथ्य बाहर आने चाहिए। मेरे कुछ सवाल हैं। पहला कि क्या सांसद की पत्नी ने पाकिस्तान में काम किया? क्या ये सही है या गलत? दूसरा क्या उनके पास भारत की नागरिकता है या नहीं? तीसरा कि क्या सांसद ने इस दौरान पाकिस्तान की यात्रा की और क्या वे पाकिस्तान के राजदूत से मिले? अगर मिले तो क्या उन्होंने इसकी विदेश मंत्रालय से इजाजत ली थी? आईएसआई और रॉ एक घर में कैसे रह सकते हैं? आईएसआई पाकिस्तान है और रॉ भारत। दोनों का साथ रहना संभव नहीं है। गौरतलब है कि गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई इन दिनों विवाद में है। दरअसल सीएम हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता एलिजाबेथ गोगोई की विदेशी नागरिकता पर सवाल उठा रहे हैं और उनके पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक होने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा ने गौरव गोगोई के भी साल 2015 में पाकिस्तान के तत्कालीन उच्चायुक्त से मिलने पर भी सवाल उठाए। हालांकि गौरव गोगोई ने सीएम के

आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि सीएम अपने ऊपर लगे आरोपों से ध्यान बंटाने के लिए उन पर और उनके परिवार पर आरोप लगा रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि अगर मेरी पत्नी आईएसआई एजेंट हैं तो फिर मैं रॉ का एजेंट हूं। गौरव गोगोई ने सीएम पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने प्रभाव से केंद्र सरकार की योजना के तहत अपनी पत्नी रिंकी भुइंया की मीडिया कंपनी को 10 करोड़ रुपये की सरकारी मदद दिलाई है। जिस पर रिंकी ने गौरव गोगोई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दायर कराया था।

प्रधानमंत्री ओली ने बैठक में मधेशी दलों से अध्यादेश पारित कराने के लिए किया सहयोग का आग्रह

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक बुलाकर शामिल दलों का अध्यादेश का विरोध नहीं करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सरकारी निवास पर बुलाई बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल मधेशी दलों के शीर्ष नेताओं से अध्यादेश का विरोध करने की बजाय इसे सदन से पारित करने में सहयोग का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है। रिमाल के मुताबिक जिस भूमि आयोग के विधेयक को लेकर मधेशी दलों ने विरोध किया है, उसके कुछ प्रावधानों को आने वाले समय में बदलने का प्रधानमंत्री की तरफ से आश्वासन भी किया गया है। उन्होंने बताया कि एक बार अध्यादेश पास हो जाने के बाद जब उस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा तो उस समय विवादित प्रावधानों को हटाने दिया जाएगा। प्रमुख राजनीतिक सलाहकार ने बताया कि प्रधानमंत्री के आग्रह और आश्वासन के बाद भी विधेयक का विरोध कर रहे मधेशी दलों ने अपने रुख में कोई भी परिवर्तन नहीं किया है। प्रधानमंत्री निवास पर हुई बैठक में शामिल होने गए जनमत पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल खान ने कहा कि सिर्फ आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। उन्होंने बताया कि मधेशी दलों की तरफ से प्रधानमंत्री ओली को इस अध्यादेश को वापस लेने को कहा गया है और सबकी सहमति से एक विधेयक लाने की मांग की गई है।

काठमांडू में हिंदू स्वयंसेवक संघ की संस्कृति ज्ञान परीक्षा में दस हजार से अधिक छात्र बने सहभागी

काठमांडू। हिंदू स्वयंसेवक संघ की वार्षिक रूप से आयोजित की जाने वाली स्वामी विवेकानंद संस्कृति ज्ञान परीक्षा में इस वर्ष शुक्रवार को दस हजार से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया है। काठमांडू के सैनिक मंच टुंडीखेल के परेड ग्राउंड में आयोजित इस संस्कृति ज्ञान परीक्षा में काठमांडू वैली के 500 विद्यालयों के दस हजार छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र भी वितरण किया गया। इस संबंध में संघ के राष्ट्रीय संघचालक कल्याण कुमार तिमिल्सीना ने बताया कि संस्कृति ज्ञान परीक्षा में स्कूली छात्रों की अभिरुचि हर वर्ष बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जहां 8 हजार छात्र इसमें सहभागी हुए वहीं इस वर्ष दस हजार से अधिक छात्रों की सहभागिता रही। उन्होंने यह भी बताया कि संघ के प्रयास से देश में एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है जो नियमति कोर्स की पढ़ाई के अलावा अपने देश और धर्म के बारे में, अपने इतिहास और भूगोल के बारे में, अपने धर्म और संस्कृति के बारे में, अपने महापुरुषों और ऋषि-संतों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

इजराइल की घोषणा, हमास आज तीन बंधकों को छोड़ेगा

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा पट्टी में आज आतंकवादी समूह हमास के जरिये फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद की कैद से रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों के नामों की घोषणा की। ये हैं-अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन (बाएं), रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रूफानोव (मध्य) और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न (दाएं)। तीनों को सात अक्टूबर, 2023 को अगवा किया गया था। यह रिहाई पिछले महीने इजराइल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली समझौते के तहत होगी। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कैद में उनके कई वीडियो जारी किए हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल ने कहा कि फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन, रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रोफानोव और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न को रिहा करेगा। हमास के कैदी मीडिया कार्यालय ने कहा कि उसे उम्मीद है कि इसके बाद इजराइल 369 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। यह ताजा घोषणा इस सप्ताह गाजा संघर्ष विराम समझौते पर हमास और इजराइल के बीच विवाद के बाद आई है। हमास ने कहा था कि वह कथित इजराइली उल्लंघनों के कारण योजना के अनुसार शनिवार को इजराइली बंधकों को रिहा नहीं करेगा।

मारवत ने पीटीआई से निष्कासन के लिए राजा को दोषी ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बाहर किए जाने के बाद असंतुष्ट विधायक शेर अफजल मारवत ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने निष्कासन के लिए सीधे तौर पर पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा और उनके सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया है। मारवत ने दावा किया है कि जनाधारहीन नेता पार्टी के सभी मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं। द न्यूज इंटरनेशनल समाचार पत्र के अनुसार, मारवत ने यह टिप्पणी सहयोगी समाचार चैनल जियो न्यूज के कार्यक्रम 'आज शाहजेब खानजादा के साथ' में की। जेल में बंद पीटीआई संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने पार्टी अनुशासन का लगातार उल्लंघन करने के कारण इस सप्ताह मारवत को तत्काल पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दिया था। पीटीआई के पूर्व नेता मारवत ने दावा किया कि राजा कुछ प्रभावशाली लोगों की सिफारिश पर पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के महासचिव बने थे। विधायक का यह बयान पीटीआई में चल रही अंदरूनी कलह के बीच आया है। कुछ प्रभावशाली नेताओं ने रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में पीटीआई संस्थापक इमरान खान के साथ हाल की बैठकों में पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर, पीटीआई खैबर पख्तूनख्वा के अध्यक्ष जुनैद अकबर, मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और मारवत सहित कई प्रमुख नेताओं के खिलाफ कान भरे हैं।

गाजा समझौता : हमास ने तीन इजरायली बंधकों को किया रिहा

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत शनिवार को बंधकों और कैदियों की छठी अदला-बदली के तहत हमास ने तीन इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। इन तीन के बदले में यहूदी राष्ट्र 369 फिलिस्तीनी कैदियों आजाद करेगा। फिलिस्तीनी ग्रुप ने जिन तीन बंधकों को रिहा किया है, उन्हें गाजा के करीब स्थित किबुत्ज नीर ओज से 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान हमास के लड़ाकों ने पकड़ा था। रिहा किए गए बंधकों में अलेक्जेंडर ट्रोफानोव (29 वर्षीय रूसी-इजरायली), यायर हॉर्न (46 वर्षीय अर्जेंटीनी-इजरायली), सगुई डेकेल-चेन (36 वर्षीय अमेरिकी-इजरायली) शामिल हैं। 19 जनवरी को युद्ध विराम शुरू होने के बाद से हमास ने 16 इजरायली और पांच थाई बंधकों को रिहा किया है। वहीं इजरायल ने 766 फिलिस्तीनी

कैदियों को रिहा किया है। हमास ने तीनों को रेड क्रॉस को सौंप दिया जो उन्हें लेकर इजरायल की ओर रवाना हो गए। इससे पहले हमास ने गुरुवार को कहा कि वह समझौते को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें निर्दिष्ट समयसीमा के अनुसार कैदियों की अदला-बदली भी शामिल है।

बता दें सोमवार को हमास ने ऐलान किया कि वह शनिवार को बंधकों को रिहा नहीं करेगा, जिसके बाद से नाजुक संघर्ष विराम पर सवाल उठने लगे। फिलिस्तीनी ग्रुप ने इजरायल पर गाजा पट्टी तक मदद पहुंचाने से रोकने का आरोप लगाया, जिसे इजरायल ने नकार दिया। हमास की घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तब चेतावनी दी थी कि अगर हमास शनिवार तक गाजा में बंधक बनाए गए सभी लोगों को रिहा करने में नाकाम रहा तो तबाही मच जाएगी। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि अगर हमास शनिवार दोपहर तक बंधकों को मुक्त नहीं करता है तो इजरायल गाजा में 'तीव्र लड़ाई' फिर से शुरू कर देगा। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला करके 251 बंधकों को पकड़ लिया और लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था जिसके बाद युद्ध शुरू हो गया।

गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के हमले में कम से कम 48,239 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं।

पाकिस्तान में जस्टिस डोगर की ताजा नियुक्ति के खिलाफ जजों और वकीलों ने मोर्चा खोला

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जजों और वकीलों ने जस्टिस सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर की नई नियुक्ति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जस्टिस डोगर को कल इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले वो लाहौर हाई कोर्ट में जज थे। डान समाचार पत्र के अनुसार, आईएचसी के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डोगर के शपथ ग्रहण समारोह का साथी जजों ने बहिष्कार किया। यही नहीं संघीय राजधानी के वकीलों के संगठन ने भी शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाए रखी। वकीलों के संगठन ने कहा कि जस्टिस डोगर की नियुक्ति उन्हें अस्वीकार्य है। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलने के बावजूद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के पांच जस्टिस नहीं पहुंचे। इनमें जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी, जस्टिस तारिक महमूद जहांगीरी, जस्टिस बाबर सत्तार, जस्टिस सरदार इजाज इशाक खान और जस्टिस समन रफत इम्तियाज शामिल हैं। दिलचस्प यह है कि जस्टिस कयानी ने राष्ट्रपति भवन से कुछ दूरी पर शीर्ष अदालत की इमारत में आयोजित सुप्रीम कोर्ट के नए न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उनसे एक पत्रकार ने यहां पूछा कि क्या वह अपने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे, तो उन्होंने जवाब दिया कि मैं यहां सहज हूं। जस्टिस जहांगीरी शपथ ग्रहण समारोह में जाने के बजाय इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। जस्टिस कयानी की पदोन्नति न होने पर कुछ जजों ने पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश याह्या अफरीदी को एक पत्र भेजा है।

'मैं अमेरिका-भारत मित्रता को और मजबूत बनाने के लिए तत्पर'

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने एक्स पोस्ट में लिखा कि वह अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। तुलसी गबार्ड ने (स्थानीय समयानुसार) को एक्स पोस्ट के माध्यम से माना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका में स्वागत करना 'सम्मान' की बात थी। उन्होंने लिखा, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका में स्वागत करना सम्मान की बात है और मैं अमेरिका-भारत मित्रता को और मजबूत बनाने के लिए तत्पर हूं। गबार्ड ने यह टिप्पणी पीएम मोदी के उस पोस्ट के जवाब में की, जिसमें उन्होंने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान गबार्ड से मुलाकात की चर्चा की। वाशिंगटन डीसी में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। भारत-अमेरिका मित्रता के विभिन्न

पहलुओं पर चर्चा की, जिसकी वह हमेशा से प्रबल समर्थक रही हैं।

गबार्ड हाल ही में संपन्न हुई अपनी यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री से मिलने वाली पहली प्रमुख शख्सियत थीं। उन्होंने बुधवार शाम को ब्लेयर हाउस में उनसे मुलाकात की थी। गबार्ड, अमेरिका की नई शीर्ष खुफिया प्रमुख हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में, डेमोक्रेट के रूप में, वह इंडिया कॉकस की सह-अध्यक्ष थीं और उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ संबंध काफी अच्छे रहे हैं। यही वजह कि पीएम मोदी ने 2015 में हवाई में उनकी शादी पर एक दूत के माध्यम से तोहफे भेजे थे। ट्रंप कैबिनेट में, वास्तव में, इंडिया कॉकस के दो पूर्व सह-अध्यक्ष हैं। दूसरे हैं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज, जो पिछले कार्यकाल में रिपब्लिकन राजनेता के रूप में प्रतिनिधि सभा के सदस्य थे और डेमोक्रेट रो खन्ना के साथ कॉकस के सह-अध्यक्ष भी थे। वाल्ट्ज प्रधानमंत्री से मिलने वाले दूसरे अहम शख्स थे। उनकी यात्रा के तुरंत बाद स्पेसएक्स और टेस्ला के अरबपति मालिक एलन मस्क अपने परिवार के साथ पीएम से मिले थे।

वियतनाम में मलेरिया के मामले 2024 में 21 प्रतिशत कम हुए

एजेंसी

हनोई । वियतनाम में 2024 में मलेरिया के मामलों में गिरावट जारी रही। इस दौरान कुल 353 मामले सामने आए, जो पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत कम है। वियतनाम न्यूज के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

इन मामलों में से एक तिहाई बाहर से आए हुए थे। राहत की बात यह रही कि किसी की मृत्यु नहीं हुई और न ही कोई बड़ा संक्रमण फैला। यह वियतनाम की मलेरिया खत्म करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है। राष्ट्रीय मलेरिया संस्थान के निदेशक होआंग दिन्ह काह ने बताया कि देश ने मलेरिया उन्मूलन में महत्वपूर्ण सफलता पाई है। वियतनाम के 48 प्रांतों और शहरों को आधिकारिक रूप से मलेरिया मुक्त घोषित किया जा चुका है। वियतनाम ने मलेरिया को समाप्त करने के लिए एक रणनीति बनाई है, जिसका लक्ष्य 2030 तक मलेरिया खत्म करना है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2027 तक वियतनाम को यह सुनिश्चित करना होगा कि वहां मलेरिया के कोई स्थानीय मामले न हों। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो कुछ खास मच्छरों के काटने से फैलती है। यह आमतौर पर गर्म और नम जलवायु वाले देशों में पाई जाती है। यह बीमारी रोकी और ठीक की जा सकती है। मलेरिया एक परजीवी के कारण होता है और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलता। इसके लक्षण हल्के भी हो सकते हैं और गंभीर भी। हल्के लक्षणों में बुखार, ठंड लगना और सिरदर्द शामिल हैं, जबकि गंभीर लक्षणों में कमजोरी, भ्रम की स्थिति, दौरे पड़ना और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।नवजात और 5 साल से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, वे लोग जो मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में यात्रा कर रहे हैं, एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोग मलेरिया के प्रति अधिक जोखिम वाले हैं।मलेरिया से बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचाव करना जरूरी है। इसके लिए मच्छरदानी और दवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि समय पर इलाज न किया जाए, तो हल्के मामले गंभीर हो सकते हैं। मलेरिया मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। संक्रमित खून चढ़ाने या दूषित सुई के इस्तेमाल से भी यह फैल सकता है। संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में इसकी सटीक पहचान मुश्किल हो सकती है। यदि पीड़ित व्यक्ति का इलाज न किया जाए, तो मलेरिया गंभीर रूप ले सकता है और 24 घंटे के भीतर जानलेवा हो सकता है। इसलिए शुरुआती जांच करवाना बहुत जरूरी है। विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में मलेरिया के 26.3 करोड़ मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 25.2 करोड़ थी।

कांगो संकट गहराया, पूर्वी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े शहर में घुसे 'एम23' लड़ाके

एजेंसी

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े शहर बुकावु में 'एम23' विद्रोही प्रवेश कर गए हैं। इससे पहले, कांगो सेना ने बताया कि एम23 लड़ाकों ने बुकावु के उत्तर में कावुमु एयर पोर्ट पर कब्जा कर लिया है। दक्षिण किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर कब्जा, एम23 की ताकत को बढ़ाएगा और पूर्व में किंशासा के अधिकार को एक और झटका देगा। पिछले महीने, एम23 ने पूर्वी क्षेत्र के मुख्य शहर गोमा पर कब्जा कर लिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांगो रिवर अलायंस [जिसमें रू23 शामिल है] के नेता कॉर्नेल नांगा ने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि हमने शुक्रवार शाम बुकावु में प्रवेश किया, और शनिवार को, हम शहर को साफ करने के लिए अभियान जारी रखेंगे। इससे पहले, कांगो सेना के प्रवक्ता सिल्वेन एकेन्गे ने कहा कि एयरपोर्ट पर कब्जा करने के बाद सैनिकों ने

वापसी कर ली है। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कहां वापस चले गए। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि कांगो और बुरुंडियन सैनिकों को दिन के दौरान बुकवु के मुख्य सैन्य शिविर, सैओ से निकलते देखा गया। शिविर के पास रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा, वे आबादी वाले क्षेत्रों में लड़ाई से बचने के लिए पीछे हट रहे हैं। इस बीच कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी संकट को समाप्त करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद मांगी। उन्होंने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को व्यापक युद्ध के जोखिम के बारे में चेतावनी दी। त्सेसीकेदी ने संघर्ष में भूमिका के लिए रवांडा को जवाबदेह ठहराने के अपने आह्वान को दोहराते हुए कहा, इस लड़ाई को फैलने से रोकना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर निर्भर है। रवांडा ने कांगो, संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी शक्तियों के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उसके हजारों सैनिक एम23 के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। उसका कहना है कि वह हुतु के नेतृत्व वाली मिलिशिया से खुद का बचाव कर रहा है, जो उसके अनुसार कांगो की सेना के साथ मिलकर लड़ रही है। इस सप्ताहांत अदीस अबाबा में होने वाले दो दिवसीय अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में यह संकट एजेंडे में सबसे ऊपर रहेगा। कांगो राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि त्सेसीकेदी इसमें शामिल नहीं होंगे, बल्कि देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने प्रधानमंत्री को भेजेंगे। जैसे-जैसे पूर्व में लड़ाई बढ़ती जा रही है, त्सेसीकेदी पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

सागरमाथा संवाद के लिए नेपाल ने भारत व चीन के प्रधानमंत्रियों को किया आमंत्रित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने काठमांडू में आगामी 16-17 मई को आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद में भारत और चीन के प्रधानमंत्री को एकसाथ बुलाने के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है। सागरमाथा संवाद नेपाल सरकार का अंतराष्ट्रीय डायलॉग फोरम है जिसमें दुनिया के देशों की सरकारों और अंतराष्ट्रीय संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस वर्ष के सागरमाथा संवाद में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बतौर प्रमुख अतिथि निमंत्रण पत्र भेजा गया है। ग्लोबल वार्मिंग और इसके हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव के बिंदु पर होने वाले इस कार्यक्रम में नेपाल सरकार ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग को भी निमंत्रण भेजा है। विदेश मंत्री डा आरजू राणा ने चीन के प्रधानमंत्री को भी सागरमाथा संवाद के लिए निमंत्रण भेजे जाने की पुष्टि की है। विदेश मंत्री डा राणा ने बताया कि यह नेपाल के लिए एक अच्छा मौका है कि अपने दो पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्रियों को एकसाथ

एक ही मंच पर स्थान देने से इस कार्यक्रम का वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारत और चीन के बीच पिछले कुछ महीनों से कूटनीतिक संबंधों में सुधार आ रहा है इसलिए भी दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के आने की प्रबल संभावना है।

दक्षिण कोरिया : निर्माणाधीन होटल में लगी आग, 6 की मौत, 25 घायल

एजेंसी

बुसान । दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर बुसान में एक होटल निर्माण स्थल पर आग लगने से छह श्रमिकों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। बुसान अग्निशमन मुख्यालय के अनुसार, आग लगभग सुबह 10:50 बजे (स्थानीय समय) निर्माणाधीन बनयान ट्री होटल में लगी। आग संभवतः तीन इमारतों में से एक की पहली मंजिल पर स्थित स्विमिंग पूल के पास रखे गए इंसुलेटिंग मटेरियल से लगी। अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि दोपहर करीब 1:30 बजे तक (स्थानीय समय) आग की लपटें लगभग बुझ चुकी थीं। बुसान अग्निशमन एजेंसी के बचाव अधिकारी पार्क ह्युंग-मो ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, जब हम घटनास्थल पर पहुंचे, तो इमारत के अंदरूनी हिस्से में काला धुआं भर गया था।'उन्होंने कहा, मृतक उस स्थान

पर पाए गए जहां आग लगी थी, लगता है कि वे भागने में सफल नहीं हुए क्योंकि दरवाजे के पास बहुत आग थी। दमकलकर्मियों ने हेलीकॉप्टर की मदद से अंदर फंसे लोगों को बचाया, लेकिन बाद में छह लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चौदह अन्य लोगों को छत से सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि सौ से अधिक मजदूरों को बाहर निकाला गया। एक अन्य अग्निशमन अधिकारी ने कहा, 'हम अभी इमारत के अंदरूनी हिस्से की तलाशी ले रहे हैं। पुलिस और स्थानीय सरकार मजदूरों (जो अंदर थे) की सही संख्या का पता लगा रही है। इस लग्जरी रिसॉर्ट होटल का निर्माण अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था और इसका उद्घाटन इस साल होना था। पुलिस ने कहा कि उन्होंने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि जब आग लगी, तब सैकड़ों कर्मचारी घटनास्थल के पास मौजूद थे। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने बचाव प्रयासों में सहायता के लिए सभी उपलब्ध कर्मियों और उपकरणों को जुटाने का आदेश दिया। चोई ने कहा, अग्निशामकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए किसी भी हताहत को रोकने के लिए गहन खोज और बचाव अभियान सुनिश्चित करें।

यूक्रेन के चेर्नोबिल परमाणु प्लांट पर रूस का ड्रोन हमला, रेडिएशन शेल्टर को नुकसान, जेलेंस्की ने शेयर किया वीडियो

एजेंसी

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूसी ड्रोन ने चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के क्षतिग्रस्त रिएक्टर के ऊपर स्थित रेडिएशन शेल्टर को निशाना बनाया। जेलेंस्की ने कहा कि रात में हुए हमले में प्लांट की नष्ट हो चुकी चौथी बिजली यूनिट की छत पर आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा किसुबह तक प्लांट में विकिरण का स्तर नहीं बढ़ा था। जेलेस्की ने एक्स पर फुटेज पोस्ट की जिसमें एक विस्फोट और कंक्रीट और स्टील से बनी विशाल शील्ड का नुकसान दिखाई दे रहा है।यह शील्ड रेडियोएक्टिव मटेरियल के रिसाव को रोकने के लिए डिजाइन की गई है। यह 275 मीटर (900 फीट) चौड़ी और 108 मीटर (354 फीट) ऊंची है और इसके निर्माण में 1.6 बिलियन की लागत आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा

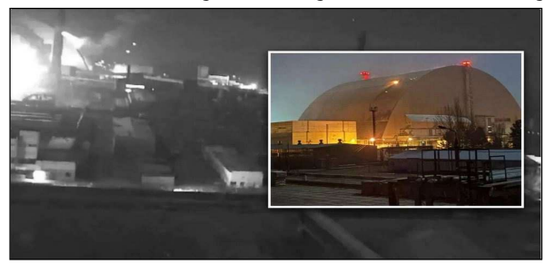

एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि रात में हुए विस्फोट के कुछ ही मिनटों के भीतर अग्नि सुरक्षा कर्मियों और वाहनों ने प्रतिक्रिया दी। एजेंसी ने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दुनिया भर में परमाणु सुरक्षा पर नज़र रखने वाली आईएईए ने कहा कि चेर्नोबिल के अंदर और बाहर विकिरण का स्तर सामान्य और स्थिर बना हुआ है। चेर्नोबिल रिएक्टर में दुनिया की सबसे खराब परमाणु दुर्घटना हुई थी। 26 अप्रैल 1986 एक भयावह विस्फोट ने में हवा में रेडियोधर्मी पदार्थ का एक गुबार उड़ा दिया था, जिससे पूरे यूरोप में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल लग गया था। यूक्रेन उस समय सोवियत यूनियन का हिस्सा था।

बांग्लादेश में विश्व इज्तेमा में शामिल बुजुर्ग जायरीन का निधन

ढाका। मुसलमानों के बड़े धार्मिक आयोजन विश्व इज्तेमा की मेजबानी कर रहे बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के औद्योगिक शहर टोंगी में एक बुजुर्ग जायरीन का इंतकाल हो गया। 58वें विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण का आगाज टोंगी में तुराग नदी के तट पर इज्तेमा मैदान में शुक्रवार को हुआ है। इसके पहले चरण में भी दो श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार, विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण में एक और जायरीन की मौत के साथ इस आयोजन के दोनों चरणों में मरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर तीन हो गई ।

अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइल का जल्द उत्पादन शुरू कर सकता है उत्तर कोरिया : अमेरिकी जनरल

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया जल्द ही अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) का निर्माण शुरू कर सकता है। अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने यह चेतावनी दी।

जनरल ग्रेगरी गुइलोट ने सीनेट सशस्त्र सेवा समिति से कथित तौर पर कहा कि उत्तर कोरिया पूरे उत्तरी अमेरिका में अपने लक्ष्यों पर परमाणु बम गिरा सकता है। गुइलोट अमेरिकी उत्तरी कमान और उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान के प्रमुख हैं।

समिति के समक्ष लिखित गवाही में गिलोट ने पिछले अक्टूबर में ह्वासोंग-19 (एचएस-19) आईसीबीएम के प्रारंभिक उड़ान परीक्षण का विवरण दिया। इसके बारे में विश्लेषकों का मानना ??है कि यह अधिक लम्बे समय तक और ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। यह बयान खासा अहम है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप पिछली बार प्योंयांग को लेकर काफी सकारात्मक बातें कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 जनवरी को कहा कि वे

किम जोंग उन से फिर से संपर्क करेंगे। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को 'स्मार्ट शख्स' बताया जिनसे वह तीन बार पहले मिल चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह किम से दोबारा संपर्क करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया: 'हां, मैं करूंगा। वह मुझे पसंद करते हैं।' इससे पहले वाशिंगटन में अपने शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद संवाददाताओं बातचीत के दौरान उत्तर कोरिया को 'परमाणु शक्ति' बताया। वह यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि उनके और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच 'बहुत अच्छा तालमेल है।'हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने 7 फरवरी को उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी 'दृढ़' प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आमने-सामने की शिखर वार्ता के बाद ट्रंप और इशिबा ने एक संयुक्त बयान जारी किया। दोनों पक्षों ने दक्षिण कोरिया के साथ त्रिपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की और डीपीआरके के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।' डीपीआरके उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम का संक्षिप्त रूप है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारत को वैश्विक नेतृत्व करने वाला देश बनाना है : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने नेशनल सेमिनार कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी केंद्र की सरकार का लक्ष्य बनाकर 2047 पर कार्य रही है। भारत को वैश्विक नेतृत्व करने वाला देश बनाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थ और जीवनशैली में सुधार कर ऐसा किया जा सकता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में कहा कि सरकार ने जनमानस का ध्यान रखकर कई महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्जवला योजना और प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से विकास की गति बनाई है। भारत को विश्व के अग्रणी देशों में शामिल करने के लिए कॉर्पोरेट जगत और सरकार के बीच परस्पर एक दूसरे का सहयोग आवश्यक है। कॉर्पोरेट क्षेत्र की सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देती है। वहीं एक दूसरे कार्यक्रम में लखनऊ में कुर्सी रोड स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज में आयकर विभाग द्वारा केंद्रीय राजस्व खेल परिषद (उत्तरी क्षेत्र) खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सहभागिता की। वहां पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने खेलकूद को शारीरिक क्षमता के लिए आवश्यक बताया।

सावित्री ठाकुर ने कोलंबिया विवि में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय स्थित लेहमैन सोशल सांइसेज लाइब्रेरी में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका प्रवास के दौरान कोलंबिया विश्वविद्यालय स्थित लेहमैन सोशल सांइसेज लाइब्रेरी में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उन्होंने लिखा डॉ आंबेडकर ने 1913 में कोलंबिया विश्वविद्यालय से अध्ययन प्रारंभ किया था और 1915 में यहां से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी। बाद में 1927 में उन्होंने इसी विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी पूरी की थी। आज भी बड़ी संख्या में भारतीय छात्र इसी विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं, जो वैश्विक शिक्षा और अनुसंधान में भारत की उपस्थिति को दर्शाता हैं। डॉ आंबेडकर की विद्वता और सामाजिक न्याय के प्रति योगदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

केंद्र व किसानों के बीच पटरी पर आई वार्ता, अगली बैठक 22 फरवरी को

चंडीगढ़। पंजाब के खनौरी व शंभू बार्डर पर आंदोलन कर किसानों व केंद्र सरकार के बीच रात चण्डीग में पांचवे दौर की बैठक में कोई सहमति तो नहीं बनी लेकिन 22 फरवरी को कृषि मंत्री शिवराज चौहान की अध्यक्षता में बैठक के लिए सहमति बन गई है। छठे दौर की बैठक के लिए किसान संगठन सहमत हो गए हैं। बैठक के बावजूद डल्लेवाल ने आमरण अनशन जारी रखने, पंधेर गुट ने 25 को दिल्ली कूच का फैसला कायम रखने का ऐलान किया। बैठक केंद्रीय खाद्य आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल तबियत खराब होने के कारण स्ट्रेचर पर आए। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहा? समेत 28 सदस्यों के अलावा पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियाँ, लाल चंद कतारूचक, पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अलावा केंद्र व पंजाब सरकार के अधिकारी शामिल हुए। तीन घंटे चली बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि बैठक बेहद अच्छे माहौल में हुई है। किसानों ने सिलसिलेवार अपनी मांगे रखी। जोशी ने कहा कि आज की बैठक की रिपोर्ट वह केंद्रीय कृषि मंत्री को देंगे।

ब्राजील के गोआस राज्य के राज्यपाल रोनाल्डो कैआडो ने कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात की

नई दिल्ली। ब्राजील के गोआस राज्य के राज्यपाल रोनाल्डो कैआडो ने आज नई दिल्ली में कृषि भवन में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात की। इस बैठक ने भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और गन्ना, इथेनॉल और दालों, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और डिजिटल कृषि में द्विपक्षीय व्यापार और सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया। भागीरथ चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और ब्राजील द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर बहुत करीबी और बहुआयामी संबंध साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल की यात्रा मौजूदा पहलों को मजबूत करके और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करके, कृषि उत्पादकता में वृद्धि करके, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करके तथा भारत और ब्राजील दोनों के नागरिकों की समग्र भलाई में योगदान देकर द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने में मदद करेगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने झुग्गी बस्ती पालकों और विस्तारकों का किया सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदेश कार्यकाल में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद झुग्गी बस्ती पालकों और विस्तारकों का बड़ा सम्मान किया।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक राजकुमार भाटिया, सुनीता कांगड़ा, प्रदेश मंत्री सोना कुमारी और झुग्गी बस्ती के संयोजक सुशील कुमार उपस्थित रहे। वीरेंद्र सचदेवा ने सभी पालकों और विस्तारकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के सूत्रधार रहे और झुग्गी के लोगों को भाजपा पर भरोसा करने की और अरविंद केजरीवाल के भ्रामक बयानों से बचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार झुग्गीवासियों से संपर्क में रही और

कार्यकर्ताओं ने हर समस्या को देखा समझा और उसका समाधान करने का पूरा प्रयास किया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में लगातार झुग्गी वासियों की आवाज बनकर उनके साथ खड़े रहे। उनकी समस्या को सड़कों पर उठाया और आज उसका परिणाम है कि दिल्ली की सत्ता पर काबिज एक झूठे और भ्रष्टाचारी पार्टी का सफाया हुआ।

उन्होंने कहा कि भाजपा अब झुग्गीवासियों से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और सरकार गठन होने के बाद भाजपा अपने वादों को पूरा करने के लिए काम करेगी। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार पर भरोसा कर झुग्गीवासियों ने एक इतिहास रचा है और भाजपा उनकी उम्मीदों पर खरे उतरने का प्रयास करेगी। प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में झुग्गीवासियों का एक महत्वूर्ण योगदान रहा है। दिल्ली भाजपा की जीत में जिन 12 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की जीत हुई है, उनमें झुग्गीवासियों का विशेष योगदान रहा। ये सभी अरविंद केजरीवाल के झूठ की राजनीति से तंग आकर भाजपा को इस बार चुना है और भाजपा किए वायदों को जरूर पूरा करेगी।

सत्येंद्र जैन की बढ़ी मुश्किलें, गृह मंत्रालय ने अभियोजन चलाने के लिए राष्ट्रपति से मांगी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मामला चलाने के लिए राष्ट्रपति से मंजूरी मांगी है। जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से प्राप्त सामग्री के आधार पर सत्येंद्र जैन के विरुद्ध इस मामले में अभियोजन चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य पाए गए हैं।सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। सत्येंद्र जैन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने 2015-2016 में फर्जी कंपनियों के जरिए कथित तौर पर 16.39 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग की थी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिया गया था। वहीं, 18 अक्टूबर को दिल्ली की एक अदालत ने सत्येंद्र जैन को जमानत दे दी थी। अदालत ने उन्हें जमानत देते हुए 'ट्रायल में देरी' और 'लंबे समय से क़ैद' में होने का जिक्र किया था।उधर, ईडी ने अदालत में जैन की जमानत का विरोध कर कहा था कि अगर उन्हें जमानत दी गई, तो वह मामले से संबंधित गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने अदालत के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे सत्य की जीत और भाजपा की साजिश की हार बताया था। हालांकि, इससे पहले 26 मई 2023 को सत्येंद्र जैन को मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी गई थी, क्योंकि उनकी रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था। सत्येंद्र जैन हाल ही में सम्पन्न हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी उतरे थे। पार्टी ने उन्हें शकूर बस्ती सीट से चुनावी मैदान में उतारा था, लेकिन उन्हें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी करनैल सिंह से हार का सामना करना पड़ा था।

हत्या की गुत्थी सुलझी, चार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में संपत्ति विवाद में भाई की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपितों की पहचान मरने वाले का भाई मटियाल गांव निवासी रविंदर कुमार (41), सतेंद्र (44), जाहिद (26) और अवनीश (23) के रूप में हुई है। यह तीनों गाजियाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से अपराध में इस्तेमाल दो देसी कट्टे, 04 जिंदा कारतूस और 01 खाली कारतूस बरामद किया गया। इसके अलावा एक हुंडई एक्सेंट कार भी बरामद की गई।

डीसीपी ने बताया 10 फरवरी की रात 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि उत्तम नगर इलाके में एक युवक को कुछ लोगों ने गोली मार दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

मृतक की पहचान धरमिंदर दलाल के रूप में हुई है। मृतक के सिर में गोली मारी गई थी। बिंदापुर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज

किया। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने उक्त मामले में जिले की स्पेशल स्टाफ को लगाया गया। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर चार आरोपितों को दबोचा। पूछताछ में आरोपित रविंदर ने बताया कि उसका अपने छोटे भाई (मृतक) के साथ संपत्ति और किराये की आय के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इस संबंध में कई बैठकें हुईं, लेकिन सभी व्यर्थ रहीं। वह बहुत निराश था क्योंकि छोटे भाई को किराये की आय में बड़ा हिस्सा मिल रहा था और बराबर हिस्सा मांगने पर उसका छोटा भाई उन्हें धमका रहा था। आरोपित ने आगे बताया कि करीब एक महीने से वह भाई की हत्या की योजना बना रहे थे। भाई की हत्या करने के लिए उसने अपने दोस्त सतेंद्र, जाहिद और अवनीश से मदद मांगी। जाहिद ने हथियार का इंतजाम किया था।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, भूपेश बघेल और नसीर हुसैन बने महासचिव, बिहार का प्रभारी बदला

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठनात्मक फेरबदल करते हुए नए महासचिवों और कई राज्यों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की है। साथ ही कई दिग्गज नेताओं को उनके पदों से हटाया भी गया है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन को महासचिव नियुक्त किया गया है। बघेल को पंजाब और नसीर हुसैन को जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख का प्रभार भी दिया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की जिम्मेदारी सौंपे जाने के साथ नसीर हुसैन को कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा चुनावी राज्य बिहार समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। मोहन प्रकाश की जगह कृष्णा अल्लावरु को बिहार का प्रभारी बनाया गया है। दिग्गज नेता राजीव शुक्ला की जगह महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल को

हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

बी.के. हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश, गिरीश चोदनकर को तमिलनाडु और पुडुचेरी, अजय कुमार लल्लू को ओडिशा, के. राजू को झारखंड, मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना और सप्तगिरि शंकर उलाका को मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड का प्रभारी बनाया गया है। दीपक बबेरिया, मोहन प्रकाश, भरत सिंह सोलंकी, राजीव शुक्ला, देवेंद्र यादव और अजय कुमार की छुट्टी हो गई है। इन नेताओं से राज्यों के प्रभार वापस ले लिए गए हैं। देवेंद्र यादव पंजाब, अजय कुमार ओडिशा, दीपक बाबरिया हरियाणा, भरत सिंह सोलंकी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे। इससे पहले पूर्व विधायक हर्षवर्धन सपकाल को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

उपराज्यपाल अधिकारियों को दें निर्देश , ना मानें कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी के अनुचित निर्देश : वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर मांग की है कि वे अधिकारियों को निर्देश दें कि वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के अनुचित निर्देश ना मानें।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी मार्लेना अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी सम्पति की डिजिटल लूट करवाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आतिशी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बिजली कटौती के नाम का भ्रम फैला रही है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी मार्लेना ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री होते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा पर बिजली कटौती

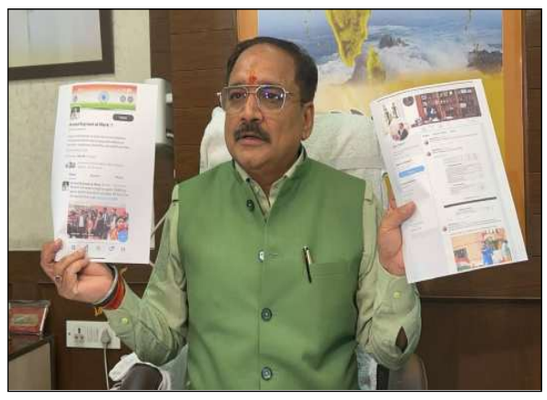

करवाने का आरोप लगाया। उसके चलते यह सुनिश्चित किया जाये की कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहते आतिशी मार्लेना भ्रामक ब्यानबाजी ना करें। पत्र में सचदेवा ने कहा कि जिस तरह सरकारी पैसे एवं संसाधनों से विकसित मुख्यमंत्री कार्यालय के एक्स पोस्ट खाते को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के निर्देश पर आई.टी. विभाग अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का निजी सोशल मीडिया खाता बना डाला वह गैर कानूनी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने मांग की है कि उपराज्यपाल अधिकारियों को निर्देश दें कि वह आतिशी के माध्यम से इस डिजिटल लूट को रूकवायें और सी.एम.ओ. दिल्ली की सोशल मीडिया पोस्ट वापस हो।

सचदेवा ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बिजली कटौती हो रही है जबकि वास्तव में कोई कटौती नही हो रही अतः उपराज्यपाल पावर डिस्कॉम को कहें की वह स्थिती स्पष्ट करें।

फ्रांस और अमेरिका की यात्रा से लौटे पीएम मोदी, वैश्विक सहयोग पर हुई अहम चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी फ्रांस और अमेरिका की महत्वपूर्ण यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौट आए हैं। उनका विमान शुक्रवार रात दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर लैंड हुआ, जहां उन्होंने अधिकारियों का अभिवादन किया।

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर विभिन्न द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की सह-कंपनियों को भारत में निवेश के अवसरों पर जोर दिया। उन्होंने दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले क्षेत्र में जाकर स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। वहीं, अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की। यह मुलाकात राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद पहली बार हुई। व्हाइट हाउस में आयोजित इस बैठक में भारत और अमेरिका ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण स्वागत योग्य, पीएम मोदी का अमेरिका दौरा रहा सफल : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली। अमेरिका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने का फैसला किया है।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा बेहद सफल रही। यह बहुत खुशी की बात है कि अमेरिका 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित कर रहा है। इसका लंबे समय से इंतजार था। पीएम मोदी का यह दौरा ऐतिहासिक है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कई मुद्दों पर सहमति बनी है। पीएम मोदी के दौरे से दोनों देशों के रिश्तों को मजबूती भी मिली है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन पूरी तरह से खत्म हो गया है। हम लोगों ने श्रद्धांजलि भी दे दी है। 'इंडिया' गठबंधन नाम की कोई भी वस्तु धरती पर नहीं है। लोकसभा चुनाव में जनता ऐसे लोगों को खारिज कर चुकी है और अब ये लोग आपस में लड़ रहे हैं। गृह मंत्रालय ने भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 218 के तहत दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति देने के लिए राष्ट्रपति से अनुरोध किया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्येंद्र जैन को जांच का सामना करना पड़ेगा। वह पहले भी जमानत पर बाहर थे। आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं द्वारा किए गए सभी घोटालों का हिसाब किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सत्येंद्र जैन के खिलाफ धन शोधन मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी। गृह मंत्रालय का अनुरोध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित तौर पर एकत्र किए गए साक्ष्यों पर आधारित है, जो जैन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त बताए जा रहे हैं।

NAME CHANGE

I, KM. SADHANA GHALOT alias SADHANA D/o DHRAMVEER SINGH GHALOT W/o AMIT PRATAP SINGH R/o Flat No.12, Ground Floor Emerald Apartment, Pocket-1, Ramprastha Greens, Vaishali Ext. Sector-7, Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh-201010 have changed my name to SADHANA

NAME CHANGE

I, SL-05581M Rank-LT Name-SUNEEL KUMAR Residing at VILL- DHAKIYA, PO-SAIDPUR GANGU, DIST- SAMBHAL, UTTAR PRADESH- 244304, have changed my daughter's name from KALKI to KALKI CHOUDHARY for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2025 before Notary Public, Uttar Pradesh.

NAME CHANGE

I,KUMARI RAMRATI daughter of No 2847933 Rank-Sepoy Name Late Shri Shri Ram resident of House No. 1, Sector-19, Dwarka, Amberhai , South West - 110075 have changed my name from KUMARI RAMRATI to RAMRATI vide Affidavit dated 15.02.2025

NAME CHANGE

I hitherto known as Shain alias Sahin Nisha alias Km Sahin Nisha D/O Yunus Khan W/O Tipu Sultan,R/O RZ-3101/35,Tugalkabad Extn, VTC: Kalkaji, PO: Kalkaji, Sub District: Kalkaji, District: South Delhi, Delhi- 110019,have changed my name and shall hereafter be known as SAHIN NISHA.

NAME CHANGE

I hitherto known as POONAM alias Poonam Saini D/O Ram Chander Saini W/O: Vakil Ahmad,R/O J-93, Azad Basti Mohammadpur, RK Puram (Main), South West Delhi, Delhi-110066, Have changed my name and shall hereafter be known Poonam.

NAME CHANGE

I hitherto known as Manisha Bisht alias Manisha Kanwal D/O Soban Singh Bisht,W/O Ravindra Singh Kanwal R/O S-126/3 A, Kanak Durga Colony, DPS School, Sector-12, RK Puram Sect-12, South West Delhi, Delhi-110022, have changed my name and shall hereafter be known as MANISHA KANWAL.

NAME CHANGE

I, Vinod Kumar is legally Father of No 3011194W Hav Rahul Kumar residing at Vill- Tapri, Post- Ambehata Chand, Teh-Rampur Maniharan, Dist-Saharanpur (UP) 247451, I have changed my name & DOB from Vinod Kumar to Vinod & DOB 06/05/1970 to 01/01/1973 Vide affidavit dated 21/01/25 before Advocate kuldeep Singh Pundir Notary Court, Rampur Maniharan Distt- Saharanpur (UP)

NAME CHANGE

I, JC-294775L Rank-NB/SUB Name-JAGDISH PRASAD AHIRWAR Residing at VILL-TAMORA, PO-KAILPURA, TEH-BALDEVGARH, DISTT-TIKAMGARH, MP-472111, have changed my minor son's name from SHIVAM to SHIVAM AHIRWAR for all future purposes vide Affidavit dated 15/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ABHISHEK Son of JC-294775L, Rank-NB/SUB, Name-JAGDISH PRASAD AHIRWAR Residing at VILL-TAMORA, PO-KAILPURA, TEH-BALDEVGARH, DISTT-TIKAMGARH, MP-472111, have changed my name from ABHISHEK to ABHISHEK AHIRWAR for all future purposes vide Affidavit dated 15/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I DHARAMBIR SINGH S/O RAJ MAL R/O RZ-F-763/36, Kh No-47/22, Gali No-5, Raj Nagar Part-2, Palam Colony Bagdola, South West Delhi,Delhi-110077, have changed the name of my minor son CH JAY NUNACH alias JAYANT CHAUDHARY 10 years and he shall hereafter be known as JAYANT CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I, TINKU S/O JUGESHWAR MAHTO R/O H.NO. 979, SECTOR-7, R.K. PURAM, MALAI MANDIR, NEW DELHI-110022 have changed my name to TINKU MAHTO.

NAME CHANGE

I,BADAL KUMAR S/O LATE AJIT SINGH,R/O D-6,PLOT NO-28/A,SECOND FLOOR BACK SIDE MUKHRAM GARDEN,TILAK NAGAR ,WEST DELHI-110018,HAVE CHANGED MY NAME FROM BADAL KUMAR TO BALJEET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my Client Sh. Lavdesh Kumar S/o Kamal Kisore and Smt Kavita W/o Lavdesh Kumar Both Resident of Wz-77 Phase -2 Om Vihar Uttam Nagar New Delhi West Delhi Delhi-110059 have disowned and debarred their son namely Shri Dheeraj Dhunna daughter in law Ms. Nisha from their movable and immovable properties and have also discard all kinds of relationship with them because they have become disobedient and are not under their control. My Client shall not be liable for any loss, damage and consequences, if any suffers while dealing with them and they shall do as their own risk cost and consequences.

Yamini Sharma Advocate
WZ-32 BAL UDHYAN ROAD
UTTAM NAGAR
NEW DELHI-110059

सार्वजनिक सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अजय कुमार पुत्र श्री खूब सिंह एवं उनकी पत्नी कमलेश, निवासी सी - 3 विजय नगर मोहन गार्डन , उत्तम नगर साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र अवनीश को अपनी चल व अचल सम्पति से उनके द्वारा गलत व्यवहार के कारण, उसकी अन्य गलत गतिविधियों, गलत चालचलन के कारण व् मेरे मुव्वकिल के नियंत्रण के बाहर होने के कारण, अपनी सारी चल व् अचल सम्पति से बैदखल कर दिया है यदि कोई व्यक्ति मेरे मुव्वकिल के उपरोक्त पुत्र द्वारा कोई आर्थिक लॅन देन करता है जो मेरे मुव्वकिल के पुत्र द्वारा किया गयाहै/हस्ताक्षरित है, तो वह व्यक्ति खुद जिम्मेदार होगा और मेरा मुव्वकिल किसी भी प्रकार से उस लॅन देन का जिम्मेदार नहीं होगा

पुनीत गोगा अधिवक्ता
चैम्बर न:706, द्वारका कोर्ट
द्वारका सेक्टर 10, नई दिल्ली-110075

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client M/s Maheshwari Exports is purchasing the Entire First Floor of Plot No. 32,built in Block-B, Situated in the colony known as Pamposh Enclave, New Delhi, within the limits of Municipal Corporation of Delhi from Mrs. Subhlaxmi Mishra who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 26.02.1996 and Intend to mortgage the said property with Piramal Capital & Housing Finance Limited. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **मो. तोयब पुत्रः** मो. जाकिर, **पताः** अमित विहार, नियर कृष्णा मॉडल स्कूल, बेहता हाजीपुर, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 220/2020, U/s 411 IPC,** थानाः जीटीबी एन्कलेव, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. तोयब** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. तोयब** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 220/2020, U/s 411 IPC,** थानाः जीटीबी एन्कलेव, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त **मो. तोयब** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
महानगर मजिस्ट्रेट
कमरा नं. 54, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1665/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 B.N.S.S** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विपिन गौतम पुत्रः** श्री वीर सिंह **पताः** मकान नंबर 111, गली नंबर 9, तुलसी निकेतन गगन विहार, भोपुरा, गाजियाबाद यूपी, ने **FIR No. CA/186/2024 U/s 138 N.I. Act थानाः गोकल पुरी दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विपिन गौतम,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विपिन गौतम,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. CA/186/2024 U/s 138 N.I. Act थानाः गोकल पुरी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विपिन गौतम,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अतुल अहलावत
एएसजे, कमरा नंबर 31
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1814/NE/2025
(Court Matter)

अटेली व कनीना चुनाव को लेकर गुरुग्राम मंडल आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नारनौल। नगर पालिका अटेली तथा कनीना में होने वाले चुनावों के मद्देनजर गुरुग्राम मंडल के आयुक्त आर सी बिढान ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। आर सी बिढान ने कहा कि प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव करवाना जिला प्रशासन की पहली जिम्मेदारी होती है। ऐसे में सभी अधिकारी आगामी 2 मार्च को होने वाले इन चुनाव के लिए सभी प्रकार की तैयारी कर लें। इस मौके पर उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि कनीना नगर पालिका में कुल 10413 वोटर हैं। यहां पर 14 वार्ड तथा 14 बूथ बनाए गए हैं। वहीं अटेली नगर पालिका में 6331 वोटर हैं। अटेली में 12 वार्ड तथा इतने ही बूथ बनाए गए हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, कनीना के एसडीएम एवं आरओ डॉ जितेंद्र सिंह, एसडीएम नारनौल एवं अटेली के आरओ रमित यादव तथा नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति लागू करने को शिक्षा मंत्री ने बुलाई बैठकः कुलपति प्रो.सिंहज

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने को लेकर 19 फरवरी को प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा अध्यक्षता में मीटिंग होगी। मीटिंग में प्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों के कुलपति भी भाग लेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 8 कमेटियों का गठन किया है। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए की जाने वाली मीटिंग में हरियाणा प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, हरियाणा उच्चतर शिक्षाकाउंसिल के अध्यक्ष प्रो.कैलाश चंद्र शर्मा, उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा के अतिरिक्त प्रधान सचिव विनीत गर्ग, तकनीकी शिक्षा,महानिदेशक प्रभजोत सिंह, उच्च शिक्षा महानिदेशक राहुल हुड्डा, विशेष आमंत्रित सदस्य डीपी भारद्वाज, मुकेश गर्ग, तकनीकी शिक्षा व उपाध्यक्ष प्रो. एसके गखड़ शामिल होंगे। प्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों के कुलपति भी मीटिंग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने को लेकर अपने अपने विश्वविद्यालय की प्रेजेंटेशन देंगे। कार्यक्रम के दो सत्र रहेंगे। प्रथम सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो.सोमनाथ सचदेवा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के प्रो.राजबीर सिंह,जीजेयू एंड टी, हिसार के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, आईजीयू, मीरपुर के कुलपति प्रो.जय प्रकाश यादव, बीपीएसएमवि, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा, डा.बीआरएनएनयू, सोनीपत की कुलपति प्रो. अर्चना मिश्रा, सीआरएसयू, जींद के कुलपति प्रो.सोमनाथ सचदेवा व जेसी बोस यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. एस.के.तोमर को शामिल किया गया है।

बार एसोसिएशन चुनाव में विभिन्न पदों पर भाग्य आजमाएंगे 25 उम्मीदवार

हिसार। जिला बार एसोसिएशन हिसार के चुनाव कार्यालय में उम्मीदवारों द्वारा अपना नामांकन वापिस लेने के अंतिम दिन किसी उम्मीदवार ने अपना नाम वापिस नहीं लिया। सुबह 11 बजे से 2 बजे तक के समय में किसी उम्मीदवार के वापिस न लेने पर उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी कर दी गई। चुनाव अधिकारी सुनील तिवारी व सहायक चुनाव अधिकारियों राजेश वर्मा, रामसिंह सोढ़ी, शीतल कुमार शिल्ला, विकास देहडू, अनुराग भारद्वाज व नवनीत चहल ने चुनाव कार्यलय में चुनाव की अधिसूचना के अनुसार नामांकन वापिस लेने के निर्धारित समय को पूरा किया। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित समय के अंतिम समय तक इंतजार करने के बाद बार एसोसिएशन के सालाना चुनाव के लिए अंतिम उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी गयी है। इसमे विभिन्न पदों के लिये कुल 25 नाम है। इसमे प्रधान पद के लिए 8 उम्मीदवार है। इनमें अमित सैनी, ब्रिजेश कुमार सिंधु, ईश्वर सिंह कड़वासरा, ओम नारायण कौशिक, संदीप बूरा, सुभाष सी. मित्तल, सुंदर सिंह बैनीवाल, सुरेंद्र सिंह ढुल शामिल है। उपप्रधान पद के लिए चार उम्मीदवार, अजीत सिंह ढिल्लो, भागीरथ सिंह लदोईया, दिनेश सिंह सैनी व विकास पूनिया, सचिव पद के लिए 6 उम्मीदवार, नरेश कुमार हरितश, प्रसिद्ध सिंह नैन, प्रवीण कुमार दहिया, समीर भाटिया, उम्मेद सिंह बैनीवाल, विक्रम जीत मित्तल,सहसचिव पद के लिए चार उम्मीदवार, कर्मबीर कुंडू, प्रवेश कुमार बिरमान, राजकुमारी लोट, सुनील कुमार भारद्वाज शामिल है।

बच्चों का संरक्षण सभी की जिम्मेदारी : अनिल कुमार

यमुनानगर। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य अनिल कुमार अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान यमुनागर पहुंचे और संरक्षण और अन्य पहलुओं पर कार्य कर रहे सभी विभागों बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, लेबर, स्वस्थ और शिक्षा विभाग के सदस्यों की बैठक ली। बैठक के दौरान आयोग सदस्य अनिल कुमार ने बताया कि बच्चों के विषय पर गंभीरता से कार्य करने के लिए सभी विभागों को संवेदनशील हो कर कार्य करना होगा। बच्चों का शोषण उन में जागरूकता की कमी के चलते होता है। बच्चों के संरक्षण को लेकर किशोर न्याय, पोक्सो अधिनियम में सख्त प्रावधान है। सभी जिलों में बाल संरक्षण इकाई जागरूकता अभियान के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस हेल्प लाइन 112 और चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 के बारे में सभी को जानकरी होनी चाहिए ।

सभी जनप्रतिनिधि अपनी विचारधारा से ऊपरमिका : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप मे निर्वाचित होने के बाद एक राजनेता की भूमिका बदल जाती है, इसलिए सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी - अपनी विचारधारा से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण, प्रदेश की प्रगति और जन कल्याण की सोच के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

विस अध्यक्ष हरियाणा विधानसभा में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) लोकसभा के सहयोग से हरियाणा विधान सभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा उद्घाटन करने उपरांत सत्र को संबोधित कर रहे थे।

आने वाले समय में भी प्राइड लोकसभा व हिपा, हरियाणा सरकार के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पंजाब विधानसभा अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवां, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा, विधानसभा सदस्य बी.बी. बत्रा समेत अनेक मंत्री और विधायक उपस्थित रहे। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) लोकसभा के सहयोग से यह प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में विधायी संस्थाओं को मजबूत करने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली की सफलता में जनता के प्रतिनिधियों की मुख्य भूमिका है। विधानमंडलों की कार्य क्षमता पर जनता व देश के हित सुरक्षित हैं। इन संस्थाओं की सफलता, सदस्यों की कार्यशैली पर निर्भर करती है।

इसलिए जनप्रतिनिधि को संविधान; नियम; संसदीय प्रणाली के तरीके, विधि व प्रथाओं का ज्ञान; शासन-प्रशासन सम्बन्धी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों की जानकारी व सूचनाऐं; जनता की समस्याओं की जानकारी व उनको दूर करने के तरीकों का ज्ञान; तथा नेतृत्व जैसी क्षमता का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा वो संस्था है जो जन-प्रतिनिधियों से बनती है और जन-प्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के लिए कार्य करती हैं। संसदीय कार्यों को करने के लिए संसद व राज्य विधानमंडलों को विशेष शक्ति व अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि 2 माह पहले ही हरियाणा विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए 2 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

हाईवे पर अवैध कट बंद करने के निर्देश,एसडीएम ने किया दौरा

एजेंसी

सोनीपत। खरखौदा के एसडीएम डॉ. निर्मल नागर ने राष्ट्रीय राजमार्ग 334 बी और केएमपी एक्सप्रेसवे पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक के बाद दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान झरोठी टोल प्लाजा के पास कंवाली मोड़ सहित अन्य छह स्थानों पर अवैध कट मिले।

एसडीएम ने इन कटों को बंद करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि भविष्य में अवैध कट बनने पर एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।इसके अलावा, सोनीपत से आने वाले कई वाहन गलत दिशा में चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया है कि पहले साइन बोर्ड लगाए जाएं, यदि वाहन चालक नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ चालान जारी किया जाए। रोडवेज और प्राइवेट बसों द्वारा भी यातायात नियमों की अनदेखी की जा रही है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और उन्हें जोखिम उठाकर सड़क पार करनी पड़ती है। एसडीएम नागर ने केएमपी का भी दौरा किया, जहां टोल प्लाजा के पास एंट्री-एग्जिट पॉइंट पर खामियां पाई गईं। दिल्ली मार्ग टचिंग पर लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, जिसके लिए एचएसआईआईडीसी को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

इंतजार की घड़िया खत्म, जल्द जारी होगी भाजपा प्रत्याशियों की सूची : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस दिल्ली की तरह जीरो पर ही आउट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का हरियाणा में कोई वजूद नहीं है। भाजपा कार्यालय कर्ण कमल करनाल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में भाजपा के पक्ष में माहौल है और जनता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा नगर निकाय चुनाव के लिए तैयार है और शीघ्र ही उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी नगर निगमों के मेयर और पार्षदों के चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। नगरपरिषद के वार्ड और चेयरमैन के चुनाव भी सिंबल पर लड़ा जाएगा। बड़ौली ने कहा कि कुछ नगरपालिकाओं के चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं इसकी जिम्मेदारी हमने लोकल लीडरशिप को ही दी है, हालांकि कुछ नगरपालिकाओं के चेयरमैन के चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ेगी।

एक सवाल पर बोलते हुए बड़ौली ने कहा कि चुनाव कोई भी हो भाजपा सदैव तैयार रहती है। भाजपा जमीन से जुड़ी हुई पार्टी है और सेवा भाव से देश और प्रदेश में काम करती है। सेवा ही संगठन के मूलमंत्र पर हमारे कार्यकर्ता लगातार जन सेवा के कार्यों में जुटे हैं। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव में कमल का फूल ही भाजपा का उम्मीदवार है और हमारे कार्यकर्ता कमल के फूल को जिताने के लिए ही कार्य करते हैं। बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही लोगों को गुमराह करती आई है। चुनाव आयोग ने जो व्यवस्था की है उसी के हिसाब से जनता वोट करेगी।

एक अन्य सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2014 में सरकार बनने के बाद भाजपा ने गायों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए कानून में संशोधन किया है। भाजपा सरकार ने ही गौशालाओं का बजट बढ़ाने का काम किया। नंदीशालाएं भी प्रदेश में बनाई जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे पर पूछे गए सवाल पर बड़ौली ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी का अमेरिका में जोरदार स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 140 करोड़ लोगों का मान और सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है।

दुनिया में किसी देश के पास नहीं भारत जैसी युवा शक्तिः धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि 21वीं सदी में भारत फिर से वैश्विक महाशक्ति बनने जा रहा है। आज हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है, बहुत जल्द हम तीसरी पायदान पर पहुंचने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सार्थक, सकारात्मक व दीर्घकालिक निर्णयों-कदमों से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र एवं विश्व की सर्वाधिक समृद्ध इकोनॉमी बनेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री गुरुग्राम स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी के 11वें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जाने-माने अधिवक्ता और दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन(डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली दीक्षांत समारोह में गेस्ट आफ ऑनर के रूप में शामिल हुए। एसजीटी विश्वविद्यालय के चांसलर पद्मभूषण राम बहादुर राय, मैनेजमेंट ट्रस्टी मनमोहन सिंह चावला भी उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सोवीनार का भी विमोचन किया गया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा शक्ति के बल पर भारत विकास की तेज दौड़ लगाएगा। आज भारत की 142 करोड़ की आबादी में से 68 करोड़ से अधिक की आयु 25 वर्ष से कम है। इतनी अथाह युवा शक्ति विश्व के और किसी देश के पास नहीं। धर्मेन्द्र प्रधान ने डिग्री पाने वाले छात्रों से आह्वान किया कि वह अगले दो-तीन दशकों की मैपिंग करें, फिर रणनीति तैयार करें, साथ ही जड़ से भी जुड़े रहें। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज डिग्री लेने वाले छात्र 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए खुद का रोड मैप बनाएं, यह भी सुनिश्चित करें कि देश के विकास में वे कितना योगदान करने जा रहे हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सिलिकॉन वैली का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया की हर इकोनॉमी के पीछे कोई न कोई विश्वविद्यालय अवश्य होता है। आज री स्किलिंग और अपस्किलिंग का दौर है। एसजीटी विश्वविद्यालय की खुले मन से प्रशंसा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम भारतीय इकोनॉमी का इंजन बना हुआ है और एसजीटी यूनिवर्सिटी इसके लंग्स (फेफड़े) की तरह है।

रोहतक में कार्य में कोताही बरतने वाले चार बिजली कर्मचारियों को नोटिस जारी

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दो फरवरी को रोहतक में बिजली सेवा केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों से स्पष्टीकरण तलब कर लिया है। इन सभी कर्मचारियों को तीन दिनों के भीतर शिकायतों के निदान में होने वाली देरी के कारणों के स्पष्टीकरण का उत्तर देना होगा अन्यथा संतोषजनक उत्तर न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। ऊर्जा मंत्री के निर्देशानुसार, अधीक्षक अभियंता (एसई) ने लापरवाही बरतने पर रोहतक के एक्सईएन सब डिवीजन नंबर वन के एएलएम अंकित, एएलएम नरेश, एलएम संजय और एएलएम कृष्ण तथा रोहतक के एसईएनएस यू/एस डिवीजन नंबर- 2 के एएलएम सुरेश (एएलएम), जेई विकास कौशिक और एलएम रामबीर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ऊर्जा मंत्री ने राजीव गांधी विद्युत भवन, रोहतक स्थित बीएसके शिकायत केंद्र का दौरा कर उपभोक्ताओं की शिकायतों की समीक्षा की थी। निरीक्षण में यह सामने आया कि कई शिकायतों का समाधान निर्धारित चार घंटे की समय-सीमा में नहीं किया गया था। ऊर्जा मंत्री ने संबंधित अधीक्षक अभियंता को निर्देश देते हुए कहा था कि जो शिकायतें 4 घंटे से ज्यादा समय तक लंबित रही हैं, उनकी जांच कर संबंधित स्टाफ से स्पष्टीकरण लिया जाए। ऊर्जा मंत्री ने निरीक्षण के बाद विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करें और लापरवाही बरतने वालों कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

इन सभी कर्मचारियों को तीन दिनों के भीतर शिकायतों के निदान में होने वाली देरी के कारणों के स्पष्टीकरण का उत्तर देना होगा

खनन पर कड़ी निगरानी को लेकर उपायुक्त ने सरपंचों के साथ की बैठक

नारनौल। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने लघु सचिवालय में जिला के खनन क्षेत्रों के आसपास के सरपंचों की बैठक में कहा कि जिला में खनिज की रक्षा करना जिला प्रशासन के साथ-साथ सरपंचों का भी अहम रोल है। ऐसे में सभी सरपंच केयरटेकर बनकर काम करें। जिला में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डीसी ने कहा कि जिला महेन्द्रगढ में अवैध खनन की रोकथाम के लिए सख्त कानूनी कार्यवाही की जा रही है। सभी सरपंच अवैध खनन की सूचना पर तुरंत जिला प्रशासन को साझा करें।

इस मौके पर सरपंचों ने रायल्टी का मामला उठाया जिस पर डीसी ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। खनन अधिकारी ने बताया कि जिले में अरावली वन श्रेत्र के तहत आने वाली पहाड़ियो से गांव डिगरोता, सोहला, टहला, मुकुन्दपुरा, बसीरपुर, आंतरी, बिहारीपुर छापडा-बीबीपुर, जैनपुर, गोलवा, पाचंनौता, मुसनौता, बायल की सीमाओं से स्थानीय लोग मौका पाकर पत्थर का अवैध खनन का प्रयास करते हैं।

इस पर खनन विभाग द्वारा निरंतर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। डीसी ने नांगल चौधरी एसडीएम की निगरानी में एक अंतरविभागीय अधिकारीयों की टीम को रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक निरंतर अवैध खनन की चैकिंग एवं रोकथाम के लिए आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। डीसी ने नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव बायल निजामपुर एवं नांगल चौधरी में रात्री के समय पांच.पांच कर्मचारियों सहित तीन चैक पोस्ट खनिज के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने.अपने उप मंडल क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम के लिए समय.समय पर संबंधित अधिकारीयों के साथ औचक निरीक्षण करने को कहा। वहीं अरावली वन क्षेत्र के तहत आने वाली पहाड़ियों से पत्थर के अवैध खनन की रोकथाम वन विभाग के माध्यम से करने के भी निर्देश दिए।

आईएएस सलोनी शर्मा ने संभाला एडीसी व डीएमसी झज्जर का पदभार

एजेंसी

झज्जर। नवनियुक्त अतिरिक्त उपायुक्त सलोनी शर्मा ने एडीसी झज्जर का पदभार संभाल लिया। सलोनी शर्मा वर्ष 2019 बैच की आईएएस अधिकारी हैं , इससे पूर्व भी झज्जर में बतौर एडीसी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। एडीसी के पद के अलावा उनके पास डीएमसी (डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर) के पद का कार्यभार भी रहेगा। सलोनी शर्मा ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमानुसार अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों को अपने सरकारी कार्यालयों में रोजमर्रा के कार्य करवाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। एडीसी ने कहा कि उनसे जुड़े विभागों के कार्यों को तत्परता के साथ पूरे करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले। उधर, डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा समितियां पंजीकरण नियम 2012 में संशोधन करते हुए समितियों के पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार द्वारा जारी गजट अधिसूचना के तहत, समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पहले से पंजीकृत समितियों को नया पंजीकरण नंबर प्राप्त करने के लिए पोर्टल खोल दिया गया है।

बकाया प्रॉपर्टी टैक्स होल्डर्स पर होगी कार्रवाई : मोना श्रीनिवास

एजेंसी

फरीदाबाद। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने निगम के जॉइंट कमिश्नर और अन्य अधिकारियों के साथ कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स के संबंध में बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी जोन के जॉइंट कमिश्नर को निर्देश दिए हैं कि सरकारी प्रॉपर्टी हो या प्राइवेट प्रोपर्टी ऐसे सभी बकाया प्रॉपर्टी टैक्स होल्डर्स को शोर्ट नोटिस देकर कार्यालय में बुलाए और उनसे बकाया टैक्स को निगम के खाते में जमा कराएं। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ये कार्य प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। प्रॉपर्टी टैक्स रिकवरी के मामले में उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि बकाया टैक्स धारकों के खिलाफ तय सीमा में टैक्स जमा न कराने पर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही भी की जाएगी। बैठक में एडिशनल कमिश्नर स्वप्निल रविंद्र पाटिल, एडिशनल कमिश्नर गौरव आंतिल,ओल्ड जॉन के जॉइंट कमिश्नर राजेश कुमार,बल्लबगढ़ से जॉइंट कमिश्नर करण सिंह,जॉइंट कमिश्नर सुश्री द्विजा जेडटीओ के दिशा निर्देश दिए है कि अपने अपने संबंधित क्षेत्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले लोगों को नोटिस जारी करें ताकि वे अपना प्रॉपर्टी टैक्स समय रहते जमा कर सकें। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने सभी प्रॉपर्टी मालिकों से अपील की है कि वे समय से अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराए यदि उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत इस टैक्स को जमा कराने में आ रही है तो वे संबंधित अधिकारियों से मिलकर अपना पक्ष रखें। अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वह समयानुसार अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाएं। ताकि वह निगम द्वारा की जाने वाली आगामी कार्यवाही से बच सके और शहर का विकास तेज गति के साथ किया जा सके यह प्रॉपर्टी टैक्स शहर के विकास में लगाया जाता है। लाल डोरा आबादी के अंतर्गत आने वाली प्रॉपर्टी को लेकर भी नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास ने हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार सभी जेडटीओ को दिशा निर्देश दिए है कि वह अपने अपने क्षेत्रों में लाल डोरा/आबादी वाली प्रॉपर्टी का सेल्फ सर्टिफाइड करवाना सुनिश्चित करें।

गुरुग्राम में लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

एजेंसी

गुरुग्राम। लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी से ठगी करने की वारदातों को अंजाम देने वाले कॉल सेंटर का स्थानीय पुलिस ने भंडाफोड़ किया। मौके से छह महिलाओं समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के पास से 25 मोबाइल फोन व एयरटेल का वाईफाइ डोंगल बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार चार फरवरी 2025 को मानेसर थाना साइबर अपराध में एक व्यक्ति ने लोन दिलाने के नाम से हुई ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने शिकायत में कहा कि उसके पास एक्सिस बैंक का प्रतिनिधि बनकर अलग-अलग नम्बर से कॉल आई। लोन देने के नाम पर लगभग 18 हजार रुपये की ठगी उसके साथ कर ली गई। शिकायत पर थाना साईबर मानेसर ने केस दर्ज किया। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध प्रियांशु दीवान के निर्देशन में मानेसर साइबर अपराध थाना में पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से इस धोखाधड़ी/ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। 13 फरवरी 2025 को बदरपुर से आठ आरोपियों को काबू किया। आरोपियों की पहचान राजू मण्डल निवासी बेबी सिंह कॉलोनी गजरौला कलां पीलीभीत (उत्तर-प्रदेश) वर्तमान निवासी विश्वकर्मा कॉलोनी प्रहलादपुर, नई दिल्ली, रोहित कुमार निवासी मितल कॉलोनी प्रहलादपुर, नई दिल्ली, रोजी निवासी गांव याकूबपुर जिला औरैया (उत्तर-प्रदेश) वर्तमान निवासी बदरपुर, मोलरबंद एक्सटेंशन, नई दिल्ली, रुबी निवासी शिव दुर्गा विहार सूरजकुंड जिला फरीदाबाद, सीमा सिन्हा निवासी शिव दुर्गा विहार, सूरजकुंड जिला फरीदाबाद, ज्ञानती निवासी चूरिया मोटला, लेखंड ओखला दिल्ली, मंतशा निवासी पल पहलादपुर, बदरपुर, दिल्ली व शायरा निवासी लककरपुर जिला फरीदाबाद के रूप में हुई। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी लोगों के पास फोन करके लोन दिलाने के नाम पर विभिन्न प्रकार के चार्ज के रूप में रुपए ट्रांसफर कराकर ठगी की वारदातों को अंजाम लेते थे।

चरणजोत सिंह नंदा आईसीएआई के अध्यक्ष निर्वाचित

एजेंसी

नई दिल्ली। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) चरणजोत सिंह नंदा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अध्यक्ष चुने गए हैं। आईसीएआई के 26वें काउन्सिल ने 2025-26 कार्यकाल के लिए अपने नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव किया है। सीए चरणजोत सिंह नंदा को आईसीएआई का अध्यक्ष चुना गया है। वहीं, सीए प्रसन्ना कुमार डी उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किए गए हैं। ये नियुक्तियां 12 फरवरी 2025 से प्रभावी हो चुकी हैं। विधि, न्याय एवं संसदीय मामलों के मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मंत्री श्री मेघवाल ने नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा, ''मुझे विश्वास है कि आपके सक्षम नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आने की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 86.76 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.93 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था।

कारोबार की शुरूआत में रुपया तीन पैसे की बढ़त लेकर 86.90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से यह 86.76 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 86.93 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 17 पैसे मजबूत होकर 86.76 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

तनिष्क ने प्रस्तुत की 'सोलमेट डायमंड पेयर'

नयी दिल्ली। प्यार और प्रतिबद्धता का जश्न मनाने के मौसम की शुरुआत के साथ, भारत के सबसे बड़े आभूषण ब्रांड और टाटा समूह का ब्रांड तनिष्क ने 'सोलमेट डायमंड पेयर' पेश किया है। कंपनी ने आज यहां पेश करते हुएकहा कि यह कपल रिंग का एक दुर्लभ सेट है, जो एक शाश्वत बंधन का प्रतीक है। कंपनी ने डी बीयर्स के सहयोग से इस कलेक्शन को लॉन्च किया है। इस विशेष कलेक्शन में दो अंगूठियां हैं एक ही प्राकृतिक हीरे से बनी है, यह दो आत्माओं के बीच अटूट बंधन का प्रतीक हैं। आंतरिक रूप से जुड़ी हुई ये अंगूठियां एक जोड़े के बीच के बंधन को दर्शाती हैं, एक ऐसा बंधन जो न केवल दुर्लभ है बल्कि शाश्वत भी है। यह अभिनव आविष्कार पारंपरिक आभूषणों से परे एक खूबसूरत रत्न को प्यार और अनंत काल के सार्थक प्रतीक में बदल देता है। इस अनोखी रेन्ज को डी बीयर्स ग्रुप के सहयोग से लॉन्च किया है। इस लॉन्च ने दोनों ब्रांड्स के बीच की साझेदारी को और भी मजबूत किया है। वैलेंटाइन्स डे और रियल डायमंड एंगेजमेंट रिंग्स के इस सीड़न के लिए ये कपल रिंग्स बहुत ही बेहतरीन हैं। जिन्दगी भर संजोकर रखने वाले खास पलों की साक्षी यह अंगूठियां बनेंगी।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने वेल्वेट का किया अधिग्रहण

चेन्नई। एफएमसीजी ब्रांड वेल्वेट का रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने अधिग्रहण कर लिया है। वेल्वेट, पर्सनल केयर प्रोडक्ट की सैशे-पैकेजिंग के लिए मशहूर है। रिलायंस ने एक वक्तव्य में बताया कि इस रणनीतिक अधिग्रहण के साथ ही वह वेल्वेट ब्रांड में नई जान फूंकेगा और इसकी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएगा। यह भारतीय ब्रांडों को पुनर्जीवित करने और उन्हें पुन- मार्केट में पेश करने की रिलायंस की प्रतिबद्धता को दिखाता है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीओओ केतन मोदी ने कहा, हम वेल्वेट का रिलायंस परिवार में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। वेल्वेट का इनोवेशन और लाखों लोगों तक पर्सनल केयर पहुँचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका, वास्तव में उल्लेखनीय है। हम इस विरासत को आगे बढ़ाने, और वेल्वेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्साहित हैं। वेल्वेट संस्थापक डॉ. सी. के. राजकुमार को 'सैशे किंग' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 1980 में व्यवसाय की कमान संभाली और उनके एक अभूतपूर्व मार्किट आइडिया से पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की पहुंच हर भारतीय घर तक हो गई। वेल्वेट 1980 में शैम्पू के पाउच लेकर मार्केट में आया।

आईपीपीबी ने महाकुम्भ में श्रद्धालुओं को बैंकिंग सेवाओं से सशक्त बनाया

नयी दिल्ली। सरकारी उपक्रम इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 में लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को निर्बाध डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में, महाकुम्भ में सभी क्षेत्रों के लोग आते हैं। आईपीपीबी अपने ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, सभी के लिए व्यापक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान कर रहा है, जिससे वित्तीय लेनदेन की सुविधा, सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। बैंक ने पूरे महाकुम्भ में 5 प्रमुख स्थानों पर सेवा काउंटर, मोबाइल बैंकिंग इकाइयां और ग्राहक सहायता कियोस्क स्थापित किए हैं। इन सुविधाओं को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों की संख्या को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। महाकुम्भ में आईपीपीबी की चल रही पहल पर उसके के एमडी और सीईओ आर.विश्वेश्वरन ने कहा, 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में हम महाकुम्भ 2025, प्रयागराज की पवित्र भूमि पर अपनी बिना रूके बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित महसूस करते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.65 अरब डॉलर बढ़कर 638.26 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। लगातार तीसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात फरवरी को समाप्त हफ्ते में 7.65 अरब डॉलर बढ़कर 638.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते 31 जनवरी को विदेशी मुद्रा भंडार 1.05 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 630.607 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 07 फरवरी को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.42

अरब डॉलर बढ़कर 544.11 अरब डॉलर हो गई। स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.31 अरब डॉलर बढ़कर 72.21 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.1 करोड डॉलर बढ़कर 17.88 अरब डॉलर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 7.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.07 अरब डॉलर रह गया।

उल्लेखनीय है कि रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन के कारण हाल ही में भंडार में गिरावट का रुख रहा था। हालांकि, इससे पहले सितंबर 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

हिंदुस्तान पावर 2028 तक 5 गीगावाट ऊर्जा पोर्टफोलियो बनाएगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक हिंदुस्तान पावर के अध्यक्ष रतुल पुरी ने शुक्रवार को अगले तीन वर्षों में 5 गीगावाट ऊर्जा पोर्टफोलियो हासिल करने की अपनी योजना की घोषणा की। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में श्री पुरी ने कहा कि यह विकास रणनीति अक्षय और संक्रमणकालीन ऊर्जा पर जोर देती है, जो विकसित हो रहे ऊर्जा परिदृश्य में स्थिरता और नवाचार के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नियोजित विस्तार 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने के भारत के लक्ष्य के अनुरूप है और देश के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में हिंदुस्तान पावर की भूमिका को रेखांकित करता है। कंपनी का लक्ष्य अत्याधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर और अक्षय और संक्रमणकालीन ऊर्जा उत्पादन दोनों में प्रभावशाली विकास को बढ़ावा देकर एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाना है। श्री पुरी ने कहा, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र एक परिवर्तनकारी बदलाव से गुजर रहा है, और भारत इस बदलाव में सबसे आगे है। हिंदुस्तान पावर ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास सुनिश्चित करते हुए संधारणीय ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है।

5 गीगावाट पोर्टफोलियो हासिल करने का हमारा दृष्टिकोण एक स्वच्छ और अधिक लचीला ऊर्जा भविष्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हिंदुस्तान पावर की व्यापक विशेषज्ञता घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में फैली हुई है, जिसने भारत और जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में सफलतापूर्वक परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,170 रुपये से लेकर 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,910 रुपये से लेकर 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट

सोने की कीमत 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीएसएनएल को तीसरी तिमाही में 2007 के बाद 262 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में बीएसएनएल को 262 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है, जो 2007 के बाद पहली बार मुनाफे में उसकी वापसी है।

संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बीएसएनएल ने चालू वि?त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है, जो 2007 के बाद उसका पहला मुनाफा है। यह आक्रामक नेटवर्क विस्तार और लागत अनुकूलन उपायों द्वारा संचालित कस्टम एडिशन के कारण था। बीएसएनएल की इस उपलब्धि पर जारी बयान में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा, आज दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण दिन है। ये वह दिन है जहां एक नई उड़ान एक नई पंख के साथ है... मुझे आप सभी को ये सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि 17 साल बाद पहली बार बीएसएनएल ने अपनी त्रैमासिक लाभ की रफ्तार को दोबारा शुरू की है। पिछले बार त्रैमासिक

लाभ 2007 में पोस्ट किया गया था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज बीएसएनएल ने 262 करोड़ का त्रैमासिक लाभ पोस्ट किया है। बीएसएनएल के सीएमडी ए. रॉबर्ट जे रवि ने कहा कि 262 करोड़ रुपये का यह मुनाफा कंपनी के पुनरुत्थान और दीर्घकालिक स्थिरता को दर्शाता है। कंपनी ने अपनी वित्तीय लागत और समग्र व्यय को भी कम किया है, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में घाटे में 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है। सीएमडी रवि ने कहा, हम इस तिमाही में अपने वित्तीय प्रदर्शन से खुश हैं, जो नवाचार, ग्राहक संतुष्टि और आक्रामक नेटवर्क विस्तार पर हमारे फोकस को दर्शाता है। इन प्रयासों से हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष के अंत तक राजस्व वृद्धि में सुधार होगा, जो 20 फीसदी से अधिक हो जाएगी।

आरबीआई का न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध, बैंक के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल को 12 महीने के लिए भंग कर दिया है। आरबीआई ने बैंक के संचालन के लिए नया प्रशासन नियुक्त किया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पैसे निकालने, जमा करने, लोन देने और किसी प्रकार के लिए लेन-देन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे बैंक के ग्राहक परेशान और नाराज दिखे।

आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि रिजर्व बैंक ने खराब प्रशासन के लिए न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल में फेरबदल किया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि एसबीआई के पूर्व प्रबंधक श्रीकांत को बैंक का प्रबंधन करने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करते

हुए निकासी और नए ऋण पर रोक लगाने सहित प्रतिबंधों के माध्यम से मार्गदर्शन करने के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया है।

आरबीआई ने बैंक में खराब प्रशासनिक गड़बड़ियों को देखते हुए यह निर्णय लिया है। रिजर्व बैंक को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (सहकारी समितियों पर लागू) की धारा 56 के साथ पठित धारा 36 एएए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भंग किया है। रिजर्व बैंक ने प्रशासक को उसके कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता के लिए 'सलाहकारों की एक समिति' भी नियुक्त की है। इस सलाहकार समिति में रवींद्र सपरा (पूर्व महाप्रबंधक, एसबीआई) और अभिजीत देशमुख (चार्टर्ड अकाउंटेंट) को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई को बचत बैंक या चालू खाते या किसी अन्य खाते से नकदी निकालने सहित सभी वित्तीय कार्यों पर रोक लगा दिया था। हालांकि, इस नोटिस में कहा गया है कि बैंक को निर्देशों में बताई गई शर्तों के अधीन जमा के विरुद्ध ऋण सेट ऑफ करने की अनुमति है। इस बैंक की सबसे अधिक शाखाएं मुंबई और ठाणे में स्थित हैं, जबकि बैंक के कुल जमाकर्ताओं की संख्या 3 लाख से अधिक हैं।

सीसीपीए ने आईआईटी-जेईई परिणाम के झूठे दावे के लिए संस्थान पर लगाया 3 लाख का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड (आईआईटीपीके) पर आईआईटी-जेईई परीक्षा के परिणामों के बारे में भ्रामक दावे करने वाले विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के लिए मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड (आईआईटीपीके) के विरूद्ध आदेश जारी किया है।

मंत्रालय ने कहा कि सीसीपीए ने अबतक विभिन्न कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों के लिए 46 नोटिस जारी किए हैं।

सीसीपीए ने 24 कोचिंग संस्थानों पर 77 लाख 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है, उन्हें भ्रामक विज्ञापनों का प्रकाशन न करने का निर्देश दिया है।

मंत्रालय के मुताबिक ये निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि किसी भी वस्तु या सेवा के बारे में कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित न किया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। ये अंतिम आदेश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की वेबसाइट https://doca.gov.in/ccpa/orders-advisories.php?page_no=v पर उपलब्ध है)।

ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की खपत बढ़ाएगा भारत: हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत का लक्ष्य अपने ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की वर्तमान खपत को करीब 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करना है। उन्होंने तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक ऊर्जा नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की। उन्होंने इस आयोजन की अभूतपूर्व सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें प्रतिभागियों और प्रदर्शकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, जहां तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए हैं।

मंत्री ने बताया कि इस आयोजन ने पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, हरित ऊर्जा, जैव ईंधन और सीबीजी सहित विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करके उल्लेखनीय रूप से अपेक्षाओं से अधिक अभिनव विकास को दर्शाया है। पुरी ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि तीन वर्षों की अल्पावधि में ही भारत ऊर्जा सप्ताह ने स्वयं को विश्व के दूसरे सबसे बड़े ऊर्जा मंच के रूप में स्थापित कर लिया है। उन?होंने कहा कि इसका चौथा संस्करण गोवा में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि व्यापक विचार-विमर्श के माध्यम से विकसित नया विधायी ढांचा लोकसभा में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से बीपी के साथ ओएनजीसी के सहयोग और पहले दौर में ब्लॉकों के लिए बोली लगाने में रिलायंस का उल्लेख किया, जो उद्योग साझेदारी का एक मजबूत संदेश है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र में सुधारों को संबोधित करते हुए करीब दो लाख वर्ग किलोमीटर को कवर करने वाले ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) राउंड एक्स के पैमाने का विस्तृत विवरण दिया। मंत्री ने बताया कि इस दौर में बढ़ी हुई रुचि नियामक व्यवस्था में व्यवस्थित सुधारों, उत्पादन से राजस्व साझाकरण तंत्र में संक्रमण, साथ ही तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 में प्रस्तावित संशोधनों से प्रेरित है।पुरी ने जैव ईंधन कार्यक्रम को एक उल्लेखनीय पहल बताया। इसमें इथेनॉल मिश्रण के लिए 1,700 करोड़ लीटर की वर्तमान क्षमता का हवाला दिया गया, जबकि 20 फीसदी मिश्रण लक्ष्य से परे की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा पुरी ने ग्रीन हाइड्रोजन के बारे में विशेष उत्साह व्यक्त किया, 2030 के लिए 5 एमएमटी वार्षिक उत्पादन लक्ष्य की ओर आश्वस्त प्रगति की पुष्टि की और टिकाऊ विमानन ईंधन विकास पर भी प्रकाश डाला।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन यूके नाइटहुड से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन और भारत के व्यापारिक संबंधों में उनके योगदान और सेवाओं के लिए 'ब्रिटेन के सबसे उत्कृष्ट ऑर्डर (सिविल डिवीजन)' सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को नाइटहुड 'मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटिश सरकार ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

टाटा समूह ने जारी एक बयान में कहा कि हमारे चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में योगदान के लिए चार्ल्स द्वारा मानद नाइटहुड प्राप्त करने पर बधाई। इस पुरस्कार पर समूह के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने सम्मान प्राप्त करने के बाद किंग चार्ल्स तृतीय को धन्यवाद दिया। चंद्रशेखरन ने इस सम्मान पर जारी अपनी प्रतिक्रिया में

कहा, मैं इस प्रतिष्ठित मान्यता से बहुत अभिभूत हूं, जिसके लिए मैं किंग चार्ल्स का आभारी हूं। मैं यह व्यक्त करना चाहूंगा कि टाटा समूह में हम प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, आतिथ्य, इस्पात, रसायन और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में यूके के साथ इतने मजबूत रणनीतिक संबंध बनाए रखने पर कितना गर्व महसूस करते हैं।

उल्लेखनीय है कि चंद्रशेखरन टाटा संस बोर्ड के अध्यक्ष हैं। ये कंपनी 100 से ज्यादा टाटा ऑपरेटिंग कंपनियों की होल्डिंग कंपनी और प्रमोटर है। इसका कुल सालाना राजस्व 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चंद्रशेखरन अक्टूबर 2016 में टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए और जनवरी 2017 में उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया। चंद्रशेखरन अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान सहित भारत के द्विपक्षीय व्यापार मंचों पर सक्रिय सदस्य हैं।

भारत एक सौर महाशक्ति है: साइमन स्टील

नई दिल्ली। यूएनएफसीसीसी के कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने शुक्रवार को भारत को एक सौर महाशक्ति बताते हुये यहां कहा कि यह देश 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले दुनिया के केवल चार देशों में से एक है तथा भारत के नेताओं के पास अर्थव्यवस्था की संपूर्ण औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का रोमांचक अवसर है जो सुनिश्चित करती है कि भारत स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति है। श्री स्टील ने यहां नौवें वार्षिक वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (जीबीएस) में कहा लोग अक्सर जलवायु परिवर्तन पर भाषणों की शुरुआत जलवायु संकट के कारण पहले से ही अर्थव्यवस्थाओं पर, लोगों पर और हमारे ग्रह पर पड़ रहे भयंकर नुकसानों पर जोर देकर करते हैं , लेकिन आज मैं इसके बजाय अवसर के बारे में बात करना चाहता हूँ। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति रुकने वाली नहीं है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में दो लाख करोड़ डॉलर का निवेश किया गया। कारखाने बनाए गए हैं, ऑर्डर दिए गए हैं, और अधिक से अधिक लोगों को सस्ती, स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा और नए, अधिक लचीले बुनियादी ढांचे तक पहुँच मिल रही है। श्री स्टील ने कहा कि पूरी दुनिया में जीवन बदल रहा है।

लगातार आठवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 7.19 लाख करोड़ का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिनभर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज लगातार आठवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.26 प्रतिशत और निफ्टी 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह मेटल, रियल्टी, ऑटोमोबाइल, आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, टेक और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 400.07 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 407.26 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.19 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,083 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 681 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,320 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 82 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,602 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 340 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,262 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 250.02 अंक की तेजी के साथ 76,388.99 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद मामूली उतार-चढ़ाव के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 344.09 अंक की मजबूती के साथ 76,483.06 अंक तक पहुंच गया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने तक बाजार में तेजी का रुख बना रहा, लेकिन इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,043.42 अंक टूट कर 699.33 अंक की कमजोरी के साथ 75,439.64 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर बाजार में मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने निचले स्तर से 499.57 अंक की रिकवरी करके 199.76 अंक की गिरावट के साथ 75,939.21 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

50 की उम्र के बाद महिलाएं जरूर खाएं ये सप्लीमेंट्स, जानिए एक्सपर्ट से

बढ़ती उम्र में व्यक्ति को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में महिला हो या पुरुष दोनों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. बहरहाल, एक्सपर्ट ने यहां 50 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए हेल्थ सप्लीमेंट्स बताए हैं.

50 की उम्र के बाद महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं. इस उम्र में पोषण की आवश्यकता भी बदल जाती है. इस दौरान महिलाओं को हड्डियों, त्वचा, मांसपेशियों और दिल का खास ध्यान रखना जरूरी होता है. वैसे भी आजकल लोगों की लाइफस्टाइल काफी खराब हो गई है. ऐसे में लोग विटामिन, मिनरल्स और प्रोटीन से भरपूर डाइट नहीं ले पाते हैं.

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि 50 की उम्र में डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट्स लेना न सिर्फ हेल्थ को दुरुस्त रखते हैं बल्कि इनसे आपको एनर्जी भी मिलेगी. एक्सपर्ट ने महिलाओं के लिए ऐसे सप्लीमेंट्स बताए हैं, जिन्हें 50 साल के बाद ॉअपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.

कैल्शियम

50 की उम्र के बाद महिलाओं में बोन डेंसिटी कम होने लगती है. आगे चलकर यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है. कैल्शियम हड्डियों के स्वस्थ रहने के लिए महत्वपूर्ण है और यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है. अगर आपकी डाइट में कैल्शियम की कमी हो रही है, तो कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेना जरूरी है. आमतौर पर, एक महिला को दिन में 1200 मिलीग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है.

ओमेगा-3 फैटी एसिड

ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल और दिमाग के लिए बेहद जरूरी हैं. 50 साल की उम्र के बाद दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. ये सूजन को कम करने के साथ-साथ दिल की रोगों से बचाते हैं. फिश ऑयल और चिया सीड्स में ओमेगा 3 भरपूर होता है. लेकिन इन्हेंसप्लीमेंट्स के तौर पर भी खाया जा सकता है.

विटामिन बी12

विटामिन क्क्त2 का शरीर में पर्याप्त मात्रा में होना बेहद जरूरी है. यह ऊर्जा स्तर को बनाए रखने, दिमाग की कार्यक्षमता और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करता है. एक्सपर्ट कहती हैं कि बढ़ती उम्र के साथ विटामिन बी12 अच्छी तरह से अवशोषित नहीं कर पाता है. इससे कमजोरी, थकान, और मानसिक स्थिति में गड़बड़ी हो सकती है. एक्सपर्ट की सलाह पर इसके सप्लीमेंट्स भी जरूर लें.

मैग्नीशियम

मैग्नीशियम हड्डियों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है. यह तनाव को कम करने, नींद को बेहतर बनाने और मांसपेशियों में ऐंठन को रोकने में मदद करता है. 50 के बाद महिलाएं अक्सर नींद की समस्याओं और मांसपेशियों में दर्द का सामना करती हैं, और इस स्थिति में मैग्नीशियम का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है.

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बडी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। हांलाकि शिक्षा नगरी कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम हो गया है पर कोटा से अधिक आत्महत्याएं देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। हांलाकि कोचिंग हब कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर यह विषयांतर होगा। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों और पैरेंट्स को भी स्पष्ट संदेश दिया है।इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि 20-21 वीं सदी में दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक ही रहते थे उसके बाद लगभग दोगुणे द्वितीय श्रेणी में व बाकी तीसरी डिविजन में संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। 80 से 90 प्रतिशत तक उससे कम और पर उनसे भी कम बच्चें इससे कम प्रतिशत में होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बली चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चें की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं।

आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश नहीं होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है।

परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत ड़ालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे प्रतिस्पर्धा करने के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना तो यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश नहीं होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदी जी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को ही संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चें होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं तो टीचर्स का उन पर विशेष ध्यान होता है और जो बच्चें कमजोर होते हैं तो पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल ने या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो यह आज तो लगभग असंभव ही है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष तौर पर बच्चें को ट्यूशन कराने का दबाव तो आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाएं तो तस्वीर का पहलू दूसरा ही हो सकता है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे हैं। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी ईच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना करके बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटें का समय सभी के पास होता है,

इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रुप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षाओं से पहले अपने प्रधानमंत्री काल में 8 वीं बार परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को संदेश देने का सार्थक प्रयास किया गया है। अब सबका दायित्व हो जाता है कि इन सकारात्मक पक्षों को बच्चों तक पहुंचाया जाएं। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

संपादकीय

एआई पर सावधानी

पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रांस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह-अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो

बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि, इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है।दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतः भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है।

उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्र है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी

, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है .

मोदी के कंधों पर देश की साख

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है

ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन दो देशों के मुखिया किस तरह आपस में मिले और एक-दूसरे का अभिवादन किया, इसके मायने भी महत्वपूर्ण होते हैं। कैमरे के सामने दो राष्ट्रप्रमुखों का एक-दूसरे से हाथ मिलाना, मुस्कुराते हुए फोटो खिंचाना, द्विपक्षीय चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करना, या किसी अंतरराष्ट्रीय बैठक में तमाम राष्ट्राध्यक्षों की सामूहिक तस्वीर और एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर फोटो खिंचाना यह सब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी सामान्य बातें हैं। भारत में 10-11 साल पहले तक इस पर शायद ही कोई चर्चा होती थी कि देश के प्रधानमंत्री ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ, किस तरह से हाथ मिलाया, किस अंदाज में बातें की या उनके साथ घूमे-फिरे। लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनकी विदेश यात्राएं शुरु हुईं, तब से भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों के साथ-साथ इस बात पर भी खासी चर्चा होने लगी कि कौन सा राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री मोदीजी का करीबी मित्र बन गया है, किसके साथ उनके पारिवारिक संबंध बन गए हैं।ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख्रुश्चेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस ट्रूमैन और 1961 में जॉन एफ कैनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे। फ़िलीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफ़ात इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया। छवियों की बात चली है तो यह भी याद कर सकते हैं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन छतरी पकड़ कर कार तक आए थे। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि राजीव गांधी के लिए रोनाल्ड रीगन पक्के दोस्त हो गए थे।दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंध और छवियों की बात इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि इस समय देश और दुनिया में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और उधर अमेरिका में चार साल बाद डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हुई है। ट्रंप का सत्ता में लौटना अमेरिका समेत पूरी दुनिया में कई तरह के बदलावों का कारण बन रहा है, क्योंकि इस वक्त बिल्कुल निरंकुश अंदाज में ट्रंप शासन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके शुरुआती कुछ फैसले ही काफी विवादों में आए हैं, लेकिन ट्रंप किसी तरह से बदलते या अपना रुख नर्म करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के खास मायने हो जाते हैं कि इस बार किस अंदाज में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात और चर्चा होती है।

याद रहे कि 2020 में नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर कूटनीतिक शिष्टाचार की सीमाएं तोड़ी थीं। इस बार ट्रंप जीते लेकिन उन्होंने अपने शपथ ग्रहण में नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया। श्री मोदी ने ट्रंप को फिर भी बधाई दी, और एक्स पर दिए अपने बधाई संदेश में

माय फ्रेंड यानी मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन देते हुए चार ऐसी तस्वीरें चस्पां की, जिनसे लोगों के बीच मोदी-ट्रंप दोस्ती की छवि गाढ़ी हो जाए। हालांकि निजी स्तर के इस बधाई संदेश के बावजूद ट्रंप ने हथकड़ियों और जंजीरों के साथ अमेरिकी सैन्य विमान में भारतीयों को भेजकर यह जतला दिया कि वे ऐसी मित्रता और शिष्टाचार की रत्ती भर परवाह भी नहीं करते हैं।अमेरिका से भारत की लंबी दूरी में अमानवीय तरीके से लाए गए भारतीयों की छवि केवल देश के लोगों ने नहीं दुनिया ने देखी है और इसके बाद आस्ट्रेलिया के एक स्टेडियम में भारतीय दर्शकों से उनके वीज़ा के बारे में पूछकर उन्हें चिढ़ाने की घटना हुई, जिससे जाहिर होता है कि इस छवि का नुकसान विश्वव्यापी स्तर पर भारत को हुआ।वैसे भी भारत के लोगों को विदेशों में अनेक तरह के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। कई संपन्न और विकसित देश पढ़ने या काम करने गए आम भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते हैं, अब ऐसी घटनाओं के और बढ़ने की आशंका है। अगर मोदी सरकार तुरंत ही इस पर आपत्ति जताती तो शायद कड़ा संदेश जाता। प्रसंगवश बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अपने नागरिकों के लिए विमान भेजा और जब वे वापस लौटे तो खुद विमान के भीतर जाकर उन्हें आश्वस्त किया। इसी तरह वेनेजुएला ने अपने नागरिकों को अमेरिका से वापस बुलाया और जब वे विमानतल पर उतरे तो उनके स्वागत के लिए राष्ट्रपति खुद मौजूद थे।भारत में अमेरिका से हथकड़ियों में लाए गए नागरिकों को कैदियों वाली गाड़ी में उनके घरों तक भेजा गया। अपने नागरिकों को सम्मान देने और उनका सम्मान बचाने में सरकार तब चूक गई और अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात में इस बारे में कुछ कहते हैं या नहीं।

हालांकि ट्रंप से मुलाकात से पहले पेरिस में श्री मोदी की मुलाकात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हुई। उनकी पत्नी उषा वेंस और बच्चों से भी श्री मोदी मिले और वेंस दंपती के बेटे विवेक को जन्मदिन पर बधाई दी, उपहार दिया। इस बात की जानकारी श्री मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी, लेकिन यह जिक्र नहीं हुआ कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से भारतीयों के अपमान की बात की या नहीं की। संभवतः नहीं की, अन्यथा वे इसका ब्यौरा जरूर देते।

अमेरिका से पहले श्री मोदी फ्रांस के दौरे पर थे, जहां से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो से हाथ मिलाते, गले मिलते, साथ बातें करते तस्वीरें भी आई हैं। लेकिन इसी अवसर की एक और तस्वीर आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस आयोजन में दुनिया भर के तमाम नेता, प्रतिनिधि मौजूद थे और राष्ट्रपति मैक्रो एक-एक करके सबके पास आकर हाथ मिला रहे थे और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सामने से उन्हें लगभग अनदेखा करते हुए वे निकल गए। श्री मोदी ने स्वाभाविक तौर पर अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन मैक्रो ने उनसे हाथ न मिलाते हुए अगले प्रतिनिधि की तरफ रुख किया। कुछ सेंकड की यह वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर वायरल है और इसकी चाहे जितनी सफाई देने की कोशिश की जाए, भारत के लिए यह अच्छी छवि नहीं है। क्योंकि इसमें सीधे तौर पर भारत के प्रधानमंत्री का अपमान फ्रांस के राष्ट्रपति ने किया है। अगर यह अनजाने में हुआ है तो इस पर खेद प्रकट हो जाना चाहिए था।लेकिन ऐसा नहीं हुआ, न ही भारत सरकार के विदेश विभाग ने इस पर कोई आपत्ति उठाई है, तो फिर सवाल उठता है कि क्या मोदी सरकार में अब विदेश नीति के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजों को भी परे कर दिया गया है। आप किस राष्ट्रपति को दोस्त कहते हैं, किसकी पीठ पर हाथ रखते हैं, किसे पहले नाम से पुकारते हैं, किसके साथ झूला झूलते हैं, किसके साथ नौका विहार करते हैं या किसके साथ जाम टकराते हैं, ये सारी बातें निजी रिश्तों की प्रगाढ़ता को भले दिखाती हैं, लेकिन यह सब किसी व्यक्ति के नाम नहीं बल्कि उसके पद के कारण संभव हुआ।

नरेन्द्र मोदी के नाम के साथ भारत के प्रधानमंत्री का पद जुड़ा हुआ है, यह बात याद रहनी चाहिए और फिर उस पद की गरिमा को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए ही अपने विदेशी समकक्षों से व्यवहार होना चाहिए। श्री मोदी कम से कम सत्ता के तीसरे कार्यकाल में तो इस बात को समझें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख बनाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन्हीं पर है।

अपने साथी की तारीफ करना रिश्ते की ताजगी को बरकरार रखता है। तो आप भी इसे आजमाइए और अपने रिश्ते की मिठास को हमेशा बनाए रखिए। डॉक्टरों का भी मानना है कि रिश्तों में तारीफ कई झगड़ों और झगड़े की वजहों को जड़ से मिटा देती हैं।

तारीफ के दो शब्द रिश्तों को देते हैं नई जिंदगी

एक-दूसरे की छोटी-छोटी बातों का खयाल रखना और हर अच्छी बात पर तारीफ करना, आपके रिश्ते की ताजगी को हमेशा बनाए रखता है। ऐसा वे लोग कह रहे हैं जो सालों से इस अदा को अपनाए हुए हैं। उन्हें लगता है कि अपने साथी की तारीफ करना रिश्ते की ताजगी को बरकरार रखता है। तो आप भी इसे आजमाइए और अपने रिश्ते की मिठास को हमेशा बनाए रखिए। डॉक्टरों का भी मानना है कि रिश्तों में तारीफ कई झगड़ों और झगड़े की वजहों को जड़ से मिटा देती हैं।

मशहूर नाट्य कलाकार, निर्देशक और अभिनेता ने बताया कि रिश्ते की जिंदादिली को बनाए रखना है तो तारीफ बहुत जरूरी हैं। अगर आप एक अच्छी बात पर तारीफ करने से चूकते हैं तो आप अपने साथी के चेहरे पर एक मुस्कुराहट देखने से भी चूक जाते हैं। आपकी एक तारीफ आपके साथी में दोबारा काम करने की ऊर्जा और स्फूर्ति भर देता है। मैं अपने जीवन में यह मौका कभी नहीं चूकता। शायद यही वजह है कि आज शादी के 32 साल बाद भी हमारे रिश्ते की मिठास बरकरार है।

मनोविशलेषक का कहना है, अपनी तारीफ सुनना सभी को पसंद होता है। मगर जब रिश्तों की बात हो तो उसमें तारीफ कमाल कर सकती हैं। एक-दूसरे की किसी भी अच्छी बात की तारीफ करने से आपके साथी को पता चलता है कि आपको उसके बारे में क्या पसंद आया या फिर आप उसे कैसे देखना या उसकी किन आदतों को पसंद करते हैं। ऐसा करने से सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि दोनों में पसंद-नापंसद को लेकर झगड़े नहीं होते। आप खुद ही उसको पसंद न आने वाली आदतों को छोड़ने की कोशिश करने लगते हैं। 80 वर्षीय उर्मीला राय ने बताया कि मेरी शादी

को इस साल जून में 63 साल हो जाएंगे। मगर आज भी हमारे रिश्ते में वहीं मिठास है जो शादी के कुछ सालों बाद थी। इसकी सिर्फ एक ही वजह है, हमने हमेशा एक-दूसरे की अच्छी बातों की खुलकर तारीफ की है। हम दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हमारी तारीफ में अच्छी बातों से लेकर मेरे बनाए खाने, मेरी साड़ी और बच्चों के लिए की गई शॉपिंग भी शामिल होती है। मैं भी उनकी तारीफ करती हूं। अपने 63 साल की शादीशुदा जिन्दगी में मैंने यह तो जान ही लिया है कि एक-दूसरे की तारीफ करना आपके रिश्ते के मैजिक को बनाए रखता है। आप हमेशा खुद को खुश और तरो ताजा महसूस करते हैं।

उर्मीला राय के पति अनिरुद्ध प्रसाद राय का कहना है, एक-दूसरे की तारीफ करना और इस तारीफ की अपने रिश्ते में अहमियत मैंने उर्मीला से सीखी। वह हमेशा मेरे छोटे से छोटे काम की भी तारीफ करती है। शुरू से आज तक जब भी मैं बच्चों के लिए कोई छोटे से छोटा काम भी करता हूं तो वह मेरी तारीफ जरूर करती है। उस वक्त मुझे ऐसा लगता है जैसे इस काम को करने में लगी मेरी सारी मेहनत सफल हो गई। मैं दोबारा काम करने की ताकत महसूस करने लगता हूं। यह बात बिल्कुल 16 आने सच है कि तारीफ रिश्तों की मिठास को जिंदा रखती हैं। डॉक्टर राकेश का कहना है, तारीफ यानी कॉ प्लीमेंट रिश्तों में मिठास घोलने का काम करती हैं। पूरे दिन काम करने के बाद जब आपका साथी आपके उस काम की तारीफ करता है तो ऐसा लगता है जैसे सारी मेहनत सफल हो गई। इसलिए अगर आप अपने साथी की तारीफ करने में कंजूसी करते हैं या फिर यह सोचते हैं कि ठीक है उसने अच्छा काम किया है तो अपनी इस सोच को बदलें। एक बार दिल से उसकी तारीफ करके देखें आपके रिश्ते में भी मिठास का जादू घुल जाएगा।

परफेक्ट ब्राइड

हर इंसान सबको अपनी तरफ आकर्षिक करना चाहता है खासतौर पर लडकियां। लडकियां सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ करती हैं। हर लड़की अच्छे तरीके से सजती-संवरती हैं। हर लड़की यह जानने के लिए उत्सुक रहती है कि लड़के उनमें कौन सी बातों को पसंद करते हैं।

- ***हंसमुख:*** हंसमुख इंसान को हर कोई पसन्द करता है। पुरूष भी ऐसी महिलाओं को ज्यादा पसंद करते हैं जो हंसमुख हों। इसलिए हमेशा खुशमिजाज रहें। यदि आप किसी दोस्त के साथ हों और माहौल मजाकिया हो तो आपको भी उसी अंदाज में रहना चाहिए।
- ***समझ:*** समझदार इंसान को हर कोई पसंद करता है। जितनी आप समझदार होगीं आप अपने साथी से उतना ही अधिक प्यार पाएंगी। पुरूष चाहते है कि महिलाएं उनकी बातों को ध्यान से सुने और समझे। यही बात पुरूषों को आपके प्रति इमोशनल बनाता है।
- ***इंटेलिजेंट:*** इंटेलिजेंसी एक ऐसा गुण है, जिससे पुरूष ताउम्र प्रभावित रहते हैं। पुरूषों को इंटेलिजेंट महिलाएं ज्यादा लुभाती हैं।
- ***मधुर वाणी:*** मधुर वाणी हर किसी को प्रभावित करती है। कडवे बोल नहीं बोलने चाहिए और ना ही तानों में बात करनी चाहिए। मीठी और मधुर आवाज से आप सबको अपनी और आकर्षित कर सकती हैं।
- ***फिट रहिए:*** हर व्यक्ति को अपने आप को फिट रखना चाहिए। बेडौल महिलाएं पुरूषों को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पातीं। शरीर का सुडौल होना जहां आपको स्वस्थ रखता है वहीं पुरूष भी आपकी ओर आकर्षित होते है।
- ***ऊर्जावान:*** हर समय एनर्जेटिक रहकर आप अपने साथी और अपने ससुरालवालों को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं। मेहमानों के सामने आपसे गर्मजोशी की उम्मीद की जाती है और इससे मेहमान भी प्रभावित होते हैं।
- ***स्वादिष्ट खाना:*** प्यार का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। यह कहावत बिल्कुल सही है। आप अपने स्वादिष्ट खाने से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं। यदि आप अपने परिवार का पसंदीदा खाना स्वादिष्ट बनाकर उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।
- ***सामाजिक होना:*** हर पुरूष चाहता है कि उसकी पत्नी सोशल हो। वह घर आए मेहमानों और घरवालों से तहजीब से पेश आएं और उनकी यथोचित आवभगत करें ताकि उनकी प्रतिष्ठा बनी रहें। सोशल या सामाजिक होने से आपका व्यक्तित्व आपके पति की नजरों में और भी ज्यादा सम्माननीय हो जाएगा।
- ***समर्पण:*** समर्पण की उम्मीद हर पुरूष रखता है। समर्पित महिलाएं पुरूषों द्वारा बहुत पसंद की जाती हैं। समर्पण की भावना और गुण से आप अपने पति और परिवार को अपनी तरफ आकर्षित कर सकती हैं।
- ***सामंजस्य:*** हर रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए उसमें सामंजस्य का होना बहुत जरूरी है। एक दूसरे से तालमेल बैठाकर चलना, एक दूसरे की परेशानियों को समझना और कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली स्त्रियों को पुरूष बहुत पसंद करते हैं।

ऊपर बताए गए सभी गुण और बातों को अपनाकर और उन्हें अपने जीवन में ढालकर आप सबकी चहेती बन सकती हैं।

बच्चों में मोटापा बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। इसके लिए उनका दिन भर टीवी के सामने डटे रहना भी काफी हद जिम्मेदार है। हालिया शोध के मुताबिक नियमित कसरत करने और टीवी को कम

कसरत के लाभ

अ वक्त देने से बच्चे चुस्त-दुरुस्त रह सकते हैं।

मेरिकन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स ने बच्चों को दिन भर में केवल दो घंटे ही टीवी देखने या वीडियो गेम्स खेलने की सलाह दी है। विशेषज्ञ अच्छी सेहत के लिए लड़कों को प्रतिदिन 13 हजार और लड़कियों को 11 हजार कदम चलने की सलाह देते हैं। किशोरों को रोजाना एक घंटे शारीरिक कसरत से जुड़े काम करने की सलाह दी जाती है।

आयोवा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के दौरान 709 स्कूली बच्चों की टीवी देखने और वीडियो गेम्स खेलने संबंधी आदतों का विश्लेषण किया। इस दौरान कसरत और टीवी देखने संबंधी सुझावों पर अमल करने वाले और नहीं करने वाले बच्चों के वजन की जांच की गई। बच्चों की शारीरिक गतिविधियों को जांचने के लिए उन्हें पेडोमीटर नामक उपकरण पहनाया गया। लड़कों द्वारा दिन में चले गए 13 हजार और लड़कियों द्वारा 11 हजार कदम को जरूरी कसरत के बराबर माना गया।एक शोधकर्ता के मुताबिक किशोरावस्था में कसरत और टीवी के सामने सीमित वक्त गुजार कर काफी हद तक ओवरवेट होने की समस्या से बचा जा सकता है।

आ मतौर पर महिलाओं को बातूनी के खिताब से नवाजा जाता है। लेकिन पिछले दिनों आई एक स्टडी बताती है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुष ज्यादा बातूनी होते हैं और वे क्लैरिटी से अपनी कह भी नहीं पाते। जानते हैं, इस बारे में लोग क्या कहते हैं

क्या आप यह देखकर हैरान हैं कि आपकी हाउसिंग सोसायटी के एक सज्जन ने सोसायटी रिलेटेड गॉसिप्स में महिलाओं को भी फेल कर दिया? या फिर आपका बेस्ट फ्रेंड 10 मिनट की स्पीच देने के बावजूद आपको यह समझाने में कामयाब नहीं हो पाया कि आखिर वह क्या कहना चाहता है? अगर आप इसकी वजह के बारे में सोच रही हैं, तो एक स्टडी के रिजल्ट्स इस बारे में आपको काफी कुछ बता सकते हैं।

दरअसल, पिछले दिनों हुई एक स्टडी में बताया गया है कि भले ही महिलाओं को बातूनी कहा जाता है, लेकिन असलियत में पुरुष महिलाओं के मुकाबले ज्यादा बातें करते हैं। कई बार तो वे सिर्फ बात करने के लिए ही बात करते

बातूनी कौन!

हैं, भले ही उसका कोई मतलब न हो। वैसे, ऐसा वह इसलिए करते हैं, क्योंकि महिलाओं के मुकाबले वे अपनी बातों को बेहतर तरीके से प्रजेंट नहीं कर पाते।

क्या महिलाएं इन नतीजों से सहमत हैं? मॉडल और एक्ट्रेस तन्वी व्यास इस पर मिक्स्ड रिएक्शन देती हैं। वह कहती हैं, अपने प्रफेशन के चलते मैं तमाम तरह के पुरुषों से मिल चुकी हूं और मेरे लिए उन सबको कैटिगरीज में बांटना काफी मुश्किल है। उनमें से कुछ काफी इंर्टोवर्ट हैं, तो कुछ कम बोलते हैं। वहीं, ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो बहुत बोलते हैं और बोलने का उनका अंदाज भी जबर्दस्त है। वे अपनी बातों से दूसरे को आसानी से इंप्रेस कर सकते हैं। मेरे आने वाली फिल्म में मेरा एक को-स्टार इतना बोलता है कि उसे देखकर सभी हैरान रह जाएं। ज्यादा बोलने वाली लड़कियां तक उसके आगे कहीं नहीं ठहरती हैं।

तन्वी को भले ही ज्यादा लोगों का अनुभव हो, लेकिन ऐक्ट्रेस डेलनाज पॉल इस स्टडी से पूरी तरह सही मानती हैं। वह कहती हैं, माना जाता है कि महिलाएं पीठ पीछे लोगों की बुराई करती हैं। लेकिन मेरा मानना है कि पुरुष महिलाओं से ज्यादा गॉसिप करते हैं। यही नहीं, महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अपनी बातों को बेहतर तरीके से एक्सप्रेस कर लेती हैं। फिर बातचीत के दौरान वे इस बात का ज्यादा ख्याल रखती हैं कि वे किस बारे में बात कर रही हैं। और अगर बात कॉम्प्लिमेंट देने की करें? तन्वी कहती हैं, ज्यादातर पुरुष कॉम्प्लिमेंट देने के मामले में अच्छे नहीं होते। यही नहीं, कुछ पुरुष तो शायद ही कभी किसी को कॉम्प्लिमेंट देते हैं। मैं यह नहीं कहती कि पुरुष खुद को एक्सप्रेस करने के

क्या आप यह देखकर हैरान हैं कि आपकी हाउसिंग सोसायटी के एक सज्जन ने सोसायटी रिलेटेड गॉसिप्स में महिलाओं को भी फेल कर दिया? या फिर आपका बेस्ट फ्रेंड 10 मिनट की स्पीच देने के बावजूद आपको यह समझाने में कामयाब नहीं हो पाया कि आखिर वह क्या कहना चाहता है? अगर आप इसकी वजह के बारे में सोच रही हैं, तो एक स्टडी के रिजल्ट्स इस बारे में

मामले में बेहतर नहीं होते , क्योंकि हर व्यक्ति का अपना नेचर होता है। जबकि डेलनाज कहती हैं, ज्यादातर पुरुष कॉम्प्लिमेंट नहीं करते और उनकी बातों में क्लैरिटी भी नहीं होती। हालांकि टीवी ऐक्टर विपुल रॉय तन्वी व डेलनाज से कुछ अलग राय रखते हैं। उनके हिसाब से पुरुषों के पास बातचीत का जबर्दस्त हुनर है। वह कहते हैं , मेरे ख्याल से कॉम्प्लिमेंट देने के मामले में पुरुष जबर्दस्त होते हैं। आखिर इसी तरह तो वे लड़कियों का दिल जीतते हैं। उनके पास बेहतरीन ह्यूमर और बोलने का अंदाज होता है। आप खुद ही सोचिए कि अगर उनमें ये सब खूबियां नहीं होंगी, तो क्या आजकल की इंटेलिजेंट लड़कियां उन्हें पसंद करेंगी? वैसे , विपुल का यह भी मानना है कि पुरुषों के ज्यादा बोलने में कोई बुराई है। बकौल विपुल आजकल सभी अपनी क्वॉलिटीज को दूसरे के सामने पेश करना चाहते हैं। अगर मैं किसी टॉपिक पर ज्यादा जानकारी रखता हूं, तभी तो मैं उसके बारे में खुलकर बातचीत करूंगा।

ऐसे में यह मैटर नहीं करता कि मैं कितने शब्द बोल रहा हूं। यही नहीं, विपुल महिलाओं को भी बेहद होशियार मानते हैं। उनका कहना है कि महिलाएं ऐसे इंसान को कतई पसंद नहीं करतीं ,जिसके थॉट्स में क्लैरिटी न हो। हालांकि उनकी मानें, तो गॉसिपिंग भी महिलाएं भी ज्यादा करती हैं। कॉलेज स्टूडेंट राहुल जोशी कहते हैं। यह कहना मुश्किल है कि महिला और पुरुषों में से कौन ज्यादा बातूनी है। मैंने ऐसे कई लोग देखें , जो एक बार बोलना शुरू दें , तो किसी को भी बोर कर सकते हैं। वहीं इस मामले में महिलाएं भी कम नहीं होतीं। वैसे ,चटपटी गॉसिपिंग तो सभी को पसंद होती है और मेरा मानना है कि महिलाएं इसके चटकारे ज्यादा लेती हैं।

सुझाव

काजल लगाते समय अपनाएं ये 5 टिप्स

ठहर जाएंगी सबकी नजरें आप पर

अच्छे आई मेकअप के बगैर आपका लुक कंप्लीट नहीं होगा। आई मेकअप की बात करें तो सबसे पहले बात काजल लगाने की आती है। काजल लगाना भी एक आर्ट है जो सबके बस की बात नहीं। ज्यादातर महिलाएं काजल को साधारण तरीके से ही लगाती हैं। पर इन टिप्स को अपना कर आपके आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

टोनर से साफ करें चेहरा

काजल लगाने से पहले बहुत जरूरी है कि आप अपना चेहरा टोनर से साफ कर लें। इससे त्वचा पर मौजूद तेल साफ हो जाएगा और काजल नहीं फैलेगा। पसीने से बचने के लिए चेहरे और आंखों के आसपास बर्फ भी रगड़ सकती हैं।

काजल को करें सेट

काजल को फैलने से बचाने के लिए उसे सेट कर लें। इसके ब्लैक आईशैडो पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल का आप रोजाना यूज करती हैं तो आंखों के नीचे ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। इससे काजल लंबे समय तक टिका रहेगा।

बाहरी कोनों पर लगाएं पाउडर

लंबे समय तक काजल टिकी रहे इसके लिए अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर अच्छी तरह पाउडर लगाएं। इससे आंखों के बाहरी कोने ड्राई हो जाएंगे। अब काजल लगाएं। काजल लगाने के बाद आइलिड पर जरा सा न्यूट्रल कलर का आईशैडो ब्रश से फैला लें। इससे काजल जल्दी सूख जाएगा और टिका रहेगा।

लॉंग स्टे काजल लगाएं

अगर आंखों की खूबसूरती बरकरार रखनी है तो लंबे समय तक टिके रहने वाले काजल लगाएं। इससे आप जो भी आई मेकअप करेंगी, उसमें आपका लुक निखरकर सामने आएगा। काजल हमेशा अच्छी कंपनी का ही लगाएं।

काजल लगाने के बाद आईशैडो लगाएं

काजल लगाने के बाद वाटर लाइन के बाहर हल्का सा आईशैडो लगाएं। आईशैडो ब्रश से इसे हल्का सा मर्ज कर लें। इससे काजल फैलेगा नहीं और आंखें बहुत खूबसूरत दिखेंगी।

माताओं की नींद उड़ा देता है

निकालें खुद के लिए भी वक्त

मां बनें सुपर मॉम नहीं

दुनिया में एक नई जिंदगी लाने की खुशी अतुलनीय है, लेकिन नई जिंदगी को निखारना-संवारना-सहेजना 24 घंटे की नौकरी जैसा है। इसमें अभिभावक, खासतौर पर नई मां, थककर चूर हो जाती हैं। इसी साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि बच्चा जब रोते, पैर पटकते इस दुनिया में कदम रखता है तो दोनों अभिभावकों, खासतौर पर मां के लिए यह एक मुश्किल भरा दौर होता है।

अध्ययन में पाया गया कि बच्चे के जन्म के बाद दोनों अभिभावकों की नींद की अवधि कम हो जाती है। अध्ययन के मुताबिक, मां तो हर रात एक घंटे की नींद खोती है। यह सिलसिला बच्चे के तीन माह का होने तक चलता रहता है।

फिर वह बच्चे को स्तनपान कराती हो या नहीं कराती हो। इसकी तुलना में पिता की हर रात की 15 मिनट की ही नींद कम होती है। शिशु की देखभाल एक बहुत ही मुश्किल काम है। लेकिन जब आपकी नींद भी पूरी न हो पा रही तो यह चुनौती और बढ़ी लगने लगती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं में कार्डियो वेस्कुलर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है सो अलग।

कुछ चतुराई भरे रचनात्मक विकल्प इन नई मम्मियों को नींद को पूरा करने में और स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप नई मां बनी हैं तो इस बात को समझने की कोशिश कीजिए कि आप बच्चे की नींद के वक्त, अवधि पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं। बच्चों का आधी रात को उठकर रोना और उन्हें भूख लगना, बार-बार पेशाब करना बिलकुल कुदरती प्रक्रिया है। मदद लीजिए और जब आपके भरोसे के लोगों से मिल रही हो तो बेहिचक उसका स्वागत कीजिए। अपने साथी या परिवार के अन्य सदस्यों से बच्चे का कुछ देर खयाल रखने के लिए कहिए ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें।

उपाय

सुबह की हवा खाइए: बच्चे की देखभाल का एक मतलब होता है आप अपना भी खयाल रखें। हमेशा चौकन्ने और सक्रिय रहें। अपने वॉकिंग शूज को आराम का मौका मत दीजिए। सुबह उठकर उन्हें पहनें और सैर के लिए निकल पड़े। कुछ चलिए, कुछ स्ट्रेचिंग कीजिए, सूरज की धूप और सुबह की ताजी हवा का मजा लीजिए। इससे आपको सुकून मिलेगा और तनाव कम होगा।

खुद के लिए वक्त निकालिए: अपनी बेहद पसंदीदा शौक की और लौटिए। बच्चे का खयाल रखते हुए भी आप इसे पूरा कर सकती हैं। अगर आप काम से मातृत्व अवकाश पर हैं तो किसी नए कौशल को सीखने या नई किताबों को पढ़कर खुद को व्यस्त रखिए। निश्चित तौर पर इसका यह मतलब नहीं है कि आपको बहुत खाली वक्त मिल रहा है।

बच्चे के भोजन और डाइपर बदलने में वक्त पंख लगाकर उड़ने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बीच के वक्त में आप खुद के लिए कम से कम 20 मिनट का वक्त तो निकाल ही लीजिए। ऐसा आपको बच्चे के भोजन, नैपी बदलने के बीच कम के कम तीन बार करना चाहिए। वक्त सिर्फ अकेले के लिए।

सोइए जब बच्चा सोए: बच्चा आपकी जरूरतों के मुताबिक एडजस्ट नहीं करेगा, आपको ही उसकी दिनचर्या के साथ तालमेल बिठाना होगा। इसलिए कामकाज की लिस्ट को कुछ देर के लिए परे रख दीजिए। जब बच्चा सो रहा हो तो आप भी नींद ले लीजिए।

15-30 मिनट्स की यह छोटी झपकियां आपको दिनभर तरोताजा रखेंगी। निश्चित ही यह रात के वक्त की आपकी नींद की कीमत पर नहीं किया जाना है। आपका साथी या परिवार का कोई अन्य सदस्य भी डायपर्स बदल सकता है। और अगर आप बिस्तर में जाने से पहले बच्चे को बोतल से दूध पिलाती हैं तो दूसरे भी ऐसा कर सकते हैं।

कैफीन से तौबा कीजिए: कुछ सुस्ताने के लिए कॉफी या चाय का एक गरमा-गरम प्याला एक अच्छा विकल्प लग सकता है। लेकिन बेहतर होगा यदि आप इसे केवल एक कप तक ही सीमित रखें। कॉफी में बहुत ज्यादा मात्रा में कैफीन होता है और कैफीन आपकी नींद उड़ा देता है। कॉफी के अतिरिक्त घूंट आपको आपकी बेशकीमती नींद से वंचित कर सकते हैं।

सेहत

बदलते मौसम में त्वचा की चमक रखेंगे बरकरार लहसुन के ये 5 उपाय

लगभग हर भारतीय रसोई में लहसुन मौजूद होता है। लहसुन के लाभ किसी औषधि से कम नहीं हैं। हालांकि कुछ लोग इसकी तीखी महक की वजह से खाने में इसका इस्तेमाल करने से बचते हैं, जबकि लहसुन में मौजूद कई एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मधुमेह, हृदय रोग, पेट के संक्रमण के साथ त्वचा संबंधी कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। आयुर्वेद में तो त्वचा की रंगत निखारने के लिए लहसुन के हजारों उपयोग बताए गए हैं। लहसुन को अपने ब्यूटी रुटिन का हिस्सा बनाकर आप भी त्वचा और बालों से जुड़ी अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं आइए जानते हैं कैसे।

सौंदर्य निखारने के लिए अपनाएं लहसुन के ये 5 उपाय

- त्वचा में खाज-खुजली, जलन और लाल रैशेज होना आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को आए दिन परेशान करती हैं। अगर आप इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दवा का उपयोग नहीं करना चाहती है तो लहसुन का प्रयोग कर सकती हैं। त्वचा में जहां भी आपको ऐसी समस्या हो रही है, वहां पर लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर लगा लें। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को दूध या मलाई में मिलाकर लगाने से भी त्वचा की हर तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है।

- पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लहसुन का उपाय बेहद कारगर है। इसके लिए आपको सफेद सिरके में लहसुन का पेस्ट डालकर उसे अच्छी तरह से मिलाना है। अब इस पेस्ट को एक्ने पर लगाकर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इसके अलावा एक कच्चे लहसुन की कली चबाएं और एक गिलास ठंडा पानी पी लें। ऐसा करने से आपको काफी लाभ होगा।
- लहसुन का उपाय आपको एंटी एजिंग और झुर्रियों से बचाए रखने में भी मदद करता है। लहसुन में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो झुर्रियों से लड़ने में काफी मदद करते हैं। इससे बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कच्ची कली नियमित रू प से खाकर भी बढ़ती उम्र को जवां रखा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को किसी भी फल के रस या गुलाब जल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से भी झुर्रियां दूर होती हैं।
- लड़कियां ही नहीं लड़के भी कई बार ब्लैकहेड और वाइटहेड की समस्या से परेशान रहते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हफ्ते में 2 बार अपने स्क्रब में लहसुन का पेस्ट या फिर उसका रस मिलाकर स्क्रब करेंगी तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। इसेक अलावा संतरे के छिलके के पाउडर में लहसुन का पेस्ट मिलाकर लगाने से भी ब्लैकहेड और वाइटहेड दूर होते हैं।
- त्वचा के बाद अगर बात बालों की करें तो उनका समय से पहले सफेद होना आजकल हर दूसरे व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे बचने के लिए लहसुन के पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर गर्म कर लें और जब तक धुआं न निकले, गैस बंद न करें। अब इस पेस्ट को ठंडा कर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। सफेद बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, क्षुचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 1824

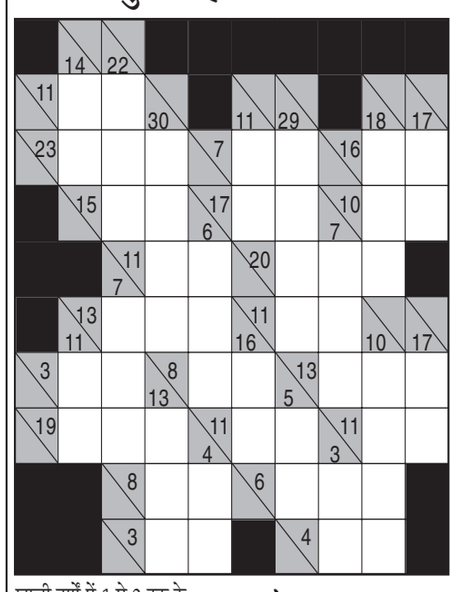

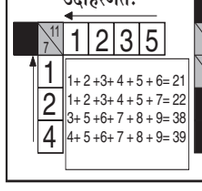

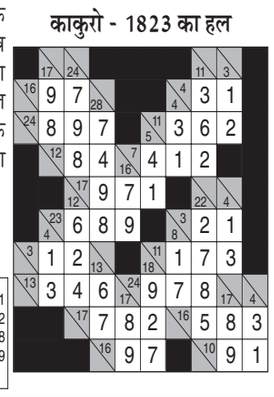

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 1823 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?'

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा- जरा इसे भी साफ कर दो.

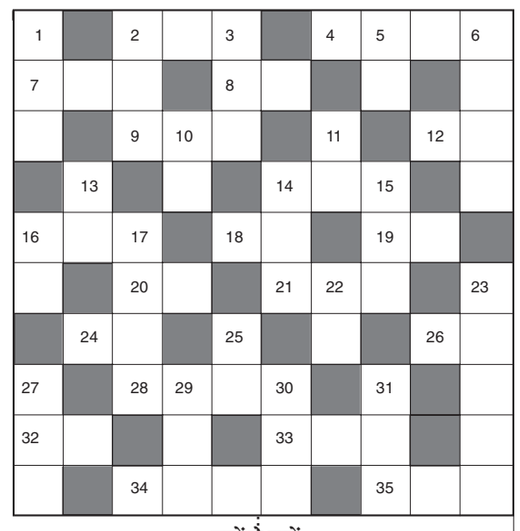

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली - 1824

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1823

सूडोकु -1824

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1823 का हल

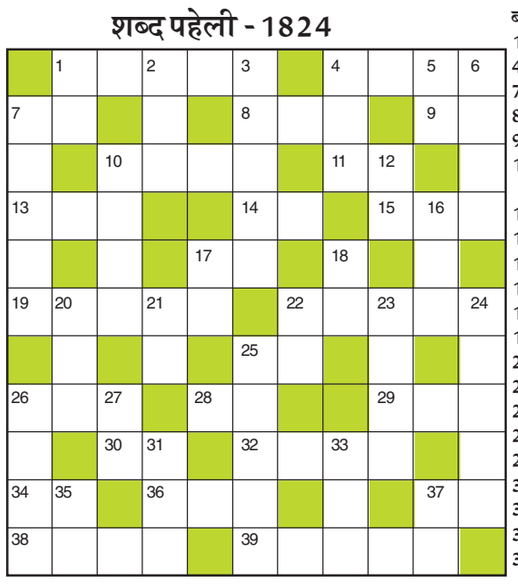

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1824

बाएँ से दाएँ

1. दयालु.उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1823 का हल

निशागांधी नृत्य उत्सव की जोरदार शुरुआत

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। देश के शीर्ष शास्त्रीय नृत्य कार्निवलों में से एक, सप्ताह भर चलने वाला निशागांधी नृत्य महोत्सव शुक्रवार शाम को यहां के हरे-भरे कनककुन्नु पैलेस मैदान में धूमधाम से शुरू हुआ। यह उत्सव केरल पर्यटन द्वारा आयोजित किय जाता है। केरल की स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास मंत्री वीना जॉर्ज ने महोत्सव का उद्घाटन किया।

उन्होंने समारोह दौरान भारतीय शास्त्रीय नृत्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में प्रमुख कथक प्रतिपादक पंडित राजेंद्र गंगानी को प्रतिष्ठित निशागांधी पुरस्कार प्रदान किया। सम्मान में 1 लाख 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह दिया जाता है। सात दिवसीय उत्सव के साथ-साथ सैकड़ों कथकली कलाकारों का एक कथकली मेला भी चल रहा है। हर दिन शाम 5:30 बजे से कनककुन्नु पैलेस के अंदर कार्यक्रम स्थल पर कथकली प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। सुश्री वीना जॉर्ज ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि निशागांधी नृत्य महोत्सव एक ऐसा कार्यक्रम है जो विविधता का जश्न मनाता है। उन्होंने कहा, भारतीय कला और संस्कृति की विविधता का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए केरल पर्यटन श्रेय का पात्र है।'

बस्ती मे सड़क दुर्घटना दो सगे भाइयों समेत चार की मौत

बस्ती । उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के पैकोलिया क्षेत्र में गौर-बभनान मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना मे दो सगे भाइयों समेत चार की मौत हो गयी है। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने शनिवार को बताया कि पैकोलिया थाना क्षेत्र के गौर-बभनान मार्ग पर एक चार पहिया कार तेज रफ्तार से जा रही ट्रैक्टर ट्राली में घुस गयी जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी और उसमें सवार दो सगे भाई मोनू (22), सोमनाथ (24) निवासी ग्राम बाबा बागेश्वर नगर बभनान थाना गौर जनपद बस्ती के अलावा पवन (24) निवासी ग्राम खमहरिया बुजुर्ग थाना छपिया जनपद गोण्डा तथा रोहित (27) निवासी ग्राम इनायत नगर जनपद अयोध्या की मौके पर ही मौत हो गयी है।

गौरव गोगोई ने भाजपा पर लगाया बदनाम करने का आरोप, करेंगे कानूनी कार्रवाई

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने का आरोप लगाया है। गोगोई ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में आज कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप द्वेषपूर्ण और निराधार हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह इन आरोपों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। सांसद गोगोई का यह बयान कांग्रेस और भाजपा के बीच जारी राजनीतिक तनातनी के बीच आया है।

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वैश्विक मंच पर नया इतिहास रचने को तैयार: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वैश्विक मंच पर नया इतिहास रचने को तैयार है। यह एक्सपो ट्रेड, इनोवेशन और रोजगार के अपार अवसर लेकर आया है। गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2025 के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही।कपड़ा मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े टेक्सटाइल एक्सपो में से एक भारत टेक्स 2025 की शुरुआत हो गई है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। भारत टेक्स 2025 की थीमः लचीली वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं और कपड़ा स्थिरता है। 14 से 17 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 70 से अधिक सम्मेलन सत्र आयोजित किए जाएंगे। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 में संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला का प्रदर्शन किया जाएगा।

महाकुम्भ को बदनाम करने वालों पर पुलिस सख्त, 54 सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महाकुम्भ नगर। 'महाकुम्भ 2025' की जहां एक तरफ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तत्व भी कम नहीं है, जो सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें पोस्ट कर के सनातन धर्म के इस सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक समागम को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यूपी पुलिस ऐसे कुत्सित प्रयास करने वालों से सख्ती बरत रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस सोशल मीडिया पर 24X7 पैनी नजर रख रही है। इसी क्रम में पुलिस ने अबतक 54 ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है, जो फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए जनता में अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से कर रहे हैं विश्व का मार्गदर्शन: मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वैश्विक चुनौतियों का समाधान युद्ध में नहीं बुद्ध में'' मानते हैं। सनातन संस्कृति में कई सभ्यताओं के आविर्भाव से पहले ही वसुधैव कुटुम्बकम की बात कही गई थी। प्रधानमंत्री मोदी इसी भाव से विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम कालिदास अकादमी उज्जैन में यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 के तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला को भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय समत्व भवन से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके र कार्यशाला का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास और विश्व के कल्याण में विश्वास रखती है। वर्तमान वैश्विक

परिप्रेक्ष्य में जहाँ युद्ध, आतंकवाद और संघर्ष ने पूरी दुनिया को तनावग्रस्त किया है, ऐसे में यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन शांति, समरसता और मानवता की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए समाधान प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉन्क्लेव के प्रमुख आकर्षणों में महाकालेश्वर जलाभिषेक, पृथ्वी तत्व का आव्हान, पंचमहाभूत आव्हान और विशेष सांस्कृतिक संध्या जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इन अनुष्ठानों से सम्पूर्ण विश्व के बीच एकता और समरसता को प्रकट करने के प्रयास होंगे। कुल 22 देशों के प्रतिनिधि अपने-अपने देशों की नदियों के जल से बाबा महाकाल का अभिषेक करेंगे। यह कॉन्क्लेव भारत की प्राचीन संस्कृति, योग और आध्यात्मिकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह भारत की पॉवर को और अधिक सशक्त करेगा तथा विश्व, भारत की आध्यात्मिक शक्ति से लाभान्वित हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव के सहभागियों से वैश्विक शांति की स्थापना और विश्व में प्रेम, सौहार्द्र तथा सकारात्मकता के प्रसार में हरसंभव योगदान देने संकल्प लेने का आव्हान किया।

जल कलश के माध्यम से हरित महाकुम्भ में सहयोग, 20 हजार से अधिक प्लास्टिक की बोतलें जुटाईं

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के आयोजन में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर कई अनूठे प्रयोग किए गए हैं। इसी कड़ी में जल कलश पहल महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसकी स्थापना अरैल घाट सेक्टर 24 निषाद राज मार्ग में की गई है। जल कलश में कुम्भ क्षेत्र में प्रयोग की गई पानी की बोतलों को इकठ्ठा किया गया है और इन बोतलों को रिसाइकिल करके उपयोग में लाया जायेगा, जिससे प्रकृति में इन प्लास्टिक की बोतलों का दुष्प्रभाव न पड़ सके।अभियान के दौरान 20,000 से अधिक प्लास्टिक की बोतलें एकत्र की गई हैं। नमामि गंगे मिशन के पूर्व महानिदेशक जी अशोक कुमार के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के सहयोग से जल कलश पहल को शुरू किया गया है। जल कलश पहल 1 फरवरी से 20 फरवरी, 2025 तक एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स द्वारा आयोजित 20-दिवसीय अभियान है। स्थानीय स्तर पर आदर्श सेवा समिति व मंगल भूमि फाउंडेशन इस पहल में सहयोग कर रही हैं। जी अशोक कुमार कहते हैं कि महाकुम्भ को हरित महाकुम्भ बनाने की दृष्टि से कुंभ क्षेत्र में उपयोग की गई प्लास्टिक की बोतलों को कलेक्ट करके हमने छोटा सा प्रयास हरित कुम्भ की ओर किया है। इस कुंभ क्षेत्र में जल कलश की स्थापना कर यह संदेश दिया गया है कि मां गंगा की अविरलता और निर्मलता में यह प्लास्टिक बाधा है। इन प्लास्टिक की बोतलों को एक कलश में रखकर यह दर्शाने की कोशिश की गई है।

महाकुम्भ में सनातनियों ने सनातन की ताकत और एकता का नया इतिहास रचा : देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। आस्था, परंपरा और भक्ति की अद्वितीय त्रिवेणी महाकुम्भ 2025 में शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) एवं पश्चिम बंगाल, उड़ीसा एवं तेलंगाना के प्रभारी सुनील बंसल ने आस्था की डुबकी लगाई। तीर्थराज प्रयाग में आगमन पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने प्रदेश सरकार की ओर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन सुनील बंसल का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सपरिवार महाकुम्भ में सम्मिलित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 144 वर्ष बाद महाकुम्भ के दिव्य एवं अद्भुत योग में संगम स्नान करोड़ों सनातनियों के लिए गर्व की अनुभूति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ की व्यवस्था दिव्य, भव्य ही नहीं बल्कि अद्वितीय है। जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार का हार्दिक आभार। सनातन की ताकत और एकता का नया इतिहास करोड़ों सनातनियों द्वारा महाकुम्भ में रचा गया है, जो गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि आस्था के महाकुम्भ को देख कर पूरी दुनिया अचरज में है कि करोड़ों लोगों ने किस तरह त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई।भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने भगवती मां गंगा, मां यमुना एवं अन्तः सलीला सरस्वती की पावन धारा में आस्था की डुबकी लगाकर लोक कल्याण की कामना की। संगम दर्शन किया। उन्होंने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ वैश्विक

मानक स्थापित कर रहा है। 50 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं, यह अपने आप में विश्व कीर्तिमान है। धर्म, संस्कृति और आध्यात्म के महासंगम का यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक धरोहर, एकता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। जहां संस्कृतियों का संगम भी है, श्रद्धा और समरसता का समागम भी है।

अमेरिका से आने वाली फ्लाइट को अमृतसर की बजाए दिल्ली में उतारें: भगवंत मान

एजेंसी

चंडीगढ। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमेरिका से भारतीयों को लेकर आ रहे दूसरे जहाज से पहले केंद्र सरकार के विरूद्ध मोर्चा खोल दिया है। भगवंत मान ने अमेरिका से आने वाली फ्लाइट को अमृतसर में उतारने की बजाए दिल्ली या हिंडन में उतारने की मांग की है।

अमेरिका से आने जा रही दूसरी फ्लाइट शनिवार को भारत पहुंच रही है। इससे पहले भगवंत मान अपने मंत्रियों के साथ अमृतसर पहुंच गए। उन्होंने अमेरिका से आने वाली फ्लाइट का रूट बदलने की मांग करते हुए कहा कि पहली फ्लाइट पांच फरवरी को अमृतसर में उतारी गई थी। अब दूसरी फ्लाइट को भी एक साजिश के तहत अमृतसर भेजा जा रहा है। भगवंत मान ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार बताए कि अमेरिका से आने वाली फ्लाइट के लिए अमृतसर को किस आधार पर चुना गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस समय प्रधानमंत्री मोदी व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बैठक चल रही थी, उस समय अमेरिका की फौज भारतीयों को

अमानवीय यातनाओं के साथ जहाज में चढ़ा रही थी। प्रधानमंत्री बताएं कि उन्होंने यह मुद्दा ट्रंप के सामने क्यों नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि कोलंबिया ने अमेरिका में फंसे अपने नागरिकों को वापस बुलाने के लिए अपना जहाज भेजा था तो भारत सरकार अपना जहाज क्यों नहीं भेज रही है। भगवंत मान ने कहा कि अमेरिका का सैनिक जहां अमृतसर में उतारा जा रहा है, जहां से 40 किलोमीटर दूर पाकिस्तान है। यह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। मान ने कहा कि बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगर हिंडन में उतारा जा सकता है तो भारत के नागरिकों को हिंडन या दिल्ली में क्यों नहीं उतारा जा सकता।

भगवंत मान ने कहा कि वह खुद अमृतसर हवाई अड्डे पर मौजूद रहेंगे। मान ने कहा कि वह केंद्र सरकार के माध्यम से कई बार अमृतसर से अमेरिका के लिए फ्लाइट शुरू करने की मांग कर चुके हैं लेकिन उसे हर बार खारिज कर दिया जाता है। अब अवैध भारतीयों को उतारने के लिए अमेरिका का सरकारी जहाज अमृतसर में उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दूसरा विमान आने से पहले यह साफ करे कि अमृतसर को किस आधार पर चुना गया है।

मप्र के मुख्यमंत्री से मिले यूपी के सीएम योगी, भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य को सराहा

एजेंसी

भोपाल। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देर शाम भोपाल प्रवास के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीएम हाउस कार्यालय समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीएम योगी का पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने उप्र के मख्यमंत्री का अंगवस्त्रम ओ?ाकर व राजाभोज की प्रतिमा भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निवास कार्यालय कक्ष से यूपी मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल की बड़ी झील (भोजताल) की सांध्यकालीन अनुपम छटा को तन्मयता से निहारा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल की पहचान ब?ी झील सदियों पुरानी है। यहां के तत्कालीन शासकों ने उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर इसे जल संग्रहण के

लिए निर्मित कराया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने मध्य प्रदेश में होने वाले सिंहस्थ की चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें अवगत कराया कि वर्ष 2028 में उज्जैन शहर में सिंहस्थ का भव्य आयोजन होगा। सिहंस्थ आयोजन के प्रबंधों को और अधिक बेहतर बनाने के लिए वर्तमान में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए हमने मध्य प्रदेश से अधिकारियों का दल भी प्रयागराज भेजा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल सिंह की शादी में शामिल होने के लिए भोपाल आए हैं। कुणाल की शादी शुक्रवार की रात भोपाल के डॉक्टर इंद्रमल जैन की पोती और संदीप जैन की बेटी रिद्धि से नीलबड़ इलाके में वाना ग्रीन होटल में हो रही है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनख? भी इस शादी में शामिल हुए हैं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शाम भोपाल पहुंचे। यहां राजाभोज विमानतल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी अगवानी की। उन्होंने उप राष्ट्रपति को अंगवस्त्रम् ओडाकर स्वागत अभिनंदन किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भी उप राष्ट्रपति का स्वागत किया।

कुपवाड़ा में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियार और गोला-बारूद किया बरामद

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। सेना ने 'एक्स' पर एक ट्वीट में कहा कि 14 फरवरी को विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर बांदी मोहल्ला, चन्नीपुरा पेन के सामान्य क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान के दौरान दो पिस्तौल, चार पिस्तौल मैगजीन और अन्य गोला-बारूद बरामद किया गया है। सेना ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट में कहा , 'अभियान जारी है।'

महाकुम्भ में सनातन धर्म का विराट दर्शन, श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ पार

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुम्भ 2025' अब इतिहास रच चुका है। यहां अबतक पचास करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है।

50 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। इस विराट समागम का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया में केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले लोगों की संख्या से अधिक है। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है। यूएस सेंसस ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया के 200 से अधिक राष्ट्रों में जनसंख्या के दृष्टिकोण से टॉप 10 देशों में क्रमशः भारत (1,41,93,16,933), चीन (1,40,71,81,209), अमेरिका (34,20,34,432), इंडोनेशिया (28,35,87,097), पाकिस्तान (25,70,47,044), नाइजीरिया (24,27,94,751), ब्राजील (22,13,59,387), बांग्लादेश (17,01,83,916), रूस (14,01,34,279) और मैक्सिको (13,17,41,347) शामिल हैं। वहीं महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की अबतक की संख्या (50 करोड़ पार) को देखा जाए तो केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं से अधिक है। जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको की जनसंख्या भी इससे कहीं पीछे है। ये दिखाता है कि महाकुम्भ अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह सनातन धर्म के विराट स्वरूप का प्रतीक बन चुका है। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी।

सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था।

यूसीसी का क्रियान्वयन संविधान की सर्वोच्चता को खत्म करने का प्रयास : अरशद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के खिलाफ जमीअत उलमा-ए-हिंद की ओर से उत्तराखंड हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका पर जमीअत अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने अदालत में आज के कानूनी घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में धर्मनिरपेक्ष संविधान के अस्तित्व के बावजूद जिस तरह से यह कानून लाया गया है, वह पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रह का प्रकटीकरण है। मदनी ने कहा कि संविधान के कुछ प्रावधानों का हवाला देकर जिस तरह से जनजातियों को इस कानून से अलग रखा गया है, वह इस बात का प्रमाण है कि यह कानून मुसलमानों की सामाजिक और धार्मिक पहचान को

कमजोर और नष्ट करने के उद्देश्य से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान में अल्पसंख्यकों को विशेष अधिकार भी दिए गए हैं, लेकिन उनका ध्यान नहीं रखा गया है। इतना ही नहीं, संविधान में आम नागरिकों को भी मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। इसलिए यह कानून नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है। मौलाना मदनी ने कहा कि आज की शुरुआती सुनवाई में हमारे वकील ने जो बिंदु अदालत के सामने रखे वह बहुत ही संतोषजनक हैं। कुछ न्यायप्रिय दूसरे समुदाय के लोगों ने भी इसके खिलाफ याचिकाएं दायर की हैं, जिसमें उन्होंने भी भेदभाव, पूर्वाग्रह और मौलिक अधिकारों का मुद्दा उठाया है। इसलिए हमें उम्मीद है कि एक अप्रैल को इस पर न केवल सकारात्मक चर्चा होगी बल्कि अदालत इस पर स्टे दे देगी।

कोलकाता में तीन श्रमिकों की मौत का एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, नोटिस जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने कोलकाता में तीन निर्माण श्रमिकों की मौत का स्वतः संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2 फरवरी को कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स में सीवर जोड़ की मरम्मत के लिए 10 फुट गहरे मैनहोल

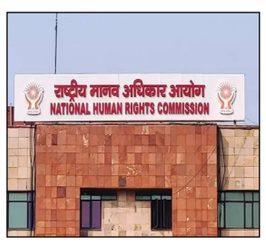

में प्रवेश करते समय जहरीली गैसों के कारण तीन निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई। उन्हें कोलकाता मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (केएमडीए) के तहत एक ड्रेनेज नेटवर्क के एक हिस्से का नवीनीकरण करने के लिए एक ठेकेदार द्वारा तैनात किया गया था। आयोग का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीवर आदि की सफाई के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करना स्थानीय अधिकारियों और अन्य एजेंसियों का कर्तव्य है। साथ ही आयोग लगातार पर्याप्त और उचित सुरक्षात्मक/सुरक्षा गियर या उपकरण के बिना खतरनाक सफाई की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की वकालत करता रहा है ।

भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है : नित्यानंद राय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित चौथे नो मनी फॉर टेरर (एनएमएफटी) सम्मेलन में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देशों के बीच एकता आवश्यक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में वैश्विक समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है।

गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि सम्मेलन में चार उप-विषय बहुपक्षीय सहयोग, आतंकवाद के लिए वित्तपोषण के तरीके, वित्तीय समावेशन और जोखिम आधारित दृष्टिकोण और आतंकवादी वित्तपोषण और संगठित अपराध थे। केंद्रीय गृह

राज्य मंत्री ने सिंगापुर और तुर्की के गण्यमान्य व्यक्तियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सम्मेलन में चिंता जताते हुए कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण में धन के प्रवाह के संदर्भ में सीमा पार संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। नई डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विकास के कारण आतंकवादियों द्वारा परिसंपत्तियों के प्रवाह के लिए उपयोग किए जाने वाले स्रोत, तरीके और चैनल तेजी से जटिल होते जा रहे हैं।

उन्होंने इसे वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने और जोखिमों की साझा समझ विकसित करने तथा नई दिल्ली में आयोजित एनएमएफटी सम्मेलन 2022 की चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी बहुपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दे पर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए जर्मन सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

नित्यानंद राय ने एनएमएफटी सम्मेलन की पहल की सराहना की और भारत में एनएमएफटी सचिवालय की स्थापना करके एनएमएफटी की इस अनूठी पहल के स्थायित्व की आवश्यकता व्यक्त की, जिसका विचार नई दिल्ली में आयोजित एनएमएफटी सम्मेलन 2022 में भी रखा गया था, ताकि आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने पर निरंतर वैश्विक ध्यान केंद्रित किया जा सके।

कपड़े पर लगे आयरन के दाग को हटाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

जब भी हम जल्दबाजी में अपने कपड़े आयरन करते है तो कभी-कभी प्रेस इनती ज्यादा गरम हो जाती है कि हमारे कपड़े सड़ जाते है। ऐसे में हम प्रेस के दाग को हटाने की बहुत कोशिश करते है पर यह दाग धोने के बाद गहरे हो जाते हैं जो कि धुलाई से भी नहीं जाते।अगर यह दाग सफेद कपड़े पर लग जाए तो उन्हें छुड़वाना बहुत ही मुसकिल हो जाता है। आज हम आपको बताएगे कि कैसे आप इनसे कपड़ो के दाग निकाल सकती है।

1. सिरका

अगर आप के सफेद कपड़ों पर दाग लगा हो या पीला पड़ गया है तो उनहें हटाने के लिए कपड़े को धोने के बाद एक बाल्टी में गरम पानी सें और उसी में एक चम्मच सिरका मिलाकर उस कपड़े को फिर से धोएं। ऐसी करने से सफेद कपड़ों का पीलापन दूर हो जाता है।

2. नमक

नमक हर घर में पाया जाता है। आप इसका इसतेमाल कपड़ो के दाग और पीला पर दूर करने कि लिए अपना सकते है। इसके लिए आप गर्म पानी में नमक को मिला कर कपड़े को 10-20 सेकेंड के लिए भिगो दें। ऐसा करने से दाग बहुत ही जल्द गायब हो जाते है।

3. सर्फ

कपड़ो के दाग को हटाने के लिए ब्लीच का उपयोग न करें। इसकी जगह पर आप अच्छी क्वालिटी के सर्फ का इस्तमाल कर सकते है।

4. कपड़े को जमीन पर फैलाना

अगर आपके कपड़े पर आयरन से दाग लग गया है तो कपड़े को जमीन पर फैला कर सफेद सिरका और नमक को छिड़का कर रगड़ें। रगड़ने के बाद इसे 5 मिनट तक धोड़ दें और फिर पानी में डुबो कर दाग छुड़ा कर साफ कर लें।

5. नींबू और काला नमक

कपड़ो पर लगे दागों को आसानी से छुड़वाने के लिए नींबू और काला नमक डाल कर रगड़े।

6. बेकिंग सोडा

पानी की आधी बाल्टी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर उसमें कपड़ों को 15 मिनट के लिए भिगो दें। बाद में कपड़ो को निकाल कर साबुन या सर्फ से साफ कर लें।

7. कपड़े ड्रायर से न सुखाएं

अगर कपड़े पर आयरन के दाग लगे है तो कभी भी ड्रायर से न सुखाएं। ड्रायर का साथ कपड़े सुखाने से लगे दाग और भी गहरे हो जाते है।

डिशवॉशर से कभी न साफ करें ये चीजें, नहीं तो...

डिश सोप हर घर में पाया जाता हैं। इसका इस्तेमाल बर्तनों को धोने के लिए किया जाता है। पर कुछ लोग इसे बहुत सी ऐसी चीजों को धोने के लिए उपयोग करते हैं जो कि उन चीजों की चमक खत्म कर देता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताएगें जिनहें डिशवॉशर से कभी नही साफ करना चाहिए। तो आइए जानते है उन चीजों के बारे में...

1. कार को डिश सोप से ना धोएं

अगर आपकी कार बहुत गंदी है और आप उसे धोना चाहते है तो आपको बता दें कि इसे कभी भी डिश सोप से न धोएं क्योंकि इससे आपकी कार का रंग धीरे-धीरे से फेड हो कर निकल जाएगा। ऐसे में आप कार को वाश करने के लिए शैंपू का उपयोग कर सकते है।

2. डिश सोप से कपड़े न धोएं

हम सब यह तो जानते है कि जब कपड़ों पर दांग लग

जाते है उनहें आसानी ले नही छुड़ाया जा सकता। ऐसे में इन दांगों को हटाने के लिए कठोर डिटर्जेंट की जरुरत होती है। कुछ लोग दागों को हटाने के लिए बर्तन धोने वाले डिश सोप का इस्तेमाल कर लेते है। पर यह कपड़ों को धोने के लिए काफी हल्का होता है। इसे आप सिर्फ गिलास, प्लास्टिक और मेटल की चीजें ही धो सकते है।

3. डिश सोप से कभी हाथ ना धोएं

कभी-कभी ज्यगबाजी में हम सभी बर्तन धोने वाले डिश सोप से ही हाथ धों लेते हैं। पर हमें इसे हाथ नही धोंने चाहिएं क्योंकि यह सोप हमारे हाथों की खूबसूरती को और हमारे हाथों की कोमल स्किन को खराब देते हैं।

4. लेदर की चीजें

आजकल देखा गया है कि हर किसी के घर में सोफे पर लेदर कवर चाड़े होते हैं क्योंकि इन पर दांग लगने पर आसानी से साफ किया जा सकता है। ऐसे में अगर सोफे पर कुछ गिर भी जाए तो उनहें कभी भी बर्तन धोने वाले डिश सोप से न धोएं। लेदर को इससे साफ करने से इसकी चमक खो जाती है।

5. डिशवॉशर

डिशवॉशर काफी हल्का होता है और इसकी झाग ज्यादा होती हैं। इससे कपड़ें अच्छें सो नही धूल पाते इसीलिए इसका उपयोग बर्तनो को साफ करने के लिए ही करें।

वास्तु दोष को दूर करना चाहते है तो घर में रखें मछली का एक्वेरियम

कई बार घर में पैसे और अन्य किस्म की सारी सुविधाएं होने के बावजूद भी क्लेश खत्म नहीं होता। इसके पीछे की वजह वास्तुदोष हो सकता है हालांकि वास्तुशास्त्र पर कुछ लोग यकीन करते हैं तो कुछ नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि मछली का एक्वेरियम भी वास्तु दोष का कारण बन सकता है। आपके घर में जो भी मछली घर हो, उसमें नौ मछलियां रखनी चाहिए न कि आठ। एक्वेरियम को रखने की जगह भी उचित होनी चाहिए। मछलियों को बार-बार एक से दूसरी जगह पर नहीं रखना चाहिए और उन्हे सिर्फ एक ही व्यक्ति के द्वारा भोजन देना चाहिए। मछली के टैंक या जार को बिल्कुल साफ रखना चाहिए। फिल्टर्स, एरिएशन आदि बिल्कुल सही तरीके से चलने चाहिए। अगर आप अपने फिश एक्वेरियम को अच्छा और रंगीन रखना चाहते है तो उसमें कुछ प्रकार के आर्टिफिशियल प्लांट भी लगा सकते हैं। वास्तु दोष का कारण ये एक्वेरियम आसानी से बन सकते हैं। इसलिए अगर आपको ये दोष दूर करने हैं तो आपको निम्न बातों पर विशेष रखना चाहिए।

1. बुरी नजर से दूर रखें

कहते है कि घर में मछली को रखना शगुन होता है क्योंकि मछलियां घर को बुरी नजर से दूर रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर आपके द्वारा पाली गई मछलियां प्राकृतिक मृत्यु मरती हैं तो आपके घर या ऑफिस की भी समस्याएं खतम हो जाती हैं।

2. सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मछलियों का पालन करने से घर और कार्यालय में काफी ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जब आप थके हुए होते हैं तो उस समय इन मछलियों को देखे। ऐसी करने से आपके दिमाग को आराम मिलता है और एक सुकून भरा वातावरण बन जाता है।

3. घर या ऑफिस में वास्तु दोष

अगर आपको लगता है कि आपके घर या ऑफिस में परेशानियां आ रही हैं तो इसका मतलब है कि वास्तु दोष है। अगर है तो इसे मिटाने के लिए उस जगह पर फिश एक्वेरियम रखें। इससे समस्याएं भी सुलझेंगी और पैसा भी खूब आएगा। मछलियों को दाना देने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

4. वातावरण खुशनुमा रहता है

मछलियां बहुत एक्टिव होती हैं, जो हमें प्रोत्साहित करती हैं और हमारे अंदर उमंग भर देती हैं। एक्वेरियम रखने से पूरे घर का वातावरण खुशनुमा रहता है। ऐसे बुरी ऊर्जा का संचार नहीं होता है और रंगीन मछलियां आकर्षित करती हैं।

5. मछलियों को घर में रखने से ऊर्जा आती है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक फिश टैंक में ढेर सारा पानी भरा जाता है जो भार को सही तरीके से बैलेंस करता है। भार को बैलेंस करन के लिए फिश टैंक को हॉल या वरांडा साउथ वेस्ट कोने में रख जाना चाहिए। जिससे घर में आने वाले हर इंसान की नजर उस पर पडे। चीनी फेंग शुई के मुताबिक, मछलियों को घर में रखने से ची नामक ऊर्जा आती है जो धन और स्वास्थ्य को बढाती है।

रूम को यूनिक लुक देना चाहते है तो करें इन वॉलपेपर की सलेक्शन

हर कोई चाहता है कि उनका घर सुंदर दिखे। ऐसे में आजकल हर कोई अपने घर के इंटीरियर सजावट की और बहुत ज्यादा ध्यान दें रहे हैं। अगर आप भी स्वीड होम को मेकओवर करना चाहती हैं, तो दीवारों का कलर बदलने के साथ ही कुछ अलग वॉल डेकोर के लिए वॉलपेपर्स का यूज करें। इससे आप अपने आशियाने को यूनिक लुक देकर खूबसूरत बना सकती हैं। वैसे तो मार्केट में बहुत से वॉलपेपर्स उपलब्ध होते हैं, लेकिन आप अपने कमरे की स्पेप और अपनी पसंद, दोनों को देखते हुए इनका चुनाव करें। ऐसा करके आप घर को कन्टेम्पेरी, डिजाइनर लुक देने के साथ-साथ अपने मॉनी भी बचा सकती हैं। आइए जानतो है कैसे...

1. विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स

आप अपने बेडरूम या लिविंग रूम को यूनिक लुक देने के लिए ट्रेडिशनल वॉलपेपर विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स में से कोई भी कलर, डिजाइन, पसंदीदा चित्रों वाले वॉलपेपर्स को ट्राई कर सकती हैं। इन जगहों पर वॉलपेपर सलेक्ट करते हुए सिर्फ आपकी पसंद ही जरूरी है।

2. टेक्सचर्ड वॉलपेपर

टेक्सचर्ड वॉलपेपर से मिलता है नैचुरल लुक भी इन दिनों खूब पसंद किए जा रहे हैं, क्योंकि ये नैचुरल दिखते हैं। इनमें वुड, ब्रीक जैसे कई प्राकृतिक टेक्सचर उपलब्ध हैं। ओरिजनल लुक वजह से इनकी मांग बहुत तेजी से बढ रही है।

3. मेटैलिक वॉपेसर्स

आज की जेनरेशन को ध्यान में रखकर इस तरह के वॉलपपर्स लॉन्च किए गए है। इनका मेटैलिक कलर व इफे क्ट लोगो द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है।

4. बेस्ट क्लालिटी वाले वॉशेबल वॉपेसर्स

इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस भी तरह का वॉलपेपर पसंद कर रहें है वह वॉशेबल है या नही। वॉशेबल वॉलपेपर्स लम्बे समय तक सुंदर दिखते हैं, क्योंकि उन्हें किसी भी माइल्ड साबुन पानी व गीले कपडे से साफ कर नया जैसा बनाया जा सकता है।

डी. गुकेश फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में आठवें स्थान पर रहे

एजेंसी

हैम्बर्ग। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अपना अभियान आठवें स्थान पर समाप्त किया। उन्हें सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच के दूसरे गेम में ईरानी-फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरजा फिरोजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ गुकेश टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सके। गुरुवार को पहले गेम में फिरोजा के खिलाफ ड्रा करने के लिए गुकेश ने प्रभावशाली वापसी की थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि वह सफेद मोहरों से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, खेले गए 30 चालों में समाप्त हुए निर्णायक मुकाबले में वह हार गए। फिरोजा ने अंतिम गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और मौकों का पूरा लाभ उठाते हुए जीत हासिल की।इस बीच, जर्मनी के विंसेंट कीमर ने टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीतकर सभी को चौंका दिया। उन्हें टूर्नामेंट से पहले एक नौसिखिया माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों को मात देते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी यह जीत शतरंज जगत में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

दिल्ली की मीनू पाठक ने चौंकाया, वरुण तोमर जीते

नई दिल्ली। दिल्ली की मीनू पाठक ने राइफल/पिस्टल राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 (ग्रुप ए) के समापन दिवस पर सबसे बड़ा उलटफेर किया, जब उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टी 2 मुकाबला जीतते हुए प्रमुख नामों को पछाड़ दिया। उन्होंने फाइनल में 243.1 स्कोर किए। दिन के दूसरे विजेता सेना के वरुण तोमर रहे, जिन्होंने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टी2 फाइनल में 239.8 का स्कोर किया और पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिंह को 1.9 अंकों के अंतर से हराया। दिन की दो अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं में, हरियाणा की उभरती निशानेबाज सुरुचि फोगाट को पिछले वर्ष दिसंबर के बाद पहली बार हार का सामना करना पड़ा, जबकि पूर्व विश्व नंबर एक सौरभ चौधरी ने पोडियम फिनिश दर्ज किया। पिछले तीन महीनों में उनके प्रदर्शन ने सुरुचि को भारतीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है, जबकि सौरभ शीर्ष स्थान पर काबिज हो गए हैं। महिलाओं का मुकाबला सुबह शुरू हुआ, जहां सुरुचि राव ने क्वालीफिकेशन दौर में 585 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। सुरुचि ने 582 के स्कोर के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर 580 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल में जगह बनाने वाली अन्य निशानेबाजों में ओलंपियन रिदम सांगवान और ईशा सिंह शामिल थीं, जबकि मीनू ने 576 के साधारण स्कोर के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

दिल्ली ओपन 2025 : पूनाचा और लॉक डबल्स फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के निकी कलियंडा पूनाचा और जिम्बाब्वे के कोर्टनी जॉन लॉक ने डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में जारी तीसरी वरीयता प्राप्त जे क्लार्क और जोहान्स इंगिल्डसन को 6-2, 7(7)-6(1) से हराकर दिल्ली ओपन 2025 के डबल्स इवेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेट में दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में क्लार्क और इंगिल्डसन ने चुनौती पेश की, जिससे टाईब्रेकर की नौबत आ गई। हालांकि, पूनाचा और लॉक ने एक घंटे 24 मिनट में मैच को अपने नाम कर लिया। अखिल भारतीय टेनिस संघ और दिल्ली लॉन टेनिस संघ द्वारा आयोजित, दिल्ली ओपन 2025 एक एटीपी चैलेंजर 75 टूर्नामेंट है जो हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है और इसकी पुरस्कार राशि 100,000 अमेरिकी डॉलर है। साथ ही एकल टूर्नामेंट के विजेता को 75 महत्वपूर्ण एटीपी अंक भी मिलते हैं। पूनाचा और लॉक अब खिताब के लिए गैर-वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी, मासामिची इमामुरा और रियो नोगुची के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिन्होंने हाइनेक बार्टन और विट कोप्रिवा के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। पहला सेट 1-6 से हारने के बाद, इमामुरा और नोगुची ने दूसरा सेट 6-4 से जीतने के लिए वापसी की और फिर 12-10 के रोमांचक अंतिम सेट में जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। एकल क्वार्टर फाइनल में प्रशंसकों के लिए भरपूर एक्शन देखने को मिला, जिसमें सभी चार मैच 90 मिनट से अधिक समय तक चले।

भारतीय सेना ने क्रिकेट टूर्नामेंट की आयोजित

राजौरी। भारतीय सेना ने गंबीर मुगलान में ह्झ प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। लगभग दो महीने तक चले इस रोमांचक क्रिकेट टूर्नामेंट ने क्षेत्र में उत्साह और उमंग भर दिया। फाइनल मैच में राइजिंग स्टार्स बावली और चंडियाल वारियर्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जोशीले मुकाबले के बाद राइजिंग स्टार्स बावली ने जीत हासिल की और चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें विजेता, उपविजेता और टूर्नामेंट के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए गए।इस कार्यक्रम का उत्साही भीड़ ने जोरदार स्वागत किया। फाइनल देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी एकत्र हुए और टूर्नामेंट के आयोजन में भारतीय सेना के प्रयासों की प्रशंसा की। इस पहल ने युवा क्रिकेटरों को खेल भावना और एकता को बढ़ावा देते हुए अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा। ऋचा घोष (नाबाद 64) और एलिस पेरी (57) तूफानी अर्धशतकीय पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वूमेंस प्रीमियर लीग के उद्घाटन मुकाबले में गुजरात जायंट्स को नौ गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 202 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान स्मृति मंधाना (नौ) और डेनियल वायट (चार) रन बनाकर आउट हुईं। दोनों ही बल्लेबाजों को एश्ली गार्डनर ने आउट किया। इसके बाद एलिस पेरी और राघवी बिष्ट की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई। 11वें ओवर में डिएंड्रा डॉटिन ने राघवी बिष्ट (25) का आउट कर आरसीबी को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में सायली सातघरे ने एलिस पेरी को आउटकर गुजरात जायंट्स को चौथा झटका दिया। एलिस पेरी ने 34 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ऋचा घोष और कनिका आहूजा ने आरसीबी की पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। आरसीबी ने 18.3 ओवर में

चार विकेट पर 202 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऋचा घोष ने 27 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 64) रनों की पारी खेली। कनिका आहूजा ने 13 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 30) रन बनाये। गुजरात की ओर से एश्ली गार्डनर ने दो विकेट लिये। डिएंड्रा डॉटिन और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की बेथ मूनी और लॉरा वुलफार्ट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। लॉरा वुलफार्ट (छह) को बोल्ड कर रेणुका ने आरसीबी को पहली सफलता दिलाई। दयालन हेमलता (चार) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान एश्ली गार्डनर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बेथ मूनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 46रन जोड़े। बेथ मूनी तीसरे विकेट के रूप में 42 गेंदों में (56) रन बनाकर आउट हुई। डिएंड्रा डॉटिन ने 13 गेंदों में (25) रन बनाये। सिमरन शेख (11) रन बनाकर आउट हुई। एश्ली गार्डनर ने 37 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 79) रन बनाये। गुजरात जायंट्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से रेणुका सिंह ने दो विकेट लिये। कनिका आहूजा, जॉर्जिया वेयरहम और प्रमिला रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राष्ट्रीय खेल 2025 : सर्विसेज़ ने हासिल किया शीर्ष स्थान, मेजबान उत्तराखंड सातवें स्थान पर रहा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 का सफल समापन 14 फरवरी को हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) सहित विभिन्न टीमों ने भाग लिया। 26 जनवरी को आरंभ हुआ यह खेल आयोजन देशभर के खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का केंद्र बना।

सर्विसेज़ ने पदक तालिका में मारी बाज़ी

सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (सर्विसेज़) ने 121 पदकों (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र ने कुल 201 पदक (54 स्वर्ण, 71 रजत, 76 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा ने 153 पदक (48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य) के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।मेज़बान उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में सातवाँ स्थान प्राप्त किया। हालांकि, नागालैंड, पुडुचेरी और सिक्किम इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। इस आयोजन ने खेल प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेशनल यूनाइटेड ने यूनाइटेड भारत को हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। युमनाम गोपी सिंह के दो गोलों की मदद से नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब ने यूनाइटेड भारत फुटबाल क्लब को 3-1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में रोमांचक मुकाबले में हिन्दुस्तान फुटबाल क्लब ने अंक तालिका में अव्वल चल रहे सीआईएसएफ प्रोटैक्टर को 2-2 पर रोक कर अच्छा पाठ पढ़ाया। हिंदुस्तान के लिए रोनाल्डो सिंह और मांगोलेन ने गोल किए। सीआई एस एफ को बचाने में हिंदुस्तान के लाइशराम का आत्मघाती गोल काम आया। अंततः भोला सिंह ने बराबरी का गोल जमा कर अपनी टीम की साख बचा ली। नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए पहले मैच में नेशनल के लिए सोराईसम ने दसवें मिनट में बढ़त दिलाने वाला गोल किया जिसे यूनाइटेड

भारत के मोहम्मद फजल ने बराबर कर दिया। गोपी सिंह ने अंतिम बीस मिनट में दो गोल जमा कर नेशनस्ल की जीत को आसान बनाया। आज के नतीजे से डीपीएल में निचले पायदान पर खड़े यूनाइटेड भारत का नीचे लुढ़कना लगभग तय हो गया है। आज के मुकाबले से सीआईएसएफ की कमजोरी उभर कर आई है। लगभग सभी मैचों में दमदार प्रदर्शन करने वाले फोर्स के खिलाड़ियों को हिंदुस्तान एफसी ने अपने जाल में फंसा लिया था लेकिन मुकाबला जैसे तैसे बराबरी पर छूटा।

राष्ट्रीय खेलों में रिलायंस फाउंडेशन के एथलीटों ने रचा इतिहास, 20 स्वर्ण सहित 43 पदक जीते

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय खेलों में रिलायंस फाउंडेशन के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदक हासिल किए हैं। इनमें 20 स्वर्ण, 16 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। एथलेटिक्स में रिलायंस फाउंडेशन के एथलीटों ने झंडे गाड़ दिए और कुल 21 पदक अपने नाम किए। 100 मीटर, 200 मीटर और 4म100 मीटर रिले में तीन स्वर्ण पदक जीतकर अनिमेष कुजूर स्टार खिलाड़ी बनकर उभरे। ज्योति याराजी ने स्वर्ण जीतने का सिलसिला जारी रखते हुए 100 मीटर बाधा दौड़ और 200 मीटर स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस शिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण जीतकर पदकों की संख्या में इजाफा किया। ज्योति और तेजस दोनों ने पिछले तीन राष्ट्रीय खेलों में लगातार स्वर्ण पदक जीता है। सावन ने भी 5000 मीटर और 10000 मीटर में स्वर्ण पदक दिलवाए, किरण म्हात्रे ने 10000 मीटर रजत पदक जीता। इसके साथ ही किरण ने 2025 में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। रिलायंस फाउंडेशन हाई परफॉरमेंस सेंटर, ओडिशा के हेड कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा, रिलायंस फाउंडेशन के एथलीटों के लिए यह एक बहुत ही सफल राष्ट्रीय खेल रहा। हमने अकेले एथलेटिक्स में सात व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए और कई नए मीट रिकॉर्ड बनाए। हमारे एथलेटिक्स दल ने 12 स्वर्ण पदक जीते, हमें उम्मीद है कि इससे उन्हें आने वाले सीज़न के लिए आत्मविश्वास मिलेगा। मौमिता मंडल ने लंबी कूद में स्वर्ण और 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। साथियन ज्ञानसेकरन ने टेबल टेनिस पुरुष युगल में स्वर्ण, पुरुष एकल में रजत और पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक दिलवाया। गनीमत सेखों ने स्कीट में स्वर्ण पदक जीता, क्वालीफिकेशन राउंड में 124 के स्कोर के साथ उन्होंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। अनुभवी निशानेबाज गुरप्रीत सिंह ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में रजत और 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। नीरज कुमार ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पलक गुलिया ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में रजत पदक जीता। आशी चौकसे ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा।

वेल्लालगे,फर्नांडो, हसरंगा का कहर, श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 174 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

एजेंसी

कोलंबो। कुसल मेंडिस (101) की शतकीय, कप्तान चरित असलंका (नाबाद 78) और निशान मदुश्का (51) की अर्धशतकीय पारियों के बाद दुनित वेल्लालगे (चार विकेट) तथा असिता फर्नांडो, और वानिंदु हसरंगा (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय मैच ऑस्ट्रेलिया को रिकार्ड 174 रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने दो मैचों की एकदिवसीय सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली हैं।

282 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 33 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। मैथ्?यू शॉर्ट (दो), जेक फ्रेजर-मक्गर्क (नौ) और ट्रैविस हेड (18) रन बनाकर आउट हुये। तीनों ही बल्लेबाजों को असिता फर्नांडो ने आउट किया। इसके बाद कप्तान स्टीव स्मिथ और जॉश इंग्लिस ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। 15वें ओवर में दुनित वेल्लालगे ने जॉश इंग्लिस (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। ऐरन हार्डी (शून्य), ग्लेन मैक्सवेल (एक), शॉन ऐबट (दो) और बेन ड्वारश्विस (नौ) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया का 10वां विकेट ऐडम जम्पा (आठ) रन के रूप में गिरा। उन्हें वेल्लालगे ने बोल्ड आउट किया। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 24.2 ओवर में 107 रन पर समेटकर मुकाबला 174 रनों से जीत लिया। यह एशिया में ऑस्ट्रेलिया का न्यूनतमम एकदिवसीय स्कोर है। श्रीलंका की ओर से दुनित वेल्लालगे ने चार विकेट लिये। असिता फर्नांडो, और वानिंदु हसरंगा को तीन-तीन विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने छठे ही ओवर में 15 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका (छह) का विकेट गवां दिया। उन्हें ऐरन हार्डी ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कुसल मेंडिस ने निशान मदुश्का के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी हुई। 25वें ओवर में बेन ड्वारश्विस ने निशान मदुश्का (51) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद ऐडम जम्पा ने कुसल मेंडिस को मैथ्यू शॉर्ट के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। कुसल मेंडिस ने 115 गेंदों में 15 चौके लगाते हुए (101) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। कामिंडु मेंडिस (चार) को शॉन ऐबट ने बोल्ड आउट किया।

कप्तान चरित असलंका और जनित लियानगे ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के लिए 281 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया। चरित असलंका ने 65 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 78) और जनित लियानगे 21 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से (नाबाद 32) रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए बेन ड्वारश्विस,ऐरन हार्डी, शॉन ऐबट और ऐडम जम्पा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज सोनी बेकर को विकास अनुबंध दिया

एजेंसी

लंदन। हैम्पशायर के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा इंग्लिश पुरुष टीम का विकास अनुबंध प्रदान किया गया है। उन्होंने लायंस के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर यह अवसर अर्जित किया।

इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी बेकर, सर्दियों में हैम्पशायर में शामिल होने से पहले समरसेट के लिए खेलते थे। उन्हें इंग्लैंड लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बुलाया गया था, जहाँ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और अंतिम दौरे के मैच में 60 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ऊ्रुढ्ढ के खिलाफ़ 71 रन देकर 5 विकेट लेना भी शामिल था। इस शानदार प्रदर्शन ने लायंस के मुख्य कोच एंड्रयू फ़्लिंटॉफ़ को प्रभावित किया, जिसके बाद ईसीबी ने उन्हें सितंबर तक अनुबंधित कर लिया। फ्लिंटॉफ ने कहा, सर्दियों में सोनी को उभरते हुए देखना बहुत खुशी की बात है। मैं और वह चरित्र और व्यक्तित्व में बहुत अलग हैं, लेकिन थ्री लॉयन्स पहनने में उन्हें जो गर्व महसूस होता है, हर गेंद पर जो ऊर्जा लाते हैं और पिच पर जो नाटक और जादू करते हैं, उसे देखना बेहद प्रेरणादायक है। उनके खेल के प्रति व्यावसायिकता और समर्पण सभी खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। सोनी का भविष्य उज्ज्वल है और हम आने वाले वर्षों में उनके और हैम्पशायर के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। बेकर की इस उपलब्धि से इंग्लैंड क्रिकेट में एक और युवा प्रतिभा का उदय हुआ है और आगामी टूर्नामेंटों में उनसे बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 49 रनों से हराया

एजेंसी

हरारे। ब्रायन बेनेट (169) की शतकीय और कप्तान क्रेग एर्विन (66) की अर्धशतकीय पारियों के बाद ब्लेसिंग मुजरबानी (चार विकेट) तथा रिचर्ड न्गारावा (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 49 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। 300 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में एंडी बालबिर्नी (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान पॉल स्टर्लिंग और कर्टिस कैम्फर के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी हुई। दूसरे विकेट के रूप में पॉल स्टर्लिंग (32) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें मुजरबानी ने आउट किया। इसके बाद सिकंदर रजा ने कर्टिस कैम्फर (44) को आउटकर आयरलैंड को बड़ा झटका

दिया। हैरी टेक्टर (39), लोर्कन टकर (31) तथा मार्क अडायर (दो) रन बनाकर आउट हुये। एंडी मैकब्राइन (32) का आउट होना मैच का निर्णायक मोड़ रहा। इसके बाद मैथ्यू हम्फ्रीज (शून्य) और जोश लिटिल (एक) रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की पूरी टीम 46 ओवर में 250 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। जिम्बाब्वे ने यह मुकाबला 49 रनों से जीत लिया।जिम्बाब्वे की ओर से ब्लसिंग मुजरबानी ने चार विकेट लिये और रिचर्ड न्गारावा को तीन विकेट मिले। वेसली मधेवेरे ने दो तथा सिकंदर रजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां हरारे स्पोट्स क्लब मैदान में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और बेन करन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 19वें ओवर में एंडी मैकब्राइन ने बेन करन (28) को आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। कप्तान क्रेग एर्विन ने 61 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए (66) रनों की पारी खेली। उन्हें ग्राहम ह्यूम ने आउट किया। सिकंदर रजा (आठ) रन बनाकर आउट हुये। वेस्ली मधेवेरे (आठ) रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। ब्रायन बेनेट ने 163 गेंदों में 20 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (169) रन बनाये। उन्हें मार्क अडायर ने आउट किया। जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 299 का स्कोर खड़ा किया। तदिवानाशे मरुमनी (दो) और जॉनाथन कैंपबेल (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने दो विकेट लिये। जोश लिटिल, ग्राहम ह्यूम, और एंडी मैकब्राइन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एएफसी अंडर-20 एशियाई कप: जापान और दक्षिण कोरिया की धमाकेदार जीत

शेन्ज़ेन। एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के ग्रुप डी मुकाबलों में जापान और दक्षिण कोरिया ने शानदार प्रदर्शन किया। खेले गए मैच में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा, जबकि दक्षिण कोरिया ने सीरिया को 2-1 से मात दी। जापान की ओर से 14वें मिनट में हिसात्सुगु इशी ने पहला गोल किया। इसके बाद 33वें मिनट में रियोन इचिहारा ने पेनल्टी पर गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। 69वें मिनट में रयुनोसुके सातो ने तीसरा गोल दागते हुए जापान की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने भी दमदार प्रदर्शन किया। सीरिया के खिलाफ आठवें मिनट में सुंग शिन ने पहला गोल किया, जबकि 23वें मिनट में बेक मिन-ग्यू ने स्कोर 2-0 कर दिया। सीरिया के लिए 60वें मिनट में अलंद अब्दी ने गोल कर टीम की वापसी की उम्मीद जगाई।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटका, डिफेंडर मैनुअल अकांजी 10 सप्ताह के लिए बाहर

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी की चोट की समस्याएं और गहरी हो गई हैं, क्योंकि स्विस डिफेंडर मैनुअल अकांजी जांघ की चोट के कारण लगभग 10 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की।

अकांजी को मंगलवार रात रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ में सिटी की 3-2 की हार के दौरान हाफटाइम पर बाहर होना पड़ा था। गार्डियोला ने बताया कि डिफेंडर की शनिवार को सर्जरी होगी और उन्हें ठीक होने में आठ से 10 सप्ताह का समय लग सकता है। कोच ने कहा, उनकी सर्जरी होगी। हमें उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होंगे। इस सीजन में उन्होंने अविश्वसनीय मेहनत की है, लेकिन अंततः शरीर ने संकेत दिया कि अब

ब्रेक की जरूरत है। हालांकि, मैन सिटी के लिए राहत की खबर यह रही कि विंगर जैक ग्रीलिश की चोट गंभीर नहीं है। गार्डियोला ने कहा, यह मनु की चोट जितनी गंभीर नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह न्यूकैसल के खिलाफ खेलने के लिए तैयार होंगे या नहीं।मैनचेस्टर सिटी अगले बुधवार को सैंटियागो बर्नब्यू में रियल मैड्रिड से मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेगी।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती

एजेंसी

कराची। विलियम ओरूर्क (चार विकेट), माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद डैरिल मिचेल (57) और टॉम लेथम (56) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने फाइनल मुकाबले में 28 गेंदे शेष रहते 243 रन बनाकर पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली। 242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में विल यंग (पांच) का विकेट गवां दिया। उन्हें नसीम शाह ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन (34) को आगा सलमान ने पगबाधा आउट किया। डेवन कॉन्वे (48) रन बनाकर आउट हुये। 39वें ओवर में अबरार अहमद ने डैरिल मिचेल (57) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया।

45वें ओवर की पहली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टॉम लेथम को आउट कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। टॉ लेथम ने 64 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (56)रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 45.2 ओवर में पांच विकेट पर 243 रन पर बनाकर मुकाबला और त्रिकोणीय सीरीज

अपने नाम कर ली। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने दो विकेट लिये। आगा सलमान, शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां नेशनल बैंक क्रिकेट एरेना में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। फखर जमान (10), सऊद शकील (आठ) और बाबर आजम (29)रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आगा सलमान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी हुई। 32वें ओवर में ओरूर्क ने रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 76 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (46) रन बनाये। इसके 37वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने आगा सलमान को आउट कर पवेलियन भेज दिया। आगा सलमान ने 65 गेंदों में एक चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रन बनाये। तय्यब ताहिर 33 गेंदों में (38) रन बनाकर आउट हुये। फहीम अशरफ (22) और नसीम शाह (19) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की पूरी टीम 49.3 ओवर में 242 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम ओरूर्क ने चार विकेट लिये। माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर को दो-दो विकेट मिले। जेकब डफी और नेथन स्मिथ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एक साथ तीन आलीशान फ्लैट की मालकिन बनीं

गौहर खान

कीमत जानकर खुली रह जाएंगी आंखें

मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस गौहर खान फिर से चर्चा में आ गई हैं. हालांकि वो किसी फिल्म या शो के लिए सुर्खियों में नहीं हैं, बल्कि रियल एस्टेट में निवेश के कारण चर्चा में हैं. गौहर खान ने मुंबई के वर्सोवा में तीन नए अपार्टमेंट खरीद लिए हैं. उन अपार्टमेंट्स की कीमत इतनी है कि आप सुनकर अपने दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे. चलिए आपको एक्ट्रेस के नए अपार्टमेंट्स की सारी डीटेल्स बताते हैं.गौहर खान ने मुंबई के वर्सोवा जैसे पॉश इलाके में 3 लग्जरी अपार्टमेंट खरीदे हैं. इन फ्लैट्स की कीमत करोड़ों में है. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो ड्डलक्रकी वेबसाइट पर हुए स्क्वायर यार्ड्स के डॉक्यूमेंट रिव्यू के हिसाब से पाया गया कि ये तीनों अपार्टमेंट एक ही रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं. हालांकि एक ट्रांसजैक्शन पूरी तरह से गौहर खान के नाम से हुआ था. जबकि बाकी दो अपार्ट्मेंट्स एक्ट्रेस और उनके पति जैद दरबार के नाम के साथ किए गए थे.

इतने करोड़ में खरीदा पहला अपार्टमेंट

सारे ट्रांसजैक्शन फरवरी 2025 में रजिस्टर किए गए हैं. ड्डलक्र प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के द्वारा रिलीज किए गए रजिस्ट्रेशन

डॉक्यूमेंट्स के हिसाब से तीनों प्रॉपर्टीज शिव कुटीर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड वर्सोवा में खरीदी गई हैं. गौहर खान के नाम पर किए गए ट्रांसजैक्शन पर अपार्टमेंट की कीमत 2.80 करोड़ रुपये है और उसका कार्पेट एरिया 1104.75 स्क्वायर फीट है और उसका बिल्ट-अप एरिया 1326.11 स्क्वायर फीट है. एग्रीमेंट में एक कार पार्किंग की जगह भी दी गई है. ट्रांसजैक्शन पर स्टैम्प ड्यूटी 13.98 लाख रुपये लगाई गई है और रजिस्ट्रेशन फीस 30,000 रुपये है.

कितनी है बाकी दोनों फ्लैट्स की कीमत

वहीं एक दूसरे ट्रांसजैक्शन में गौहर खान और जैद दरबार ने मिलकर 2 अपार्टमेंट्स उसी प्रोजेक्ट में खरीदे हैं. जिनकी कीमत 7.33 करोड़ रुपये है. इनका कार्पेट एरिया 2393 स्क्वायर फीट और बिल्ट-अप एरिया 2872.56 है. इसमें दो कार पार्किंग की सुविधा भी दी गई है. इन ट्रांसजैक्शन्स पर 43.97 लाख रुपये की स्टैम्प ड्यूटी लगी है और 30,000 रुपये रजिस्ट्रेश फीस है. जिनको नहीं पता है, उनको बता दें कि वर्सोवा इलाका मुंबई के पश्चिम में आता है और शहर के सभी सुविधाओं से अच्छे तरीके से जुड़ा हुआ है.

धर्म के साथ यही दिक्कत है कि...जब करीना के धर्म परिवर्तन पर बोले सैफ अली खान

सैफ अली खान पिछले काफी वक्त से सुर्खियों में बने हुए हैं. 16 जनवरी की रात को उनके घर में एक अनजान शख्स ने अभिनेता पर हमला कर दिया था. उनके हाथ, गर्दन और रीढ़ की हड्डी में चोट आई थी. इसके बाद आनन-फानन में उनको लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था. 6 घंटे तक चली सर्जरी के बाद वो डिस्चार्ज हो गए थे. सैफ अब रिकवर कर चुके हैं. इसी बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो करीना कपूर के धर्म परिवर्तन को लेकर बातें करते हुए नजर आ रहे हैं.करीना कपूर भले ही सैफ अली खान की दूसरी पत्नी हों, लेकिन दोनों में प्यार बेशुमार है. अमृता सिंह से तलाक लेने के करीब 8 साल के बाद सैफ ने करीना को हमेशा के लिए अपना बना लिया था. कहा जाता है कि करीना तो सैफ की मोहब्बत में इस कदर पागल थीं कि वो अपना सब कुछ छोड़ने के लिए तैयार हो गई थीं.

करीना के धर्म परिवर्तन पर क्या बोले थे सैफ

करीना कपूर से शादी करने के बाद सैफ पर आरोप लगे थे कि उन्होंने एक हिंदू महिला को बहला फुसलाकर शादी की. सैफ अली खान ने एक इंटरव्यू में इस पर रिएक्ट किया था. सैफ से सवाल किया गया था कि क्या आप अपनी पत्नी का धर्म परिवर्तन कराना चाहेंगे. इस पर उन्होंने कहा था नहीं मैं ऐसा नहीं करना चाहूंगा. मैं नहीं चाहता कि वो धर्म परिवर्तन करें.

उन्होंने आगे कहा था, धर्म के साथ दिक्कत यही है कि लोग समझते हैं कि कन्वर्ट होना पड़ेगा. मेरा मानना है कि जब दो अलग धर्म के लोग शादी करते हैं तो जरूरी नहीं कि कन्वर्ट हुआ जाए.जब उनसे पूछा गया कि करीना अगर अपना धर्म नहीं बदलेंगी तो क्या उनका परिवार उनको स्वीकार करेगा. इस पर भी सैफ ने हां कहा था.

सैफ ने ये भी कहा था, मैं इस पर यकीन नहीं करता हूं. मुझे लगता है कि ये अच्छा है कि सरकार ने भी इसे स्पेशल मैरिज एक्ट में शामिल कर लिया है और कोई भी मां-बाप ये नहीं चाहेगा कि उसका बेटा या बेटी धर्म परिवर्तन कर ले.

बेटी दुआ के साथ दीपिका पादुकोण की तस्वीर, लोग हो गए फिदा, सच्चाई कुछ और ही निकली

फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पिछले साल 8 सितंबर को बेटी को जन्म दिया था. पैदा होने के बाद रणवीर सिंह और दीपिका ने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा. 8 फरवरी को दुआ पांच महीने की हो गई. पर इतने महीने बीतने के बाद भी दीपिका और रणवीर के फैंस दुआ की एक झलक से महरूम हैं. यही वजह है कि सोशल मीडिया पर कोई फेक तस्वीर पर सामने आती है तो फैंस उसे सच समझ बैठते हैं.इंस्टाग्राम पर दीपिका पादुकोण की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वो बच्ची को गोद में लिए दिखाई दे रही हैं. इस तस्वीर को देखते ही उनके फैंस लगातार पोस्ट के कमेंट बॉक्स में प्यार लुटा रहे हैं. ये तस्वीर उस दिन शेयर की गई थी, जिस दिन दुआ पांच महीने की हुई थी. एक फैन ने

तस्वीर देखकर लिखा, माशाअल्लाह, अल्लाह आपकी बेटी को आपकी आंखों की ठंडक बनाए, अल्लाह बेबी दुआ और उसके पैरेंट्स की हर दुआ पूरी करे. पाकिस्तान से बेस्ट विशेश.

AI की तस्वीर को समझ लिया असली

कुछ लोग इस तस्वीर पर दिल कमेंट कर प्यार बरसा रहे हैं तो कोई कह रहा है, मुझे भी दुआ चाहिए,एक ने दुआ को क्यूट बताया. इन तमाम फैंस के इमोशंस तो सच्चे हैं पर जो तस्वीरें आप देख रहे हैं वो सच्ची नहीं हैं.

दरअसल ये तस्वीरें तकनीक की उपज हैं. इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का सहारा लेकर किसी ने बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. पहली तस्वीर के अलावा आगे की स्लाइड्स की तस्वीरें देखेंगे तो आपको साफ पता चल जाएगा ये तस्वीर फेक हैं.

किसने शेयर की ये तस्वीरें ?

इंस्टाग्राम पर दीपिका की ये एआई जेनरेटेड तस्वीरें दीपिका के एक फैन पेज ने शेयर की हैं. इस फैन पेज का नाम **padukonadeepika_** है. इसके बायो के मुताबिक ये दीपिका का अरैबिक फैन अकाउंट है. आमतौर पर इस पेज पर दीपिका से जुड़े कंटेंट ही शेयर किए जाते हैं. इस पर उनकी तस्वीरें, वीडियो और फिल्मी डायलॉग शेयर किए जाते हैं. हालांकि एआई तस्वीरों को शेयर करते हुए इस अकाउंट से ये साफ नहीं किया गया कि ये तस्वीरें असली नहीं, ऐसे में कई लोग झांसे में आ गए और लाइक और कमेंट की झड़ी लग गई.

प्रयागनगरी महाकुंभ पहुंची

रूपाली गांगुली

संगम आरती में भक्ति में लीन हुईं अनुपमा

महाकुंभ जोरों-शोरों से चल रहा है. करोड़ों की संख्या में भक्त आ रहे हैं और संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं. इस आध्यात्मिक सफर में बहुत सारे सेलेब्स भी आ चुके हैं. हाल ही में 'अनुपमा' टीवी शो फेम एक्ट्रेस रूपाली गांगुली भी महाकुंभ में पहुंची हैं और उन्होंने संगम आरती में हिस्सा लिया. रूपाली को हमेशा अपनी धार्मिक मान्यताओं के बारे में खुलकर बातें करते देखा गया है. वो कई भक्तों के साथ महाआरती में शामिल हुईं और यहां पर ईश्वर का आशीर्वाद लिया. इससे जुड़ी रूपाली गांगुली की कुछ फोटोज सामने आई हैं.तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रूपाली गांगुली प्रयागनगरी पहुंचकर बहुत खुश हैं. इस दौरान उन्होंने प्रिंटेड सूट पहना था और उनके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी. इसके अलावा उनको पवित्र आरती पकड़े हुए भी देखा जा सकता है. एक्ट्रेस ने महाकुंभ के परमर्थ निकेतन में पवित्र अनुष्ठान भी किया था. कुछ फोटोज में रूपाली को धर्म गुरु स्वामी चिदानंद सरस्वती के साथ भी देखा जा सकता है.

दिव्य आरती का हिस्सा बनीं रूपाली

परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ने एक्ट्रेस के साथ आरती करते हुए और कुछ अन्य तस्वीरें भी शेयर की. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक अनुपमा में मुख्य किरदार निभाने वाली रूपाली गांगुली जी का महाकुंभ की दिव्य धरा परमार्थ निकेतन शिविर, प्रयागराज में आगमन हुआ. पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और पूज्य साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में संगम आरती का दिव्य, अलौकिक अद्भुत दृश्य. ये एक अद्भुत एक्सपीरियंस था. इस दौरान उनके साथ बेटे रुद्रांश और पति अश्विन वर्मा भी थे. रूपाली ने महाकुंभ में चिदानंद सरस्वती का आशीर्वाद भी लिया.

अब तक इन सितारों ने लगाई आस्था की डुबकी

रूपाली गांगुली की ये फोटोज देखने के बाद फैन्स बहुत खुश हैं और इस पर लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं. महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए लोग एक्ट्रेस की तारीफ भी कर रहे हैं. पिछले कुछ हफ्तों में महाकुंभ में नीना गुप्ता, दिग्गज अभिनेत्री जयाप्रदा, कॉमेडियन सुनील ग्रोवर, रेमो डी'सूजा, अनुपम खेर, विद्युत जामवाल, पंकज त्रिपाठी, राजकुमार राव, पत्रलेखा, ईशा गुप्ता, हेमा मालिनी और भाग्यश्री ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई है.